हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची • शनिवार • 08.03.2025 • वर्ष : 15 • अंक : 225 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से महिला विधायकों ने मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी महिला मंत्रियों और विधायकों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड विधानसभा में महिला जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति से नारी शक्ति को बल मिलता है। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष और विपक्ष की सभी महिला विधायक सदन में महिलाओं की सुरक्षा, स्वावलंबन और सशक्तिकरण की आवाज हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आधी आबादी की भागीदारी से ही देश, राज्य और समाज के सर्वांगीण विकास का रास्ता खुलता है। हमारी सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना जैसी कई योजनाओं के माध्यम से आधी आबादी को सशक्त बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे इस बात का गर्व है कि झारखंड की महिलाओं ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के बल पर आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक और खेल सहित अनेकों क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियां हासिल कर राज्य का नाम रोशन किया है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में एक नया मुकाम हासिल कर रही हैं। महिलाएं अपने मंजिल और मुकाम को हासिल करने में कामयाब हों, इसके लिए सरकार पूरा सहयोग करने को तैयार है। एक बार फिर आप सभी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बहुत-बहुत बधाई। इस अवसर पर मंत्री दीपिका पांडेय, मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, विधायक कल्पना सोरेन, विधायक डॉ. नीरा यादव, विधायक लुइस मरांडी, विधायक सविता महतो, विधायक रागिनी सिंह, विधायक ममता देवी, विधायक पूर्णिमा दास साहू, विधायक श्वेता सिंह और विधायक मंजू कुमारी मौजूद थीं।

होली से पूर्व मिलेगी मंईयां सम्मान योजना की राशि : मुख्यमंत्री

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने शुक्रवार को सदन में कहा कि राज्य की महिलाओं को होली पर्व से पूर्व मंईयां सम्मान योजना की राशि उनके खाते में भेज दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम जो कहते हैं उसे पूरा करते हैं। सरकार इस योजना की त्रुटियों को ठीक कर रही है। त्योंहारों से पूर्व राज्य की महिलाओं के चेहरे पर मुस्कान आएगी, ऐसा सरकार का प्रयास है। इससे संबंधित प्रश्न विधायक मंगल कालिंदी ने सरकार से पूछा था। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार फुलो झानो योजना को और भी बेहतर तरीके से लागू करेगी। उन्होंने सदन को बताया कि उनकी सरकार ने राज?य की ऐसी महिलाओं के लिए इस योजना की शुरूआत की थी जो हड़िया दारू बेचकर जीविका चलाती हैं। लेकिन सरकार ने पाया कि जिन महिलाओं को इस योजना से जोड़ा गया वे फिर से हड़िया दारू बेचना शुरू कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड ही नहीं बल्कि देश जहां-जहां आदिवासी समाज रहता है वहां की महिलाएं हड़िया दारू बेचती हैं।उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज गरीब और उपेक्षित है। महिलाएं मजबूरी में यह काम करती हैं।

ग्रामीण विकास और वन विभाग का 98.41 अरब का बजट पारित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : विधानसभा के बजट सत्र के दौरान शुक्रवार को भोजनावकाश के बाद ग्रामीण विकास और वन विभाग का 98 अरब 41 करोड़ 41 लाख 61 हजार रुपए का बजट पारित हो गया। इस दौरान विपक्ष अनुपस्थित रहा। इसलिए विपक्ष के कटौति प्रस्ताव को अस्वीकृत कर दिया गया। ग्रामीण विकास और वन विभाग पर हुए वाद-विवाद पर जवाब देते हुए विभाग की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि सरकार ने ग्रामीण विकास विभाग का प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं में पक्ष और विपक्ष के सदस्यों को शिकायत नहीं करनी पड़ेगी। मंत्री ने कहा कि विपक्ष के विधायक शशि भूषण मेहता ने भी कहा है कि पीएम आवास योजना की राशि कम है और इसे बढ़ाकर दो लाख करना चाहिए। हमारी सरकार ने अपने दम पर अबुआ आवास योजना के लिए लाभुकों को दो लाख रुपए दे रही है। यही वजह है कि विपक्ष भी हमारे प्रयासों की सराहना करता है।

विभागों में खाली पदों को भरेगी सरकार

मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आनेवाले दिनों में विभागों में खाली सभी पदों पर नियुक्तियां करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में हमने 15 लाख अबुआ आवासों को पूरा कर लिया है। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष से केंद्र पर बकाया एक लाख 36 हजार करोड़ लाने में मदद करने का आग्रह किया। इस दौरान विपक्ष सदन से हंगामा करते हुए वॉक आउट हो गया। इस पर मंत्री ने कहा कि कम से कम विपक्ष ने हमें दो घंटे तक तो सुना। यह नई शुरूआत है। उन्होंने केंद्र सरकार पर हर साल मनरेगा की राशि में कटौति करने का आरोप लगाया।

मंत्री ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि आनेवाले दिनों में मनरेगा में 15 करोड़ मानव दिवस का सृजन करेंगे। उन्होंने बताया कि 53 सीएफटी का काम करने पर हमने एक दिन का मानव दिवस के रूप में तय किया है। मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने बकाया 8868 रुपए नहीं दिया इसलिए विभाग के बजट में कटौती करनी पड़ी। केंद्र की संवेदनहीनता के चलते आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए राज्या सरकार को तीन गुनी राशि देनी पड़ रही है। मंत्री सरकार ने राज्य के ग्रामीण क्षेत्र के 98 हजार युवाओं को प्रशिक्षित किया है। इन्हें जल?द रोजगार से जोड़ा जाएगा। साथ जिला स्तर प्रशिक्षित महिलाओं को जेएसएलपीएस के जरिए जोड़ने की बात उन्होंने कही।

कम रेट पर टेंडर कोट करनेवालों पर होगा जल्द निर्णय

मंत्री ने कहा कि कम रेट पर टेंडर कोट कर घटिया स्तर की सड़कें बनाने वाले ठेकेदारों के खिलाफ जल्द कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस मामले को कैबिनेट में लाया जाएगा। झामुमो के विधायक ने मंत्री से पूछा कि आरईओ की कितनी सड़कें हर विधायक को सरकार देगी। इसके जवाब में मंत्री ने कहा कि सभी सदस्यों को पिछली बार से कम सड़कें नहीं मिलेंगी।

खनिज की लूट के लिए ग्राम सभा पर लगाया अंकुश

विभागीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार अपने अडाणी और अंबानी दोस्त के लिए राज्यर की खनिजों को देने के लिए ग्राम सभा को कमजोर किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने सभी प्रखंड कार्यालयों को निर्देश दिया है कि वे ग्रामीणों की बातों को सुनें और उनकी उपेक्षा न करें। मंत्री ने बताया कि वर्ष 2026 तक पंचायत सचिवालयों को मजबूत कर उन्हें डिजिटल कर दिया जाएगा। साथ ही मंत्री ने राज्य में 2500 पंचायत ज्ञान केंद्र बनाने की बात कही। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने सदन की कार्यवाही सोमवार की सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

प्रिय आँगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका बहनों,

आप सभी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च, 2025 की हार्दिक शुभकामनाएँ।

आज इस शुभ अवसर पर मैं अपने प्रिय आँगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका बहनों को राज्य के प्रति आपकी समर्पित सेवा के लिए दिल से सराहना करने के साथ-साथ अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का मुख्य थीम Accelerate Action रखा गया है, जिसका मुख्य भाव महिलाओं के अधिकारों, लैंगिक समानता तथा सम्पूर्ण विकास को तेज गति देने पर जोर देता है। हमारी आँगनबाड़ी सेविकाएँ एवं सहायिका बहनों के द्वारा इस थीम को पूर्ण रूप से सार्थक करते हुए तन-मन से राज्य हित में कार्य किया जा रहा है। आँगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से समुदाय की सेवा में आपके अटूट, सम्पूर्ण और निरंतर प्रयासों के लिए अबुआ सरकार आपका आभारी है।

हमारे लिए बहुत गर्व का विषय है कि महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के अन्तर्गत कुल- 37876 सेविकाएँ, 34941 सहायिकाएँ एवं 679 महिला पर्यवेक्षिकाएँ क्षेत्रीय कार्यकर्त्ता के रूप में समाज में समान अवसर का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण देते हुए निरंतर कार्यरत हैं।

आज आँगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से नियमित स्वास्थ्य जाँच, वृद्धि निगरानी, टीकाकरण तथा कुपोषण प्रबंधन के माध्यम से मातृ मृत्युदर एवं शिशु मृत्यु दर में कमी आयी है, जो काफी गौरवान्वित करता है। पोषण जैसे महत्वपूर्ण विषय को जन आंदोलन का रूप देकर कुपोषण मुक्त झारखण्ड की कल्पना को साकार करने की यात्रा में आप महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहीं हैं।

उल्लेखनीय है कि आज झारखण्ड राज्य में 154186 गर्भवती महिलाओं, 121655 धात्री माताओं तथा 1323217 छः माह से तीन वर्ष के बच्चों को पोषक तत्व से भरपूर शिशु आहार, पौष्टिक मीठा दलिया एवं नमकीन दलिया नियमित रूप से आँगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही, 3 से 6 वर्ष के बच्चों को गर्म ताजा पका हुआ भोजन के साथ-साथ अण्डा भी उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे कि बच्चों का विकास सही ढ़ग से हो सके तथा वे राज्य निर्माण में अपना सम्पूर्ण योगदान दे सकें।

आज के Digital युग में हमारी आँगनबाड़ी सेविकाएँ तथा महिला पर्यवेक्षिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए जल्द ही उन्हें Smart Phone उपलब्ध कराया जाएगा।

आपके द्वारा कई महत्पूर्ण योजनाओं यथा-सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयाँ सम्मान योजना, पोषण अभियान योजना, पेंशन योजना, निःशक्त कल्याणार्थ योजना, सामुहिक कुरीति निवारण योजना, विधवा पुनर्विवाह योजना का सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिससे कि जनसमुदाय को इन योजनाओं का लाभ ससमय मिल सके। साथ ही, बी.एल.ओ. के रूप में आपके अथक प्रयासों के कारण राज्य भर में मतदाताओं का समावेशीकरण हुआ है एवं चुनाव पर्व में लोगो ने बढ़-चढ़ कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया है।

आज इस अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आपकी मेहनत और लगन के साथ-साथ महिलाओं के सम्पूर्ण विकास, सशक्तिकरण तथा समान अवसर दिलाने की दिशा में आईए मिल कर हमसब प्रयास करें ताकि **अबुआ झारखण्ड-स्वस्थ और सुपोषित झारखण्ड बन सके।**

आपका आभार और धन्यवाद !

शुभकामनाओं सहित

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

PR- 348116 (Women, Child Development & Social Security) 24-25

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

संतोष कुमार गंगवार
राज्यपाल, झारखण्ड

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

पर समस्त नारी शक्तियों को हमारा
जोहार एवं अभिनन्दन

तू ही शक्ति,
तू ही सृष्टि,
कैसे करुं तुम्हारा वंदन,
तुझसे ही जग की अभिव्यक्ति!
महिला, जिनके बिना परिवार,
समाज, देश और इस संसार की
कल्पना ही नहीं की जा सकती,
जिनके अस्तित्व को कोई चुनौती
ही नहीं दे सकता,
उन्हें सदैव नमन

PR- 348063 (IPRD) 24-25
सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

एक नजर

अनुसूचित जाति सलाहकार परिषद गठन किए जाने पर दी गई सीएम को बधाई

हजारीबाग : अनुसूचित जाति सलाहकार परिषद के गठन किए जाने पर एक शिष्टमंडल ने इसे ऐतिहासिक कदम बताते हुए माननीय मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को हार्दिक बधाई दी है । बधाई देने वालों में झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर श्रम नियोजन मंत्री संजय प्रसाद यादव विधायक संजय यादव प्रदेश पूर्व कार्यकारी बंधु तिर्की प्रदेश उपाध्यक्ष भीम कुमार, पूर्व डीएसपी रामचंद्र राम कांग्रेस नेत्री इंदिरा तुरी, कौशल पासवान, पंकज कुमार, सुरेंद्र राम, किशोर नायक, प्रोफेसर संतोष राम, दामोदर वाल्मीकि, विजय भुइया आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे ।

चिकित्सा प्रभारी ने अवैध अल्ट्रासाउंड लिंग जांच के विरुद्ध चलाया छापेमारी अभियान

बड़कागांव : बड़कागांव चिकित्सा प्रभारी डॉ अविनाश कुमार ने बड़कागांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पत्रकारों को प्रेस कांफ्रेंस करके बताया कि हजारीबाग उपायुक्त नैंसीय सहाय तथा हजारीबाग सिविल सर्जन एसपी सिंह के निदेर्शानुसार तथा बड़कागांव चिकित्सा प्रभारी डॉ अविनाश कुमार तथा बड़कागांव थाना एसआई बसंत भगत के संयुक्त नेतृत्व में शुक्रवार को बड़कागांव प्रखंड में आधा दर्जन से अधिक अवैध अल्ट्रासाउंड लिंग जांच के विरुद्ध छापेमारी अभियान चलाया गया ।यह छापेमारी अभियान गुप्त सूचना के आधार पर ब्लॉक मोड़ के पास,थाना के समीप एक नर्सिंग होम,एक्सिस बैंक के नीचे, पूर्व विधायक पेट्रोल पंप के अपोजिट साइड दो संस्थान में, दादा बाबा रोड में बंद पेट्रोल पंप के बगल में एक दुकान में, बसेरिया मुहल्ला में एक नर्सिंग होम के बगल में किया गया। जांच दरम्यान कुछ संस्थान बंद पाएंगे तथा कुछ संस्थान खुले पाए गए लेकिन अवैध अल्ट्रासाउंड मशीन नहीं पाए गए। वहीं चिकित्सा प्रभारी के द्वारा अवैध अल्ट्रासाउंड लिंग जांच संचालकों को कड़ी हिदायत दी गई। और अगर भविष्य में अवैध अल्ट्रासाउंड लिंग जांच करते पकड़े जाएंगे तो कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी ।अगर अल्ट्रासाउंड जांच चलानी हैं तो नियमित डॉक्टर उपस्थिति तथा कागजी प्रक्रिया होनी चाहिए और किसी प्रकार की लिंग जांच नहीं होनी चाहिए। अगर किसी प्रकार के कहीं भी लिंग जांच की जाती है तो बड़कागांव चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर अविनाश कुमार के 8084836738 नंबर पर सूचित करें।

हर महीने जहां 40 हजार मरीज करते हैं सफर वहां अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं करूंगा : सांसद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

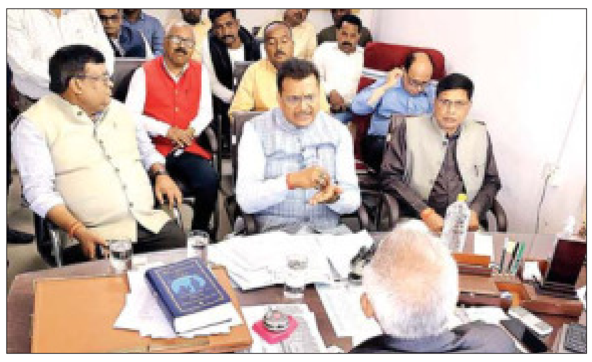

हजारीबाग : हजारीबाग के सदर अस्पताल/मेडिकल कॉलेज अस्पताल की व्यवस्था सुदृढ़ करने को लेकर निरंतर गंभीर और सक्रिय रहने वाले हजारीबाग लोकसभा शेर के सांसद मनीष जायसवाल ने शुक्रवार को दोपहर 12:00 जैसे ही अचानक औचक निरीक्षण करने हजारीबाग सदर अस्पताल/ मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे तो यहां अफरा-तफरी मच गई। प्रबंधन, चिकित्सक, चिकित्साकर्मी सभी एलर्ट मोड में दिखे। सांसद मनीष जायसवाल सीधे ट्रामा सेंटर पहुंचे जहां पर्ची काउंटर में घंटों से पर्ची के इंतजार में खड़े लोगों के समस्याओं से रूबरू हुए और फि र यहां इमरजेंसी ओपीडी, ड्रेसिंग रूम, प्लास्टर रूम का निरीक्षण करने के पश्चात सीधे अधीक्षक डॉ.अनुकरण पूर्ति के कार्यालय कक्ष में पहुंचे और अस्पताल के कुव्यवस्था से जुड़े विभिन्न सवालों को जब बारी-बारी से रखा तो कई सवालों पर सुप्रिटेंडेंट घिरते नजर आए। दरअसल उन्हें पिछले दिनों यह शिकायत मिली थी कि अस्पताल में 100 रुपए पैसे लेकर या मोबाइल गिरवी रखकर कंबल, व्हीलचेयर और स्ट्रेचर दिया जा रहा है। कुछ लोगों ने यह भी शिकायत की थी कि बेडशीट भी नहीं मिल पाता है और बेडशीट रहते हुए भी चिकित्सा कर्मियों द्वारा बोला जाता है कि बेडशीट नहीं है। सांसद मनीष जायसवाल ने सुपरिटेंडेंट डॉ. अनुकरण पूर्ति से अस्पताल परिसर में अधिष्ठापित दो पीएसए ऑक्सीजन प्लांट बंद होने, पंजीकरण काउंटर ने मेन पावर की कमी, विभिन्न वार्डों में बेडशीट, कंबल, व्हील चेयर, स्ट्रेचर के लिए मरीजों के परिजनों से मोबाइल और पैसा जमा कराए जाने, विभिन्न वार्डों में मरीज से कैथेटर लगाने, ड्रेसिंग करने सहित अन्य सुविधा के लिए भी मनमानी वसूली किए जाने, रविवार की रात को अस्पताल का जांच घर कार्य नहीं करने, हॉस्पिटल के सीनियर डॉक्टर दूसरी पाली के ओपीडी और विशेषकर रात्रि में उपलब्ध नहीं रहने, लेबर रूम में मनमानी वसूली किए जाने, अस्पताल का अल्ट्रासाउंड अब तक चालू नहीं किए जाने, पोस्टमार्टम में देरी एवं चिकित्सक मनमानी करने के कारण कईएक बार मुर्दों के साथ परिजनों को घंटों इंतजार कराए जाने, ब्लड बैंक का प्लाज्मा सेपरेशन का कार्य शुरू नहीं हो पाने और हॉस्पिटल कैम्पस में अस्पताल कर्मियों द्वारा व्यसन का सेवन किए जाने सहित अन्य मामले को गंभीरता से कई सवाल पूछा और इसपर लिखित जबाव भी मांगा है। सांसद मनीष जायसवाल ने लम्बी वार्ता करने के बाद जताते हुए कहा कि सिस्टम में जल्द सुधार करें अन्यथा दूसरा उपाय हमलोगों को करना भी आता है। सांसद मनीष जायसवाल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जिस अस्पताल में हर महीने 40000 से अधिक हमारे मरीज सफर करते हो वहां की अव्यवस्था कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ना ही यह उम्मीद की जाएगी की जनकल्याण के लिए संचालित सरकारी अस्पताल में हमारे मरीज से कंबल, व्हील चेयर, स्ट्रेचर सहित अन्य सामग्री की आवाज में मोबाइल गिरवी रखा जाएगा या रुपए वसूले जाएंगे।

महिलाओं ने पारंपरिक धरोहर को जीवंत बनाए रखा है : अंबा प्रसाद

प्रत्यूष नवबिहार बड़कागांव

बड़कागांव : बड़कागांव की पूर्व विधायक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव, पश्चिम बंगाल सह प्रभारी अंबा प्रसाद ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के पूर्व संध्या पर महिलाओं के लिए शुभकामना संदेश दिया है। अंबा प्रसाद ने महिलाओं को पारंपरिक धरोहर को जीवंत बनाए रखने का सूत्रधार बताते हुए कहा कि झारखंड की महिलाओं ने अपनी लोकसंस्कृति को बचाने और उसे एक नए आयाम तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अंबा प्रसाद ने कहा कि झारखंड की लोक संस्कृति, जिसमें पारंपरिक लोककला, लोकगीत, नृत्य, हस्तशिल्प, खानपान और रीति-रिवाज शामिल हैं, को संरक्षित और संवर्धित करने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने न केवल अपनी पारंपरिक धरोहर को जीवंत बनाए रखा है, बल्कि उसे समकालीन संदर्भों में पुनर्परिभाषित भी किया है, जिससे यह आजीविका और स्वावलंबन का साधन बना है। आगे उन्होंने कहा कि महिलाओं ने सोहराय, कोहबर, जादोपटिया, पिठोरा चित्रकला जैसी पारंपरिक कलाओं को संजोया है और इन्हें नए माध्यमों पर प्रस्तुत कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। लाख की चूड़ियाँ, टसर सिल्क कढ़ाई, बांस और लकड़ी के हस्तशिल्प में उनका योगदान सराहनीय है। महिलाओं ने लोकगीत और नृत्य की विरासत को जीवंत बनाए रखी महिलाएं पारंपरिक करमा, सरहुल, फगुआ, सोहर जैसे लोकगीतों और झूमर, छऊ, पाइका जैसे लोकनृत्यों को संरक्षित कर रही हैं। इन सांस्कृतिक विधाओं को वे न केवल पारंपरिक आयोजनों में निभा रही हैं, बल्कि सांस्कृतिक महोत्सवों और मंचों पर भी प्रस्तुत कर रही हैं।

प्रेस क्लब का झकझोर होली मिलन समारोह 10 को

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग प्रेस क्लब के तत्वावधान में झकझोर होली मिलन समारोह का आयोजन 10 मार्च को हजारीबाग प्रेस क्लब सभागार में भव्य रूप से किया जाएगा। यह आयोजन में हजारीबाग प्रेस क्लब से जुड़े पत्रकार मौजूद रहेंगे, जहां परंपरा, रंग और उल्लास का संगम देखने को मिलेगा। होली मिलन समारोह की भव्य तैयारियों को लेकर हजारीबाग प्रेस क्लब के सभागार में एक विशेष बैठक आयोजित की गई, जिसमें क्लब के अध्यक्ष मुरारी सिंह एवं सचिव विस्मय अलंकार की अध्यक्षता में सभी सदस्यों ने हिस्सा लिया। बैठक में समारोह की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा हुई, जिसमें सभी की सहमति से होली मिलन कमेटी का गठन किया गया। समारोह को व्यवस्थित और भव्य बनाने के लिए एक होली मिलन कमेटी गठित की गई, जिसमें भास्कर उपाध्याय को अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया। उनके नेतृत्व में कार्यक्रम को यादगार बनाने की पूरी तैयारी की जा रही है। इसके अलावा, विभिन्न कार्यों के लिए अन्य सदस्यों को भी जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, ताकि आयोजन सुचारू रूप से संपन्न हो सकें। पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुन,ढोल, मंजीरा, शहनाई और नगाड़ों की गूंज माहौल को उत्सवमय बनाएगी। होली के पारंपरिक गीतों, नृत्य और कविता का आयोजन किया जाएगा। बर्रा, धुस्का,मालपुआ और अन्य पारंपरिक होली व्यंजनों का विशेष प्रबंध होगा। प्राकृतिक और गुलाल के रंगों के साथ होली खेली जाएगी, जिससे पारंपरिक उत्सव का आनंद लिया जा सके। भास्कर उपाध्याय अध्यक्ष,होली मिलन कमेटी ने कहा की हजारीबाग प्रेस क्लब द्वारा आयोजित झकझोर होली मिलन समारोह सिर्फ एक उत्सव नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे, सौहार्द और प्रेम का प्रतीक है। हम इस आयोजन को यादगार बनाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण से कार्य कर रहे हैं। हमारी टीम यह सुनिश्चित करेगी कि हर इस होली को विशेष और रंगीन बना सके। पारंपरिक संगीत, स्वादिष्ट व्यंजन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां के साथ यह आयोजन सिर्फ रंगों का नहीं, बल्कि दिलों के मिलने का भी उत्सव होगा।

हुनर के साथ मेहनत से ही सफलता संभव : तन्मय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने से परिवार में आय वृद्धि और खुशहाली आती है। इसके साथ ही गांव भी स्वावलंबी बनता है। स्वावलंबी गांव के लिए हुनर का ज्ञान और उसका विकास जरूरी है। इसके लिए हुनर के साथ मेहनत जरूरी होती है, ताकि सफलता आए। उक्त बातें उषा मार्टिन के पावर प्लांट हेड तन्मय सिन्हा ने कहीं। वह आज उषा मार्टिन सभागार में विश्व महिला दिवस के पूर्वसंध्या पर आयोजित कार्यक्रम में कहीं। यह प्रशिक्षण उषा मार्टिन फॉउंडेशन और मिनी टूल रूम के सौजन्य से महिलाओं को टेलरिंग और फैशन डिजाइनिंग, फैशन डिजाइनिंग, सोहराई पेंटिंग, फूड एंड विभरेज आदि के माध्यम से 210 से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया जिनमें से 46 महिलाएं विभिन्न प्रतिष्ठानों में कार्य कर रही है। इस अवसर पर एचआर हेड एन0एन0 झा ने कहा कि प्रतिभा निखारने के लिए लगातार प्रयास करना होगा। अपने लगन और प्रयास से आत्मनिर्भर बनने का राह खोजना होगा। इस प्रयास में कंपनी सदैव सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि आबादी और भूभाग असंतुलन के कारण दक्ष और हुनरमद लोग ही सफल होंगे। एम0के0 गुप्ता ने कहा कि उषा मार्टिन के सौजन्य से ऐसे प्रशिक्षण से गांवों के युवाओं को आगे आने का अवसर मिलेगा। इस कोर्स को करने के बाद न केवल महिलाएं हुनरमंद बनेगी, बल्कि आय संवर्द्धन कर आत्मनिर्भर भी बनेगी। कोर्स के दौरान महिलाओं को मशीन पर खुद से सिलाई और कढ़ाई की बारीकियाँ बतायी गयी। उषा मार्टिन फॉउंडेशन के सचिव डॉ मयंक मुरारी ने कहा कि गांव के समग्र विकास के लिए किसानों, विद्यार्थी और महिलाओं को केंद्र में रखकर ग्रामीण विकास की गतिविधियां चलायी जा रही है। गांव के स्तर पर स्वयं सहायता समूह को सशक्त बनाकर और प्रशिक्षण के माध्यम से क्षमता निर्माण के उपाय किये जा रहे हैं, ताकि गांव में ही रोजगार मिले.रूबी मैम के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर आशुतोष मिश्रा, राहुल उरांव, देवाशीष घोष, संगीता कुमारी, वरुण कुमार, मोनीत बूतकुमार आदि उपस्थित थे।

उमरा हज कर मक्का मदीना से अपने वतन को आए हाजी का किया गया स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मुरी : मुरी आज मुरी स्टेशन के बाहर सुबह साढ़े दस बजे उमरा हज (मक्का मदीना) के जियारत कर अपने वतन को लौटे हाजी। सभी हाजियों का मुरी स्टेशन में भव्य स्वागत किया गया। उमरा हज कर आए, मौलाना तबारक हुसैनफैजी, मो हारून, गुलाम मुस्तफा, महिरुदीन अंसारी, अनवर हुसैन,मेराज अंसारी, सज्जाद अंसारी, मेहबूब आलम,मो सोबराती यासिन को मुस्लिम समुदाय के लोगों ने माला पहनाकर स्वागत किया और गले मिले, हाथ मिलाए, हाथों को चुमा। काफी भावुक पल लोगों के बीच रहा। जब परिजन अपने परिवार से मिले। हाजियों से मिलने वालों में मो फारूक, मो उस्मान, चांद हुसैन, मंजुर आलम, शमशेर हुसैन, मजीद आलम, जफरूल हुसैन, मो मंसुर,मो जब्बार , मुस्लिम, शहीद, अजीम, इसाक, क्युम, सोहेल, हासिम, अनीस, शमीम, जसीम, आरिफ अनवर, रिजवान समेत आसपास के दर्जनों मुस्लिम समुदाय के लोग आए थे।

29 हजार अवैध जावा महुआ सहित 2 दर्जन भट्टी नष्ट

चौपारण : प्रखंड को नशा मुक्त बनाने को लेकर थानेदार अनुपम प्रकाश एवं वनपाल पंकज कुमार की सक्रियता लगातार बरकरार है। चौपारण में नशा के खान से मशहूर भगहर भंडार एवं परसातरी में बृहस्पतिवार को चौपारण पुलिस और वन विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई की है। इस बार कार्रवाई अवैध महुआ शराब को विनिष्ट करने के लिए किया गया। थानेदार अनुपम प्रकाश ने बताया कि पुलिस निरीक्षक महोदय के नेतृत्व में वन विभाग की टीम के साथ भगहर, भंडार और परसतारी में करीब 17 हजार किलो अवैध जावा महुआ, 12 हजार लीटर बना हुआ महुआ शराब को विनिष्ट किया गया।

बच्छई मुखिया को मिला सर्वश्रेष्ठ मुखिया का सम्मान, डीसी ने किया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : नगर भवन हजारीबाग में झारखण्ड शिक्षा एवं स्कूली सारक्षता विभाग द्वारा आयोजित मुखिया सम्मेलन का आयोजन किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्यो के लिए बच्छई पंचायत के मुखिया बिरेन्द्र रजक को उत्कृष्ट मुखिया के रूप में चयन किया गया। डीसी नैंसी सहाय ने बिरेन्द्र रजक को स्मृति चिन्ह व प्रसस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मुखीया बिरेन्द्र रजक ने कहा कि ये सम्मान जनहित कार्यो के लिए प्रेरित करेगी। अपने पंचायत में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए करता रहूंगा कार्य।

मृत चौकीदार रामेश्वर पासवान के आश्रित को डीसी ने सौंपा नियुक्ति पत्र

हजारीबाग : जिला स्तरीय चौकीदार अनुकंपा चयन समिति,हजारीबाग की बैठक में लिए गए निर्णय के आलोक में मृत चौकीदार स्वर्गीय रामेश्वर पासवान बीट संख्या 2/12 बड़कागांव अंचल ग्राम एवं पोस्ट हरली,थाना बड़कागांव जिला हजारीबाग के आश्रित पुत्र कृष्णा कुमार,शैक्षणिक योग्यता इंटरमीडिएट उत्तीर्ण को उनके द्वारा चतुर्थ वर्गीय अनुसेवक पद पर नियुक्ति हेतु दिए गए शपथ पत्र के आलोक में समाहरणालय संवर्ग अंतर्गत चतुर्थ वर्गीय अनुसेवक के पद पर नियुक्त करने का निर्णय लिया गया।

आईसेक्ट विश्वविद्यालय में सेल्फ डिफेंस कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर बीते 03 मार्च से 09 मार्च तक आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग के मुख्य कैंपस में मनाए जा रहे फिट इंडिया विमेंस सप्ताह के तहत शुक्रवार को वाको इंडिया किकबॉक्सिंग फेडरेशन, स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ इंडिया व झारखंड एमेच्योर स्पोर्ट्स किकबॉक्सिंग एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में सेल्फ डिफेंस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, डीन एकेडमिक डॉ एमके मिश्रा सहित अन्य के हाथों दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रशिक्षक प्रवीण कुमार, गंगा कुमारी, प्रियंका कुमारी व प्रमोद यादव ने प्रशिक्षण में भाग ले रहे सभी प्राध्यापिकाओं व छात्राओं को आत्मरक्षा के विभिन्न तकनीक बताये। मौके पर कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर महिलाओं के आत्मरक्षा को लेकर आत्मनिर्भर बनाने का यह कार्यक्रम ना केवल प्रतिभागियों में आत्मविश्वास पैदा करेगा बल्कि मानसिक तौर पर भी मजबूत करेगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में महिलाओं के लिए सेल्फ डिफेंस की तकनीक आनी जरूरी है ताकि विषम परिस्थितियों में इसका प्रयोग किया जा सके। डीन एकेडमिक डॉ एमके मिश्रा ने भी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की सभी को शुभकामनाएं देते हुए ऐसे कार्यक्रम को अहम बताया। अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

संक्षिप्त खबरें

छत पर रखे पुआल में लगी आग, लगभग एक लाख रुपये का हुआ नुकसान

सरिया (गिरिडीह): सरिया थाना क्षेत्र के नगर केशवारी गांव में एक व्यक्ति के मकान की छत पर रखें पुआल में आग लग गई। जिससे छत पर रखे पुआल तथा लकड़ियां जलकर राख हो गई। इस संबंध में मुक्त भोगी रूपलाल मंडल तथा विनोद मंडल ने बताया कि दोनों परिवार के एक ही छत पर पावल तथा लकड़ियां रखे हुए थे। रात्रि में 10:00 भोजन कर सभी महिलाएं तथा बच्चे सोए हुए थे। पुरुष वर्ग के लोग किसी शादी समारोह में गए हुए थे। घर की एक महिला सदस्य रात्रि के लगभग 1:00 बजे घर से बाहर निकली। उन्होंने देखा कि मकान के छत पर रख पावल में आग लगी हुई है आज की लट्टे तेज थी अगल-बगल के लोगों को हो हल्ला कर उठाई। सूचना मिलने पर शादी समारोह में गए घर के अन्य लोग भी घटनास्थल पर पहुंचे तथा आग पर काबू पाने का प्रयास किया। परंतु तब तक सभी पुआल तथा लकड़ियां जलकर राख हो चुके थे। वहीं आग लगने के कारण मकान की छत में भी कई जगह दरारें पड़ गई हैं। घटना की सूचना पर स्थानीय मुखिया लखिया देवी, पंसस अनीता देवी,मनी मंडल राजेंद्र मंडल सहित अन्य लोग भी पहुंचे। लोगों ने किसी तरह आग पर काबू पाया।

इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान में लगी आग, 10 लाख रुपये का हुआ नुकसान

सरिया (गिरिडीह): रेलवे क्रॉसिंग सरिया स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान में शुक्रवार की दोपहर लगभग 3:00 बजे आग लग गई। जिस कारण दुकान में रखे लगभग 10 लाख रुपए की संपत्ति जलकर राख हो गई। घटना के संबंध में मुक्त भोगी भारत टीवी सेंटर एंड डीजे के मालिक प्रीतम प्रसाद में बताया कि वह दोपहर लगभग 2:00 बजे अपनी दुकान बंद कर खाना खाने के लिए अपना घर आया। वह खाना खा ही रहा था इसी बीच किसी ने मोबाइल फोन पर सूचना दी कि उनकी दुकान से धुआं निकल रहा है। खाना छोड़कर दुकान आया तथा स्थानीय लोगों के सहयोग से आग बुझाने लगा। तब तक दुकान में रखे एलसीडी,बड़ा स्पीकर, डीजे स्पीकर,डीजे बड़ा मशीन, कोयल इलेक्ट्रॉनिक के सभी प्रकार के पाट्र्स आदि जल गए। जिससे उन्हें लगभग 10 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार की सुबह से ही बिजली गायब है। बावजूद वह दोपहर को जब खाना खाने घर गए तो रोज की तरह की कनेक्शन काट कर गए थे। उन्होंने शंका व्यक्त किया है कि किसी ने व्यक्तिगत द्वेष से अगलगी की घटना को अंजाम दिया है।

जंगली हाथी का आतंक, किसानों के घरों को किया ध्वस्त

चैनपुर: चैनपुर मुख्यालय क्षेत्र के बरटोली गांव में एक जंगली हाथी ने ग्रामीण किसानों के घरों को पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना गुरुवार रात 12:00 बजे की है, जब एक जंगली हाथी ने अचानक घर में हमला कर दिया। घर में रखे कई बोरी अनाज को भी हाथी ने चट कर दिया। इस घटना में हिलदा कुजूर, आइजक कुजूर, राजेश तिर्की और परदेसी देवी नामक ग्रामीण किसानों के घरों को नुकसान पहुंचा है। ग्रामीण किसानों ने बताया कि जंगली हाथी ने अचानक घर में हमला कर दिया, जिससे घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घर में रखे अनाज को भी हाथी ने चट कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि वे किसी प्रकार घर से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। घटना की सूचना मिलते ही जिप सदस्य मेरी लकड़ा और चैनपुर मुखिया शोभा देवी ने ग्रामीणों से मुलाकात कर घटना की पूरी जानकारी ली। उन्होंने प्रशासन से उचित मुआवजे की मांग कर मदद की बात कही। यह घटना चैनपुर क्षेत्र में जंगली हाथियों के बढ़ते आतंक को दशार्ती है। इससे पहले भी चैनपुर क्षेत्र में जंगली हाथियों ने कई घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया था और अनाज को चट कर दिया था र। इस समस्या का समाधान करने के लिए प्रशासन को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। ग्रामीणों ने कहा कि चैनपुर क्षेत्र में जंगली हाथियों के आतंक के कारण ग्रामीण किसानों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनके घरों और फसलों को नुकसान पहुंच रहा है। इसलिए, प्रशासन को इस समस्या का समाधान करने के लिए तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

बालू उठाव के लेकर बकझक, मामला पहुंचा थाना

सिल्ली: सिल्ली थाना अंतर्गत श्यामनगर में जेएसएमडीसी द्वारा प्राधिकृत श्याम नगर घाट में बालू का उठाव किया जा रहा है जिससे ग्रामीणों को हो रही परेशानी को लेकर ग्रामीणों ने जेएलकेएम के वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो से शिकायत की थी। शिकायत मिलने के बाद देवेंद्र नाथ महतो जेएलकेएम कार्यकताओं के साथ ग्रामीणों संग बैठक कर निरीक्षण हेतु श्यामनगर बालू घाट पर गए। वहां बालू के भंडारण करने वाले लोगों और देवेंद्रनाथ के बीच ग्रामीणों की परेशानियों को लेकर तीखी नोक झोंक हुई,जिसके कारण दोनों पक्ष थाना में लिखित आवेदन लेकर गए। इधर थाना प्रभारी दिनेश ठाकुर ने दोनों पक्षों को सम्मान पूर्वक बैठकर अपने-अपने समस्याओं को बताने का मौका दिया एवं दोनों पक्षों से लिखित आवेदन लिए और मामले को लेकर जांच कर आवश्यक कार्रवाई साथ ही बालू घाट से संबंधित सभी कागजातों को सक्षम कार्यालय द्वारा जांच पड़ताल करवाने की बातें कहीं। इन बातों पर दोनों पक्षों की सहमति बनी तत्पश्चात स्थानीय लोगों ने अपनी बात को रखने का मौका मिलने के कारण प्रशासन की सराहना की।

शहर के सभी सरकारी जमीन पर अवैध अतिक्रमण होंगे मुक्त : मयंक भूषण

हजारीबाग : सदर क्षेत्र के शहरी इलाके में सेंट स्टीफन स्कूल द्वारा खास महल की रिज्यूम लैंड पर किए जा रहा था अंचलाधिकारी मयंक भूषण को जैसे ही पता चला कि अतिक्रमण हो रहा है तो दल बल के साथ स्थल पर पहुंचकर अतिक्रमण मुक्त कराया गया । लगातार सूचना मिल रहा है कि शहर के सरकारी जमीन पर कुछ भू माफिया टाइप के लोगों का लगातार कब्जा कर जमीन को अवैध तरीके से बचा जा रहा है जो गलत है ,इसकी सूचना मिलते ही अंचलाधिकारी ने सभी कर्मचारियों को निर्देश दिया है कि जिस एरिया में इस तरह का मामला हो उस पर तुरंत मुझे सूचित करे ताकि कार्यवाही किया जा सके,साथ ही अंचलाधिकारी मयंक भूषण ने लोगों से अपील किया कि सरकार के जमीन को कोई भी ना ही बेचे और ना ही खरीदे ,इस तरह के मामले में सख्ती बरती जाएगी और केश दर्ज किया जाएगा ।

एक नजर

झारखंड में नौ से सताएगी गर्मी

रांची : झारखंड में रविवार से गर्मी सताएगी। रविवार से राज्य के सभी जिलों में तापमान अधिक वृद्धि दर्ज की जायेगी। इससे लोगों को गर्मी का अधिक एहसास होगा। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने शुक्रवार को बताया कि शुक्रवार और शनिवार दो दिनों तक तापमान में मामूली वृद्धि होगी, लेकिन रविवार से इसमें अधिक बढोत्तरी होने की सम्भावना है। अभिषेक आनंद ने कहा कि उत्तर पश्चिम की ओर से आनेवाली हवाओं की वजह से तापमान में अधिक बढोत्तरी नहीं हो रही है, लेकिन हवा की गति कम होते ही लोगों को गर्मी का अधिक एहसास होगा। वही रांची का शुक्रवार को अधिकतम तापमान 27.0 डिग्री, न्यूनतम तापमान 13.1 डिग्री, जमशेदपुर का 32.1, न्यूनतम तापमान 14.6, डालटेनगंज का 30.6, न्यूनतम तापमान 10.6 रहा।

झारखंड के पर्यटन स्थलों पर महिलाओं को मिलेगा निःशुल्क प्रवेश

रांची : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर झारखंड पर्यटन विभाग ने राज्य की महिलाओं के सम्मान में एक विशेष पहल की है। इस पहल के तहत 8 मार्च को राज्य के सभी पर्यटन स्थलों, पार्कों, झरनों और विशेष रूप से पतरातू लेक पार्क में महिलाओं के लिए प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार के विजन के तहत की गई इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को अपने व्यस्त जीवन से कुछ समय निकालकर राज्य के मनोरम पर्यटन स्थलों का भ्रमण करने और प्रकृति की सुंदरता का आनंद लेने के लिए प्रेरित करना है। पर्यटन विभाग ने कहा कि वह महिलाओं को एक सुखद और यादगार अनुभव प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

बिजली उपभोक्ताओं को लग सकता है झटका, प्रति यूनिट दर दो रुपये बढ़ेगी

रांची : झारखंड के बिजली उपभोक्ताओं को झटका लग सकता है। दरअसल झारखंड में बिजली की दर में बढ़ोतरी हो सकती है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में बिजली टैरिफ निर्धारित करने को लेकर कार्यवाही शुरू हो गयी है। जानकारी के मुताबिक जेबीवीएनएल ने घरेलू उपभोक्ताओं के बिजली की दरों में प्रति यूनिट दो रुपये बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है। वर्तमान में शहरी क्षेत्र के उपभोक्ताओं का बिजली दर 6.65 रुपये प्रति यूनिट है। दो रुपये बढ़ जाने से इसकी दर 8.65 रुपये हो जाएगी। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों के बिजली उपभोक्ताओं की दर भी 6.30 से बढ़ाकर 8 रुपये करने का प्रस्ताव है। झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग बिजली टैरिफ पर जनसुनवाई की प्रक्रिया आरंभ करेगा। इसकी शुरूआत 19 मार्च को चाईबासा में होगी। इसके बाद 20 को धनबाद, 21 मार्च को देवघर, 24 मार्च को डाल्टेनगंज और 25 मार्च को रांची में जनसुनवाई होगी। 26 मार्च को राज्य विद्युत सलाहकार समिति की बैठक में टैरिफ पर सहमति ली जाएगी। 31 मार्च को नये टैरिफ की घोषणा संभव है, जो 1 अप्रैल 2025 से लागू हो जाएगी। बिजली टैरिफ के अलावा फिक्सड चार्ज भी 100 रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 200 रुपये करने का प्रस्ताव है। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों का फिक्सड चार्ज भी 75 रुपये से बढ़ाकर 150 रुपये करने का प्रस्ताव है। इसके अलावा डीएस एचटी यानी कि आवासीय कॉलोनी या अपार्टमेंट का बिजली दर भी 6.25 रुपये प्रति यूनिट से बढ़ाकर 9.50 रुपये करने का प्रस्ताव है। वहीं, फिक्सड चार्ज 150 से बढ़ाकर 250 रुपये होगा। वहीं, कमर्शियल उपभोक्ताओं की दर में भी 4.90 प्रति यूनिट की दर से बढ़ेगा।

शिक्षा केवल डिग्री नहीं, चरित्र निर्माण की आधारशिला : राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के राज्यपाल-सह-रांची विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री तक सीमित नहीं है, बल्कि यह चरित्र निर्माण, नैतिकता और समाज के प्रति संवेदनशीलता की सीख देती है। राज्यपाल शुक्रवार को रांची विश्वविद्यालय के 38वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने विद्यार्थियों से नवाचार, शोध और व्यावहारिक ज्ञान पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। उन्होंने स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाली बेटियों की सराहना करते हुए कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान ने बेटियों के लिए शिक्षा और आत्मनिर्भरता के नए द्वार खोले हैं। राज्यपाल ने झारखंड के प्राकृतिक संसाधनों के सतत विकास की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि रांची विश्वविद्यालय को जनजातीय समाज, पर्यावरण, जैव विविधता और पारंपरिक चिकित्सा जैसे विषयों पर अनुसंधान को बढ़ावा देना चाहिए। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'न्यू इंडिया' और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की दिशा में हो रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने युवाओं से 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने में अपना योगदान देने की अपील की। उन्होंने झारखंड के स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा, सिद्धू-कान्हू, फूलो-झानो, नीलांबर-पीतांबर जैसे वीरों के संघर्ष केवल इतिहास नहीं, बल्कि प्रेरणा के स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि हमारे इतिहास में कई महान विभूतियां हैं, जिन्होंने संघर्षों के बीच मार्ग प्रशस्त किया। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा ने अन्याय के खिलाफ विद्रोह किया। स्वामी विवेकानंद ने आत्मनिर्भरता और राष्ट्रसेवा का संदेश दिया। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने संघर्षों के बीच भी सपनों को साकार किया। इनसे हमें सीखना होगा। इन विभूतियों के जीवन में केवल संघर्ष ही नहीं, बल्कि दूरदृष्टि और आत्मशक्ति का अद्भुत समन्वय भी था। हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करना होगा। राज्यपाल ने कहा कि जीवन में चुनौतियां आएंगी। असफलता भी मिलेगी, लेकिन जो गिरकर उठता है, वही विजयी होता है। इस दीक्षांत समारोह में 4410 छात्रों को डिग्री दी गयी। इनमें 3291 छात्राएं और 1119 छात्र शामिल हैं। वहीं, समारोह में 63 गोल्ड मेडल बांटे गये, जिनमें 48 छात्राओं और 15 छात्र शामिल हैं।

मरांडी को विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता की मान्यात मिली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो ने शुक्रवार को सदन में भाजपा विधायक बाबूलाल मरांडी को विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता प्रदान की। पिछली बार जेएमएम गठबंधन सरकार के दौरान बाबूलाल मरांडी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का दर्जा नहीं मिल पाया था। बाद में भाजपा ने अमर कुमार बाउरी को विधानसभा में विधायक दल का नेता चुना और उन्हें प्रतिपक्ष के नेता के रूप में मान्यता मिली थी। इस बार के विधानसभा चुनाव में अमर कुमार बाउरी चुनाव हार गए, इसलिए भाजपा को विधायक दल का नया नेता चुनना पड़ा। धनवार से विधायक बाबूलाल मरांडी पूर्व मुख्यमंत्री रहे हैं। उन्हें गुरुवार को भाजपा विधायक दल की बैठक में नेता चुना गया। पार्टी ने विधानसभा अध्यक्ष को इस संबंध में एक पत्र से सूचित किया था। विधानसभाध्यक्ष रबींन्द्रनाथ महतो ने कहा कि उनसे पार्टी के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र कुमार राय ने बाबूलाल मरांडी को विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता देने का अनुरोध किया था।

कोयला कारोबारी पर जानलेवा हमला अमन साहू गिरोह ने ली जिम्मेदारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

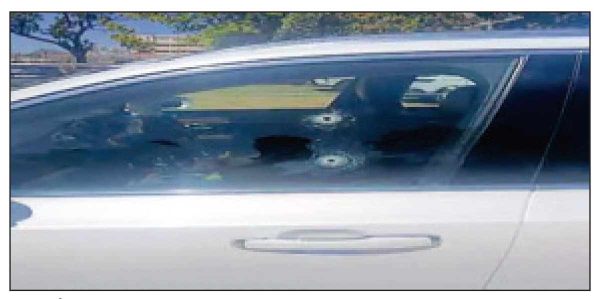

रांची : रांची के बरियातू इलाके में दिनदहाड़े कोयला कारोबारी बिपिन मिश्रा पर जानलेवा हमला हुआ। अपराधियों ने उन पर 12 से ज्यादा गोलियां चलाईं, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए मेडिका अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, बरियातू थाना क्षेत्र के गवर्नमेंट गर्ल्स हाई स्कूल के पास वाली गली से जैसे ही कोयला कारोबारी अपने कार से बिपिन मिश्रा आगे बढ़े, पहले से घात लगाए अपराधियों ने उन पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। गोलीबारी की वारदात के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद बरियातू पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है। पुलिस के पहुंचने से पहले ही कोयला कारोबारी के परिजन उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले गए हैं। कोयला कारोबारी विपिन मिश्रा बरियातू इलाके में ही रहते हैं। बरियातू थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि गोलीबारी में एक व्यक्ति घायल हुए हैं, अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी की जा रही है। आस पास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। वहीं दूसरी ओर अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह ने कोयला कारोबारी विपिन मिश्रा पर गोलीबारी की घटना का जिम्मा लिया है। मयंक सिंह ने सोशल मीडिया पर प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा है कि बिपिन मिश्रा पर हुए हमले की जिम्मेवारी लेता हूं। विपिन मिश्रा बच गया पर मेरी कोशिश जारी रहेगी। उन्होंने बिपिन मिश्रा के लिए काम करने वाले सभी ठेकेदारों और ट्रांसपोर्टरों को काम बंद करने की चेतावनी दी है।

मार्च 2027 तक देश भर में 25,000 जन औषधि केंद्र हो जाएंगे : आदित्य साहू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के निर्देश पर आज भाजपा सांसदों ने जन औषधि केंद्रों का अवलोकन किया, लाभार्थियों से बातचीत की और सस्ती दवाओं से मिल रहे लाभ की जानकारी प्राप्त की। सांसद दीपक प्रकाश ने बताया कि मोदी सरकार जनता को सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों से जनता को जन औषधि केंद्रों पर सस्ती दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 7 मार्च को जन औषधि दिवस घोषित किया है। रिम्स परिसर स्थित जन औषधि केंद्र का अवलोकन करते हुए सांसद आदित्य साहू ने कहा कि देशभर में जनता लगातार जन औषधि केंद्रों से दवा खरीदने के प्रति जागरूक हो रही है, क्योंकि यहां सस्ती दवाएं उपलब्ध हैं। शुगर, बीपी, हृदय रोग, किडनी आदि की दवाएं सस्ते दामों में उपलब्ध होने से विशेष रूप से गरीबों को बड़ा लाभ मिल रहा है। दीपक प्रकाश ने कहा कि 1 से 7 मार्च तक पूरे देश में जन औषधि के प्रति जनता को जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में सांसद, विधायक और जन प्रतिनिधि जन औषधि केंद्रों पर जाकर जनता को जागरूक कर रहे हैं और विस्तृत जानकारी प्रदान कर रहे हैं। सांसद ने बताया कि जन औषधि केंद्रों पर 2,047 जेनरिक और 300 सर्जिकल उत्पाद ब्रांडेड कंपनियों की दवाओं की तुलना में 70-80% सस्ते दामों पर उपलब्ध हैं, जिसका लाभ जनता को उठाना चाहिए। सांसद आदित्य साहू ने कहा कि देश भर में हर वर्ष जन औषधि केंद्रों की संख्या बढ़ रही है।

कालू लामा गिरोह के तीन अपराधी गिरफ्तार, हथियार और नकदी बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के बारियातू पुलिस ने कालू लामा गिरोह के तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए अपराधियों में अंकित कुमार सिंह, दीपक कुमार सिंह और अंकुश कुमार सिंह शामिल हैं। इनके पास से दो पिस्टल, पांच गोलियां, 50 हजार रुपये नकद और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने शुक्रवार को बारियातू थाना परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि बोरेया रोड स्थित मुंडा होटल परिसर में कालू लामा गिरोह के कुछ सदस्य हथियार के साथ मौजूद हैं। सूचना के आधार पर पुलिस की एक विशेष टीम गठित कर होटल को घेरकर छापेमारी की गई, जिसमें तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अपराधी पहले भी कई मामलों में संलिप्त रहे हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि वे किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

जल्द लागू होगी पेसा नियमावली : दीपिका पांडेय सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : ग्रामीण विकास एवं ग्रामीण कार्य विभाग की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने विश्वास दिलाया है कि राज्य के जनजातीय इलाकों के लिए जल्द ही पेसा कानून लागू कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि 2022 में ही पेसा नियमावली बनायी गयी थी। उस पर कुल 262 सुझाव आए। इनमें 145 सुझावों को नियमावली में शामिल किया गया है। नियमावली को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री के साथ विमर्श के बाद इसे अंतिम रूप दे दिया जाएगा और राज्य में पेसा कानून लागू हो जाएगा। दीपिका पांडेय सिंह शुक्रवार को सदन में ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य, पंचायती राज व वन एवं पर्यावरण विभाग की अनुदान मांगों पर हुई चर्चा के बाद जवाब दे रही थी। विपक्ष के बहिष्कार के बीच ग्रामीण विकास विभाग का 9841 करोड़ 41 लाख 61000 रुपए की अनुदान मांग को ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। दीपिका पांडेय सिंह ने ग्रामीण कार्य विभाग की सड़कों को शिड्युल रेट से कम पर लेकर पेटी कंट्रैक्ट के तहत काम कराए जाने की विकसित हो रही प्रवृत्ति पर रोक लगाने की दिशा में कदम उठाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इस आशय का प्रस्ताव जल्द ही कैबिनेट में पास किया जाएगा। चर्चा के क्रम में सदस्यों का कहना था कि ठेकेदार बिलो रेट पर टेंडर ले रहे हैं। फिर उसे पेटी कंट्रैक्ट पर दे रहे हैं। इससे सड़क निर्माण की गुणवत्ता अच्छी नहीं हो रही है। साथ ही काम भी समय पर पूरा नहीं हो रहा है।

ग्रामीण विकास व कार्य विभाग की रिक्तियों को जल्द भरा जाएगा

दीपिका पांडेय सिंह ने सदन को भरोसा दिलाया कि ग्रामीण विकास और कार्य विभाग की रिक्त पदों को जल्द ही भरा जाएगा। चाहे वह स्वीकृत सरकारी पद हैं या अनुबंधकर्मियों के पद।

खुद लाभुक कर सकते हैं अबुआ आवास की जियो टैगिंग

मंत्री ने बताया कि अब अबुआ आवास के लाभुक खुद अपने मोबाइल से जियो टैगिंग कर सकते हैं। उन्हें पंचायत सचिव के चक्कर में नहीं फंसना होगा।

पंचायत भवन में गायब रहनेवाले पंचायत सचिव व कर्मी दंडित होंग

पंचायत भवनों में आनेवाले ग्रामीणों का समय पर काम नहीं होने की शिकायतों पर ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि गायब रहनेवाले पंचायत सचिव अन्य कर्मी दंडित होंगे।

विधायकों को मिला आश्वासन, रोड कम नहीं मिलेंगे

ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने विधायकों को आश्वस्त किया कि विधायकों को पहले से सड़क कम नहीं मिलेगा। झामुमो विधायक मथुरा महतो ने जानना चाहा था कि विधायकों को कितना किलोमीटर सड़क मिलेगा। हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि पूर्व की योजनाओं को पूरा कराना भी विभाग की प्राथमिकता होगी। मालूम हो कि पिछली सरकार में विधायकों की अनुशंसा पर 30 किलोमीटर सड़क निर्माण किया जाता था। अब मंईयां सम्मान योजना के कारण ग्रामीण कार्य विभाग के बजट में हुई कटौती के बाद यह आशंका जाहिर की जा रही है कि अब सड़क निर्माण की राशि में कटौती की जाएगी। दीपिका पांडेय सिंह ने बार बार आरोप लगाया कि मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास, प्रधानमंत्री सड़क निर्माण योजना की राशि केंद्र नहीं दे रहा है। उन्होंने बताया कि दिल्ली में हुई बैठक में गैर भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि को 1.20 लाख रुपए से बढ़ा कर दो लाख रुपए करने की मांग की थी। लेकिन केंद्र सरकार इस पर ध्यान ही नहीं दे रही।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल से जेपीएससी अध्यक्ष और नीलाम्बर-पीताम्बर विवि के कुलपति की शिष्टाचार भेंट

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के नवनियुक्त अध्यक्ष एल. खियांग्ते ने शुक्रवार को राज भवन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्यपाल ने उन्हें आयोग के कार्यों की समीक्षा करने की सलाह दी और झारखंड लोक सेवा आयोग की नियुक्ति प्रक्रिया में गति, पारदर्शिता और निष्पक्षता लाने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस प्रयास से आयोग अपनी खोई हुई विश्वसनीयता पुनः प्राप्त करेगा, जिससे जनमानस में इसकी छवि बेहतर होगी और विद्यार्थियों की शिकायतें दूर होंगी। इसके अलावा, राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से पलामू के नीलाम्बर-पीताम्बर विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति डॉ. डीके सिंह ने भी राज भवन में शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल ने डॉ. सिंह से विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा की स्थिति में सुधार लाने के लिए व्यापक प्रयास करने की अपील की। उन्होंने विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने, अकादमिक कैलेंडर का पालन करने और सत्र के नियमितीकरण के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

आदिवासी संगठनों ने रैम्प के विरोध में बनायी मानव श्रृंखला

रांची : रांची के चुटिया के सिरमटोली सरना स्थल के सामने बनाए गए फ्लाईओवर रैम्प को लेकर आदिवासी संगठनों ने हरमू रोड से विधानसभा तक मानव श्रृंखला बनाकर विरोध दर्ज कराया। उनका कहना था कि सिरमटोली सरना स्थल आदिवासियों का पवित्र स्थल है, जहां हर साल लाखों लोग सरहुल शोभायात्रा में शामिल होते हैं। संगठनों का आरोप था कि राजेंद्र चौक से सिरमटोली तक फ्लाईओवर बनाकर और रैम्प तैयार करके इस पवित्र स्थल के सामने वाहनों का आवागमन किया जा रहा है, जिससे आदिवासी धार्मिक गतिविधियों में परेशानी उत्पन्न हो सकती है। आदिवासी मूलवासी मंच के अध्यक्ष सूरज टोप्पो ने कहा कि हम पिछले दो महीनों से फ्लाईओवर रैम्प हटाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार हमारी बातों को नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि आदिवासी धार्मिक स्थल के सामने रैम्प हटाने के बजाय ओवरब्रिज को आगे बढ़ाया जाए, ताकि सरहुल शोभायात्रा में किसी प्रकार की समस्या न हो। मौके पर बबलु मुंडा, सुरज टोप्पो, अमित मुंडा, मोहन तिर्की, विजय कुमार उरांव सहित सैकड़ों आदिवासी संगठन के लोग शामिल थे।

लोगों को नहीं है फुलो झानो योजना की जानकारी : कुशवाहा

रांची : बजट सत्र में शुक्रवार को भाजपा विधायक कुशवाहा शिवपूजन मेहता ने कहा कि राज्य के लोगों को फुलो झानो योजना की जानकारी ही नहीं है। ऐसे में हड़िया और दारू बेचने वाली महिलाएं किस प्रकार से योजना का लाभ ले सकती हैं। उन्होंने राज्य में बालू की किल्लत के चलते आवास योजनाएं पूरी नहीं होने आरोप सरकार पर लगाया। उन्होंने कहा कि बालू का ठेका बिचौलिए के हाथों में है। ऐसे गरीबों के घर कैसे बन पाएंगे। उन्होंने कहा कि उनके क्षेत्र में पांच सड़कों का टेंडर हुआ था, लेकिन मेसर्स सिदिलिया कंस्ट्रक्शन ने अब तक काम शुरू नहीं किया है। ऐसे संवेदकों पर सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए। विधायक ने पीएम आवास योजना की राशि एक लाख 20 हजार को बढ़ाने की मांग की। साथ ही उन्होंने कहा कि मनरेगा योजना में काम केवल कागजों पर ही होता है। विधायक ने कहा कि गठबंधन सरकार ने अपनी सात गारंटी में ओबीसी आरक्षण की सीमा को बढ़कार 27 प्रतिशत करने का वादा किया था, जिसे सरकार पूरा करे। झामुमो विधायक हेमलाल मुर्मू ने मुख्यमंत्री से राज्य में पेसा कानून को लागू करने की मांग की। उन्होंने पूर्व की रघुवर सरकार पर ग्राम सभा को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने ग्राम प्रधानों को गैरमजरूआ जमीन की रसीद काटने से रोका और इस जमीन का लैंड बना दिया। इससे भूमिहीन लोगों की जीविका छीन गई। ऐसे लोग गैरमजरूआ और गोचर जमीन पर खेती कर जीवन यापन करते थे। उन्होंने सरकार से राज्य के 13 जनजातीय जिलों में पेसा कानून को सख्ती से लागू करने की मांग की। हेमलाल ने केंद्र सरकार पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ईडी और सीबीआई के जरिए प्रताड़ित कर पांच माह तक जेल में रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि झामुमो के एक कार्यकर्ता को भी 28 माह तक प्रताड़ित किया गया। हेमलाल मुर्मू ने कहा कि दिशोम गुरू शिबू सोरेन ने राज्य में शराबबंदी की आवाज को बुलंद किया। लेकिन इस सामजिक बुराई को सामाजिक क्रांति के जरिए ही समाप्त किया जा सकता है। उन्होंने सरकार की ओर से गांवों की प्रशिक्षित महिलाओं के लिए बाजार मुहैया कराने की मांग की। ताकि उनकी आय बढ़ सके। विधायक ने सरकार से 10 प्रतिशत से अधिक से भी कम कोट करनेवाले संवेदकों का टेंडर रदद करने की मांग की। उन्होंने कहा कि कई संवेदक 30 से 40 प्रतिशत कम कोट कर के टेंडर डालते हैं। इससे सड़कें घटिया स्तर की बनती है और जल्द टूट जाती हैं। उन्होंने इसे लेकर कैबिनेट में निर्णय लेने की मांग की।

नेता प्रतिपक्ष चुने जाने पर इरफान अंसारी ने बाबूलाल मरांडी से की मुलाकात, दी शुभकामनाएं

रांची : भाजपा विधायक दल के नेता चुने जाने और नेता प्रतिपक्ष बनने पर झारखंड के कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी ने विधानसभा में बाबूलाल मरांडी से मुलाकात कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। इस मौके पर इरफान अंसारी ने कहा, आपकी यह नई जिम्मेदारी लोकतंत्र और सशक्त विपक्ष को मजबूत करने में सहायक सिद्ध हो, यह मेरी कामना है। साथ ही, राज्य हित में लिए गए फैसलों पर सत्ता पक्ष को विपक्ष का भरपूर सहयोग मिलेगा, ऐसी अपेक्षा करता हूं। उन्होंने बाबूलाल मरांडी के उज्वल कार्यकाल की कामना भी की और उम्मीद जताई कि उनकी नेतृत्व क्षमता से विधानसभा में सकारात्मक बहस और रचनात्मक विपक्ष की भूमिका देखने को मिलेगी।

एक नजर

बारातियों से भरी स्कॉर्पियो हाईवे पर दुर्घटनाग्रस्त, कई घायल

बोकारो : जिले के जरीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत कल्याणपुर नेशनल हाईवे-23 के जैनामोड़ पर शुक्रवार सुबह बारातियों से भरी एक स्कॉर्पियो दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में गाड़ी सवार सभी बाराती बाल-बाल बच गए, हालांकि कुछ लोगों को हल्की चोटें आई हैं। मिली जानकारी के अनुसार, स्कॉर्पियो में सवार बाराती बोकारो से रांची जा रहे थे। हादसे की वजह फोरलेन सड़क का एकतरफा बंद होना बताया जा रहा है। फ्लाईओवर निर्माण कार्य के कारण हाईवे का एक हिस्सा बंद कर दिया गया है, जिससे दोनों दिशाओं की गाड़ियां एक ही लेन से गुजर रही हैं। ड्राइवर ने बताया कि विपरीत दिशा से दो ट्रक तेज रफ्तार में आ रहे थे। टक्कर से बचने के लिए जैसे ही स्कॉर्पियो ने साइड लिया, गाड़ी असंतुलित होकर पलट गई। मौके पर स्थानीय लोगों ने घायलों को बाहर निकाला और प्राथमिक उपचार दिलवाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तेनुघाट व्यवहार न्यायालय में 8 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

बोकारो : माननीय सर्वोच्च न्यायालय, झारखंड उच्च न्यायालय एवं प्रधान जिला जज सह सत्र न्यायाधीश बोकारो के निदेर्शानुसार 8 मार्च (शनिवार) को तेनुघाट व्यवहार न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस लोक अदालत में विभिन्न मामलों के त्वरित और सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए तीन बेंचों का गठन किया गया है। पहले बेंच में जिला जज द्वितीय सूर्य मणि त्रिपाठी और अधिवक्ता बिनोद कुमार गुप्ता, दूसरे बेंच में एसडीजेएम रश्मि अग्रवाल और अधिवक्ता प्रशांत पाल, तथा तीसरे बेंच में मुंसिफ शिवराज मिश्रा और अधिवक्ता गिरिवर कुमार महतो मौजूद रहेंगे। अनुमंडल विधिक सेवा समिति के सचिव सह एसडीजेएम रश्मि अग्रवाल ने जानकारी दी कि अब तक राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से सैकड़ों मामलों का निष्पादन किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि जिन लोगों को अपने मामले आपसी समझौते के आधार पर निपटाने हैं, वे 8 मार्च को स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से तेनुघाट व्यवहार न्यायालय पहुंचकर अपने मामलों का समाधान करवा सकते हैं।

झामुमो-कांग्रेस के घोषणा पत्र के वादे कब पूरे होंगे : प्रदीप प्रसाद

हजारीबाग : हजारीबाग से भाजपा के सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने झारखंड विधानसभा के पटल पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस द्वारा अपने घोषणा पत्र में किए गए वादों की याद दिलाई और सरकार से इनकी पूरा होने की स्थिति पर जवाब मांगा। उन्होंने सरकार को घेरते हुए ग्रामीण विकास से जुड़े कई अहम मुद्दों को उठाया और योजनाओं के क्रियान्वयन में देरी पर सवाल किए। घोषणा पत्र के वादों का क्या हुआ पंचायतों में रोजगार सृजन का वादा अधूरा विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि झामुमो के घोषणा पत्र में हर पंचायत में 10 झारखंडी युवाओं को पंचायती राज्य योजना से जोड़ते हुए रोजगार देने की बात कही गई थी। लेकिन अब तक यह योजना धरातल पर नहीं उतर पाई है। सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि इस वादे का क्या हुआ और कितने युवाओं को रोजगार मिला। 9 करोड़ मानव जीवन सृजन का क्या हुआ उन्होंने सरकार से सवाल किया कि 9 करोड़ मानव जीवन सृजन करने का वादा किया गया था, लेकिन इसका अब तक कोई ठोस प्रभाव नहीं दिख रहा है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने डॉक्टर एल प्रसाद को किया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : देश की राजधानी नई दिल्ली में बरनेट होम्योपैथिक प्राइवेट लिमिटेड ने होम्योपैथी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले चिकित्सको का प्रतिष्ठित सम्मान समारोह होम्योपैथिक पुरोधा सम्मान का आयोजन होटल ताजमहल दिल्ली में किया गया । इस कार्यक्रम में होम्योपैथिक के क्षेत्र में पिछले एक दशक से कार्य कर धनबाद झारखंड का नाम रोशन कर रहे धनबाद हाउसिंग कालोनी सिथत डॉ मनीषाज क्लीनिक के डॉक्टर जी एल प्रसाद को होम्योपैथिक चिकित्सा के प्रति निष्ठा, सेवा भाव व मरीज के उपचार में आश्चर्यचकित परिणाम को देखते हुए यह सम्मान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे, सांसद मनोज तिवारी,सांसद राजेश वर्मा संचालक होम्योपैथिक डॉक्टर नीतिश दुबे द्वारा दिया गया। डॉक्टर जी एल प्रसाद इससे पहले कई बार दुबई, नागपुर ,उत्तर प्रदेश ,कोलकाता, जयपुर में विभिन्न कार्यक्रम में सम्मानित हो चुके हैं। कोरोना कल में होम्योपैथिक उपचार का लोहा पुरा धनबाद मान चुका है। और लगभग 10000 लोगों को निशुल्क प्रीवेंटिव दवाई भी बांटी गई थी। कार्यक्रम में देश भर के 150 चिकित्सा का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी , केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ,पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे,सांसद मनोज तिवारी,सांसद राजेश वर्मा , मंदिरा बेदी,आशीष विद्यार्थी, प्रसिद्ध कवि मनोज मुंतशिर, होम्योपैथी काउंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ पिनोकिन त्रिवेदी, सीआरपीएफ के विशिष्ट महानिदेशक सुनील झा समेत देश के कई प्रख्यात शक्तियां शामिल रही। होम्योपैथिक चिकित्सा में एक जाना माना नाम है डॉ जी एल प्रसाद। डॉक्टर जी एल प्रसाद धनबाद हाउसिंग कॉलोनी में एक प्रतिष्ठित। और ऊजार्वान होम्योपैथिक चिकित्सक हैं जो वर्ष 2003 से प्रैक्टिस कर रहे हैं । डॉक्टर प्रसाद ने लगभग 20 वर्षों से दुनिया भर के जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों का इलाज किया है। होम्योपैथिक दवा और रोगियों के साथ जुड़ने की उनकी अनूठी क्षमता ने उन्हें सफलता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे हमेशा गंभीर और पुराने मामलों का इलाज करने में सफल रहे हैं जहां पारंपरिक दवाएं विफल हो गए हैं। डॉ प्रसाद ने अपने अनूठे दृष्टिकोण से लाखों रोगियों को राहत प्रदान किए हैं जिन्होंने उनकी ओर रुख किया। जब पारंपरिक औषधि उपचार उन्हें राहत देने में विफल रहा है । डॉक्टर प्रसाद सभी प्रकार की बीमारियों बाल चिकित्सा उपचार, त्वचा रोग, सोरियासिस, सफेद दाग, एलर्जी ,एलर्जी राइनाइटिस ,टॉन्सिलाइटिस, बवासीर, दम्मा , कबज ,गैस्ट्रिक, जोड़ों का दर्द, मधुमेह,अस्थमा ,पेट के विकार, सामान्य सर्दी खाँसी, शवशन संबंधी विकार, मनोवैज्ञानिक विकार, अवसाद विकार,ऑटो प्रतिरक्षा विकार,महिलाओं की समस्या मस्सा, ए डी डी एच डी ,कौरनस, खैराती, माइग्रेन, बाल झड़ना ,एक्जिमा, सौनदरय संबंधित समस्या ,यौन समस्या, प्रोस्टेट, किडनी स्टोन, मेनोपॉज यूटीआई और कई अन्य बीमारियों से निपटने में अधिक योग्य और अनुभवी हैं।

गोमिया में पेयजल संकट पर बैठक बीडीओ ने शीघ्र समाधान के दिए निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गोमिया : प्रखंड कार्यालय सभागार में शुक्रवार को उपायुक्त बोकारो के निदेर्शानुसार पेयजल समस्या को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बीडीओ महादेव कुमार महतो ने की, जिसमें पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कनीय अभियंता रोहित मंडल, प्रभारी पंचायती राज पदाधिकारी राजकिशोर मिश्र, कनीय अभियंता दीपक कुमार, विभिन्न पंचायतों के मुखिया एवं पंचायत सचिव उपस्थित रहे। बैठक में बीडीओ महादेव कुमार महतो ने सभी पंचायतों में खराब पड़े चापाकल और जलमीनारों की जल्द से जल्द मरम्मत कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए यह कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों और विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि पेयजल संकट के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर मुखिया बलराम रजक, विनोद विश्वकर्मा, राजेश रजवार, आदित्य कुमार महतो, शमीर्ला देवी, सावित्री देवी, सोनाराम मुर्मू, रामवृक्ष मुर्मू, मिनी देवी, रीतलाल महतो, पंचायत सचिव राधा कुमारी, राजू मल्लाह, सुदामा तूरी, उदय डे, संजय कुमार, ओमप्रकाश, अनुज कुमार, सोनू कुमार, रितु कुमारी, प्रीति कुमारी, पूर्णिमा कुमारी, नितेश कुमार, चंदन कुमार, पंकज कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

राहुल रंजन कापरी की सफलता ने बोकारो और झारखंड का नाम किया रोशन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जिले के लाल जो कि सेक्टर 9, बड़ा खटाल का रहने वाला राहुल रंजन कापरी ने अपनी मेहनत और समर्पण से न केवल अपने परिवार का नाम रोशन किया, बल्कि बोकारो और झारखंड का नाम भी गर्व से ऊंचा किया है। राहुल रंजन कापरी ने भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय एवं राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की राष्ट्रीय प्रतियोगिता परीक्षा में 99.92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर देशभर में तीसरा और झारखंड में पहला स्थान हासिल किया। यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है और उनके कड़ी मेहनत, संघर्ष और समर्पण का परिणाम है। वहीं यदुवंशी परिवार सह भाजपा नेता अवधेश कुमार यादव ने इस प्रतियोगिता में सफल होने पर रंजन कुमार को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह हमारे समाज के लिए गौरवान्वित होने वाली बात है कि हमारे समुदाय में भी इतने होनहार और प्रतिभाशाली बच्चे हैं जो हमारे समाज और देश दुनिया का नाम रोशन कर रहे हैं आगे उन्होंने राहुल रंजन कापरी के पिता ललन प्रसाद यादव और माता सुशीला देवी को इस सफलता पर धन्यवाद दिया । और कहा कि एक पशुपालक सेवक होकर जिस तरह से उन्होंने अपने बच्चों को शिक्षित कर इस मुकाम पर लाया है इससे हम सभी को शिक्षा लेनी चाहिए कि शिक्षा इंसान के जीवन में कितनी जरूरी है। यदुवंशी परिवार से आए हुए समाज के लोगों ने राहुल रंजन कापरी के उज्जवल भविष्य की कामना किए । राहुल रंजन कापरी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और गुरुजनों को दिया। उनका कहना था कि उनके माता-पिता का कठिन परिश्रम और गुरुजनों का मार्गदर्शन ही उनकी सफलता की कुंजी है। इस मौके पर अवधेश कुमार यादव, शंभू यादव, विनोद यादव, सुरेश यादव, लालू यादव, रविंद्र यादव, पप्पू यादव, राजाराम यादव, राजू यादव, रविंद्र यादव, धर्मेंद्र यादव, रामाशीष यादव बैजनाथ याद, डॉक्टर श्रीराम यादव, नगीना यादव, सुरेश यादव आदि लोंग मौजूद रहे।

इंस्पायर मानक अवार्ड प्रदर्शनी के लिए एमजीएम स्कूल के छात्रों हुए चयनित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : मजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर चार एफ के कक्षा दसवीं के छात्र दिव्य राज, मानस कुमार, सक्षम झा व कक्षा नौवीं के आकाश कुमार के प्रोजेक्ट का चयन इंस्पायर मानक अवार्ड प्रदर्शनी के लिए किया गया है। दिव्यराज ने कृत्रिम बुद्धिमता से संचालित हाइपरट्राफिक काडिोर्मायोपैथी, मानस कुमार ने कूड़ेदान चेतावनी प्रणाली, सक्षम झा ने सड़क सुरक्षा के लिए स्पष्ट समाधान व आकाश कुमार ने नदी की सफाई के लिए नाव से संबंधित प्रोजेक्ट तैयार किया। विद्यार्थियों ने इस पर आधारित माडल बनाया। बेहतर प्रदर्शन के आधार पर जिला स्तरीय इंस्पायर मानक अवार्ड प्रदर्शनी के लिए इनके माडल को चयनित किया गया है। प्रधानाध्यापक फादर डा.जोशी वर्गीस ने कहा कि विज्ञान के सहारे मानव ने विकास की राह तय की। विज्ञान व प्रौद्योगिकी के जरिए शिक्षा, कृषि, डेयरी, स्वास्थ्य, कारखाना के अलावा अन्य क्षेत्र में तीव्र गति से विकास हो रहा है। सरकारी व गैर सरकारी स्तर पर इस दिशा में काम हो रहा है। इसलिए विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करना आवश्यक है। विविध गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को विज्ञान का ज्ञान दिया जा रहा है। स्कूल के अटल टिंकरिंग लैब में विद्यार्थियों को विज्ञान के आविष्कार व नवाचार के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन में विद्यार्थी विज्ञान से संबंधित माडल तैयार कर रहे हैं। भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की ओर से चयनित विद्यार्थियों को माडल विकसित करने के लिए आर्थिक सहयोग किया जाएगा। प्रधानाध्यापक फादर डा.जोशी वर्गीस, उप प्रधानाध्यापक राखी बनर्जी, शैक्षणिक निदेशक जार्ज जोसफ व हेडमिस्ट्रेस सपना जोशी ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की

झारखंड विस में हेमन्त सोरेन ने महिला विधायकों से की मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड विधानसभा में महिला विधायकों से मुलाकात कर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आधी आबादी की भागीदारी से ही देश, राज्य और समाज के विकास का मार्ग प्रशस्त होता है। इस अवसर पर बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने मुख्यमंत्री के महिला सशक्तिकरण के प्रति समर्पण की सराहना की। उन्होंने मईया सम्मान योजना जैसी पहल को महिलाओं के विकास के लिए ठोस कदम बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की महिलाओं ने विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल कर राज्य का मान बढ़ाया है और उनकी भागीदारी से समाज और अधिक सबल बनेगा।

महिला दिवस नारी शक्ति का उत्सव है : अनीता अग्रवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : नारी तू नारायणी झ यह सिर्फ एक कहावत नहीं, बल्कि हमारे समाज की सच्चाई होनी चाहिए। हर वर्ष 8 मार्च को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हमें यह याद दिलाता है कि महिलाओं का सम्मान, सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता केवल एक दिन की बात नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह हर दिन की जिम्मेदारी होनी चाहिए। आज की महिलाएं हर क्षेत्र में कदम से कदम मिलाकर चल रही हैं झ चाहे वह विज्ञान हो, राजनीति हो, शिक्षा हो या फिर खेल। वे सिर्फ घर तक सीमित नहीं, बल्कि देश के निर्माण में भी अहम भूमिका निभा रही हैं। लेकिन यह भी सच है कि समाज में अभी भी कई जगहों पर महिलाओं को समान अवसर और सम्मान नहीं मिलता। जब भी महिलाओं के अधिकारों और सम्मान की बात आती है, तो कई लोग पीछे हट जाते हैं। यह सोच हमें बदलनी होगी।

महिला आत्मनिर्भरता का महत्व
एक आत्मनिर्भर महिला सिर्फ खुद को ही नहीं, बल्कि अपने परिवार और समाज को भी आगे बढ़ाने का काम करती है। जब एक महिला शिक्षित और आत्मनिर्भर होती है, तो वह अगली पीढ़ी को भी सही दिशा देती है। पहला कदम में हमारा उद्देश्य भी यही है कि हम हर महिला और विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों को शिक्षा और सशक्तिकरण के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने में मदद करें।

समाज में महिलाओं का सम्मान जरूरी

सिर्फ कानून और नीतियां बना देने से महिलाओं की स्थिति नहीं बदलेगी, जब तक कि समाज की मानसिकता नहीं बदलेगी। हर महिला को समान अवसर, समान वेतन और एक सुरक्षित वातावरण मिलना चाहिए। जब एक महिला का सम्मान किया जाता है, तो पूरा समाज आगे बढ़ता है।

हमारा संकल्प

महिला दिवस के इस अवसर पर पहला कदम की ओर से हम यह संकल्प लेते हैं कि हम हर महिला को सम्मान देंगे, उनकी शक्ति को पहचानेंगे और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करेंगे। समाज की हर लड़की और महिला को यह विश्वास दिलाएंगे कि वह किसी से कम नहीं।

आइए, इस महिला दिवस पर यह प्रण लें कि हम हर महिला को समानता और सम्मान की दृष्टि से देखेंगे और उसे आगे बढ़ने के अवसर देंगे। क्योंकि जहाँ नारी का सम्मान होता है, वहाँ देवता निवास करते हैं।

संक्षिप्त खबरें

रोड चौड़ीकरण में घटिया गिट्टी सामग्री डालकर बनाया जा रहा है : नागेंद्र नाथ गोस्वामी

सिल्ली : मुरी गोला रोड पथ चौडी करण जोरों पर किया जा रहा है वही इस पथ का चौडी करण ठिकेदार के द्वारा एक रास्ता बनाया जा रहा है जो की पुराना रोड को तोड़कर उस रोड का डस्ट रास्ते में डालकर रोलर से लेवल किया जा रहा है। जबकि नए रोड का निर्माण करते समय गुणवत्ता वाला गिट्टी एवं मटेरियल के सारे रोड का निर्माण किया जाता है ग्रामीणों का कहना है कि ठेकेदार के द्वारा रोड में लापरवाही एवं घटिया सामग्री का उपयोग करके एक साइड रास्ता चलने के लिए जो बनाया जा रहा है वह टिकाऊ नहीं है इसे देखने वाला कोई नहीं है ठेकेदार मनमानी ढंग से करते हुए काम कर रहा है इसका विरोध करने से ठेकेदार के वर्क मैनेजर कहते हैं कि आपको जो करना है कर ले हमें कोई कुछ नहीं कर सकता हम जैसा चाहेंगे वैसा रोड बनाएंगे साथी साथ रात के अंधेरे में भी कई अवैध तरीके से पेड काटकर हटा दिया जाता है। दैनिक जागरण में अवैध तरीके से बिना परमिशन के पेड़ काटने का खबर छपा था छपते ही क्षेत्र में खबर का असर हुआ जिसे वन विभाग के द्वारा पेड़ में नंबर अंकित कर दिया गया है।

लावा पंचायत में उप स्वास्थ्य केंद्र का हुआ शिलान्यास

पटमदा: पटमदा प्रखंड के प्रखंड मुख्यालय परिसर में लावा पंचायत के उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण कार्य का शिलान्यास शुक्रवार को जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में नारियल फोड़कर किया गया।योजना का निर्माण 15 वा वित्त आयोग से किया जाएगा। शिलान्यास कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू, पार्षद प्रदीप बेसरा, सांसद प्रतिनिधि महावीर महतो, सुभाष कर्मकार, सिजेन हेंब्रम,संजय,सुजीत महतो, मानिक, बिमल मंडल सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

होली को लेकर थाना परिसर में शांति समिति की हुई बैठक

कटकमसांडी : कटकमसाडी थाना में और ओ पी पेलावल थाना में पुलिस उपाधीक्षक अमीत कुमार के अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया और कटकमसाडी थाना में अंचल अधिकारी अनिल कुमार गुप्ता के अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। होली पर्व और ईद पर्व को देखते हुए दोनों समुदायों के प्रबुद्ध लोगों ने बैठक में शामिल हुए। बैठक में दोनों समुदायों के प्रबुद्ध लोगों ने एक स्वर में कहा कि होली पर्व और ईद पर्व में सभी लोग मिलजुल पर्व को मानने का निर्णय लिया। वहीं बैठक में पुलिस उपाधीक्षक अमीत कुमार ने कहा कि होली पर्व और ईद पर्व पर किसी भी तरह का हुड़दंग मचाने वाले पर पुलिस कि पौनी नजर रहेगा खास कर फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप पर आपत्तिजनक पोस्ट करने पर परहेज करें। कटकमसाडी थाना परिसर बैठक में अंचल अधिकारी अनिल कुमार गुप्ता से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि प्रखंड क्षेत्र में किसी भी तरह का हुड़दंग मचाने वाले को पुलिस करवाई करने के लिए तैयार है। कटकमसाडी प्रखंड क्षेत्र के सभी पंचायत के प्रबुद्ध लोगों एवं अभिभावकों से अपील है कि अपने आसपास के युवाओं को हुड़दंग मचाने वाले कों सचेत करें। बैठक में उपस्थित कटकमसाडी थाना प्रभारी राज बल्लभ कुमार, कटकमसाडी मुखिया श्रीति पांडे, मुखिया प्रतिनिधि रामकुमार मेहता, मनोज कुमार, राकेश कुमार, नितिश कुमार,ओ पी पेलावल थाना परिसर में बैठक में ओ पी पेलावल थाना क्षेत्र वेद प्रकाश पांडेय, रामू राम,अजय साहू, प्रकाश कुमार उर्फ मानो, रंजीत रजक, गोपाल राम, मोहम्मद रब्बानी मोहम्मद तस्वीर शेख मोहम्मद लतीफ मलिक, अशोक मेहता,मुन्ना खान, प्रतीक कुमार राणा, परवेज आलम,दर्जनों की संख्या में क्षेत्र के प्रबुद्ध लोग उपस्थित थे।

कांग्रेस की बड़ी बैठक, प्रदेश प्रभारी के राजू ने कार्यकर्ताओं की समस्याओं को सुना

बोकारो : स्थित जीत मैरिज हॉल में प्रमंडल स्तरीय बोकारो, धनबाद और गिरिडीह संगठन सशक्तिकरण के तहत संगठन सृजन पर परिचर्चा कार्यक्रम किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता बोकारो जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष उमेश प्रसाद गुप्ता ने की।बोकारो में आगमन के क्रम में मुख्यअतिथि श्री के० राजू जी और प्रदेश अध्यक्ष श्री केशव महतो कमलेश जी का कांग्रेसजनों के द्वारा जोरदार स्वागत किया गया । इस मौके पर कार्यक्रम की मुख्यअतिथि झारखण्ड प्रदेश प्रभारी श्री के राजू जी ने बोकारो,धनबाद और गिरिडीह जिले के जिलाध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्षगणों,नगर अध्यक्ष गणों सहित मंडल अध्यक्ष गणों के साथ संवाद किया। जिले के कार्यकताओं को मजबूती पर जोर दिया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य पार्टी और संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए खास माना जा रहा है। बैठक में इसी बात पर बल दिया गया और झारखंड प्रदेश प्रभारी ने कहा की वे पूरे झारखंड में हरेक जिला में मीटिंग करके पार्टी को मजबूती प्रदान करने का काम कर रहे है और आगे भी करेंगे। इस बैठक में पार्टी के झारखंड प्रभारी के अलावा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी के साथ साथ पूर्व मंत्री बादल पत्रलेख भी मौजूद रहे साथ ही जिले और प्रखंड स्तर के नेता और कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। बोकारो के फोरलेन स्थित जीत रेस्टोरेंट के सभागार में इस बैठक का आयोजन किया गया। पार्टी के कार्यकताओं ने इस दौरान कई सारी बातों को रखा जहां कार्यकताओं को पार्टी के अंदर तरहीज न मिलने की शिकायत सहित गुटबाजी की भी शिकायत प्रदेश प्रभारी को मिली। उन्होंने कार्यकताओं और नेताओं को एकजुट रहने पर बल दिया और पार्टी के अंदर उचित फोरम पर बातो को रखने की सलाह दी। इस दौरान उन्होंने कार्यकताओं को अस्वस्थ किया की उनकी अनदेखी नहीं की जाएगी और उनके तमाम बातों और विचारो को पार्टी के आलाकमान को अवगत कराया जाएगा। इस दौरान प्रदेश प्रभारी ने मीडिया से बात करते हुए कहा की किसी भी पार्टी का रीढ़ होता है कार्यकर्ता ऐसे में कार्यकताओं के बातो को सुना गया और इसका समाधान भी पार्टी करेगी। मौके पर मुख्यअतिथि श्री के० राजू, प्रदेश अध्यक्ष श्री केशव महतो कमलेश जी,विधायक दल के नेता श्री प्रदीप यादव, पूर्व मंत्री श्री के एन त्रिपाठी,पूर्व मंत्री श्री बादल पत्रलेख, श्री रविंद्र सिंह,धनबाद सहित गिरिडीह जिले सभी प्रखंड अध्यक्षगण, नगर अध्यक्षगण, प्रखंड कार्यकारी अध्यक्षगण, मंडल अध्यक्षगण सहित जिले ऊजार्वान कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

नाबालिक बच्चों को काम करने के लिए ले जा रहे दलाल को आरपीएफ ने पकड़ा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : गुप्त सूचना मिली कि कुछ नाबालिग बच्चों को बरहरवा स्टेशन से मजदूरी के लिए ट्रेन से दूसरे राज्य में ले जाया जा रहा है। सूचना मिलने पर आरपीएफ इंस्पेक्टर बरहरवा संजीव कुमार के नेतृत्व में ड्यूटी पर मौजूद एएसआई अजय कुमार हांसदा ने आरपीएफ पोस्ट बरहरवा से कांस्टेबल अनिल कुमार साह, हेड कांस्टेबल नील कमल बारुई को और आराधना मंडल, बाल संरक्षण मंथन साहिबगंज, झारखंड को साथ लेकर बरहरवा रेलवे स्टेशन पर 21/10 बजे से तलाशी शुरू की गई। तलाशी के दौरान फुट ओवर ब्रिज के पास प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर एक वयस्क व्यक्ति के साथ संदेहास्पद स्थिति में इधर उधर घूम रहे 03 नाबालिग बच्चे दिखे गए संदेह होने पर उन्हें रोककर पूछताछ करने पर उन्होंने अपना नाम बताया मो.सारिकुल शेख 16 वर्ष पुत्र-मो.फोहिमुद्दीन शेख, निवासी-नाकिर टोला, उत्तर पलासगाछी, पीएस-पलासगाछी जिला-साहिबगंज (जेएच) टिकट नंबर यूटीवाई नंबर 30555923, बरहरवा से पुणे जंक्शन जा रहा था,अजमेल शेख (पुरुष-16 वर्ष) पुत्र-हसुरोद्दीन निवासी-नाकिर टोला, उत्तर पलासगाछी, पीएस-पलासगाछी, जिला-साहिबगंज (जेएच) टिकट नंबर यूटीवाई नंबर 30555924, बरहरवा से पुणे जंक्शन अंजार शेख पुरुष-16 पुत्र-

नजीर शेख निवासी-नकिर टोला, उत्तर पलासगाछी, थाना-पलासगाछी जिला-साहिबगंज (झारखंड) टिकट संख्या-यूटीवाई संख्या-30555925 ,बरहरवा से पुणे जंक्शन जा रहा था और उस वयस्क व्यक्ति ने अपना नाम अजीत रविदास मिथुन 30 वर्ष पुत्र-निवारन रविदास निवासी-इंसान टोला, उत्तर पलासगाछी, थाना-पलासगाछी, जिला-साहिबगंज बताया। आगे पूछने पर अजीत रविदास ने बताया कि वह बच्चों को पुणे में कंपनी में मजदूरी के काम (केला पैकिंग स्टोर) के लिए भेजना था और आगे बताया कि आज उपरोक्त 03 नाबालिग बच्चों के साथ बरहरवा रेलवे स्टेशन आया था और ट्रेन 13403 अप (वनांचल एक्सप्रेस) से आज 06.03.2025 की रात्रि में अपने मित्र के साथ उक्त सभी बच्चों को भाया रांची पुणे भेजना था। उसने यह भी बताया कि वह इस कार्य के लिए कंपनी से करीब 10000/- प्रतिमाह कमीशन लेता है। यह कृत्य स्पष्ट रूप से दशार्ता है कि उपरोक्त नामित पुरुष व्यक्ति अपने व्यक्तिगत अवैध लाभ के लिए तीन(03) नाबालिग लड़कों को बहला-फुसलाकर ले जाने में शामिल हैं। इसके बाद, अजीत रविदा नामक व्यक्ति को आरपीएफ/पोस्ट/बरहरवा के एएसआई/अजय कुमार हांसदा ने अपने हिरासत में लिया और लिखित शिकायत के साथ 03 नाबालिग लड़कों के साथ आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपीएस/बरहरवा लाया। इस संबंध में उक्त मानव तस्कर को जीआरपी/बरहरवा ने हिरासत में ले लिया और एएसआई/ आरपीएफ/ बरहरवा अजय कुमार हांसदा के शिकायत के आधार पर जीआरपी/बरहरवा ने धारा 137(2)/143(5) बीएनएस एवं 75/81 जेजे एक्ट के तहत मामला संख्या 08/2025 दिनांक 07.03.2025 पंजीकृत कर मामला एएसआई/प्राण रजवार को जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु सौंपा है।

जनता दरबार पहुंचे लोगों के मामलों पर अपर समाहर्ता ने की सुनवाई

झारखंड/पाकुड़ : जिले के समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आज शुक्रवार को उपायुक्त मनीष कुमार के निर्देश पर अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन ने आयोजित जनता दरबार में आम जनता से जुड़ी समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की। मौके पर अपर समाहर्ता ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को अग्रसारित करते हुए अविलंब जांच कर जल्द समाधान करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में अबुआ आवास, जमीन से संबंधित, सेविका चयन, मुख्यमंत्री पशुधन योजना से आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए थे।

विधायक ने स्वास्थ्य मंत्री को सौंपा मांग पत्र

साहिबगंज: राजमहल विधायक मो ताजुद्दीन राजा उर्फ एमटी राजा ने झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी को मांग पत्र सौंपते हुए राजमहल विधानसभा क्षेत्र के स्वास्थ्य व्यवस्था से अवगत कराया है। कहा कि साहेबगंज जिला स्थित सदर अस्पताल साहेबगंज एवं अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल में डॉक्टर एवं मेडिकल कर्मी की घोर कमी है। जिससे जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराई हुई है। साहेबगंज सदर अस्पताल में डॉक्टरो के कुल 40 स्वीकृत पद के स्थान में मात्र 10 डॉक्टर ही पदस्थापित है। जिससे लाखों की आबादी वाला साहेबगंज शहर को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध नहीं हो पा रही है। वही राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल में डॉक्टरों के कुल 21 स्वीकृत पदो के स्थान पर मात्र 5 डॉक्टरों ही कार्यरत है। जिसमें एक भी विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं है और न ही महिला डॉक्टर है। अस्पताल में प्रतिदिन प्रसव की संख्या लगभग 10 है। महिला विशेषज्ञ एवं सर्जन नही रहने के कारण ए ग्रेड नर्स तथा एएनएम एवं जीएनएम के भरोसे कार्य लिया जा रहा है। जिससे मां बच्चा के जान को खतरा बना रहता है। साथ ही साथ अस्पताल में सिटी स्कैन, अल्ट्रासाउण्ड मशीन, एक्स रे मशीन, डिजीटल ईको, ईसीजी व एमआरआई मशीन की व्यवस्था नहीं होने के कारण गरीब जनता प्राईवेट अस्पतालों में जाकर अपना ईलाज कराकर कर्ज में डूब रहे हैं।

निगरानी प्रणाली पर सर्वे का कार्य संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी पलाश साहेबगंज के सौजन्य से बरहरवा प्रखंड जेएसएलपीएस सभागार में शुक्रवार को बरहरवा और पतना प्रखंड के कैडरों का समुदाय आधारित निगरानी प्रणाली पर सर्वे का कार्य सफलतापूर्वक समापन जिला प्रबंधक एमआईएस रवि शंकर, बरहरवा बीपीएम मो फैज आलम और पतना बीपीएम राहुल कुमार के उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सखी मंडल और ग्राम संगठन के कम्युनिटी मॉनिटरिंग का भरे गए प्रपत्र गहन समीक्षा किया गया। जिला प्रबंधक रवि शंकर के द्वारा बताया गया कि प्रशिक्षण प्राप्त कर कैडर प्रखण्ड के विभिन्न गावँ में जाकर सखी मंडल और ग्राम संगठन के द्वारा अभी तक किये गए कार्यो का तीन दिनों तक अनुश्रवण किया गया है तथा समुदाय आधारित निगरानी प्रणाली का मुख्य उद्देश्य जेएसएलपीएस तथा सरकार के द्वारा प्रदत्त सुविधाओं की अनुश्रवण व डाटा संग्रहण का कार्य है। बीपीएम फैज आलम के द्वारा बताया गया कि इस तरह का निगरानी प्रणाली से सखी मंडल और ग्राम संगठन में पारदर्शिता आएगा तथा वर्तमान की खाता बही का संधारण का स्तिथि से परियोजना अवगत हो पायेगा तथा जो भी कमी निकलेगी कार्ययोजना तैयार करके पूर्ण किया जाएगा। इस कार्यक्रम मे बरहरवा व पतना प्रखंड के सभी सामुदायिक समन्वयक, आईपीआरपी, बीएपी, डाटा इंट्री ऑपरेटर आदि उपस्थित

सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर बनाया गया होटल पर चला बुलडोजर

चौपारण : शुक्रवार को वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की। चौपारण जीटी रोड में बने अवैध होटल एवं झोपड़ियां को बुलडोजर से तोड़ अतिक्रमण मुक्त किया गया। चौपारण के जंगल में बाहरी लोग जंगल उजाड़ कर झोपड़ी, रोड किनारे अवैध होटल का निर्माण कर मादक पदार्थ की खेती एवं अफीम का कारोबार करते है। जिस पर वन विभाग की टीम तत्परता दिखाते हुए टीम के साथ अतिक्रमण मुक्त करने पहुंचे। वन विभाग के वनपाल पंकज कुमार ने बताया कि प्रशिक्षु डीएफओ मोहित बंसल वन्य प्राणि हजारीबाग एवं एसीएफ एके परमार हजारीबाग के पश्चिमी वन प्रमंडल के अगुवाई में चौपारण जीटी रोड में बने अवैध होटल एवं झोपड़िया को जेसीबी मशीन से तोड़कर सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त किया गया।

विभिन्न सड़क के मांग को लेकर मुख्यमंत्री से मिली सविता महतो, सौंपा मांग पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : ईचागढ़ के विधायक सविता महतो नें ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न सड़क निर्माण के मांग को लेकर शुक्रवार को झारखंड विधानसभा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को मांग पत्र सौंपा। मांग पत्र में उन्होंने रांगामाटी टीकर भाया मिलनचौक 19 किमी सड़क को फोर लेन निर्माण करने, चांडिल प्रखंड के डोबो फुटबॉल मैदान से पारडीह काली मंदिर 8 किमी सड़क का निर्माण करने, कांड्रा चांडिल गोलचक्कर से गिद्धिबेड़ा तक 6.3 किमी सड़क का निर्माण करने व कांड्रा खुंटी ईचागढ़ पथ 8.9 किमी सड़क का निर्माण का मांग किया। मुख्यमंत्री ने विधायक को आश्वासन दिया कि जल्द ही सभी सड़को का निर्माण कराया जाएगा। उक्त बात की जानकारी विधायक के आप्त सचिव काबलु महतो महतो नें दी।

गुस्से में आकर एक अधेड़ व्यक्ति ने जहरीली दवा खाया, हुआ मूर्छित

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत एक अधेड़ व्यक्ति ने जहरीली दवा का सेवन करने से हुआ मूर्छित। मिली जानकारी के अनुसार भागन चौधरी उम्र 45 वर्षीय पिता जोइरिका चौधरी कबूतर खोपी साहिबगंज के रहने वाला दिन में 3 :30 बजे घर में किसी बात को लेकर कहा सुनी होते-होते बात इतना बढ़ गया कि गुस्से में आकर सब्जी में कीटनाशक दवा छिड़कने वाला खाकर मूर्छित हो गया। मूर्छित व्यक्ति के परिजन भोला चौधरी ने देखा की घर में मूर्छित जमीन पर गिरा पड़ा हुआ है, और भोला चौधरी ने आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज लाया, जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने इलाज किया।

उपायुक्त ने पंचायती राज योजनाओं की समीक्षा बैठक की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में पंचायती राज विभाग के तहत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2023-24 में संचालित योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।उपायुक्त ने पदाधिकारियों को आंगनबाड़ी मरम्मती, विद्यालय मरम्मती, सोलर लाइट, जल मीनार और चापानल मरम्मती जैसी योजनाओं को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के अंदर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरे किए जाएं। बैठक के दौरान उपायुक्त ने पंचायत ज्ञान केन्द्र के सुचारू संचालन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने जन्म-मृत्यु निबंधन प्रक्रिया में लापरवाही नहीं बरतने और सभी प्रमाण पत्र समय पर निर्गत करने को कहा।उपायुक्त ने कहा कि सरकार की सभी योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंचना चाहिए और इसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में जिला पंचायत राज पदाधिकारी अनिल कुमार, पंचायत राज डीपीएम सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

जिले में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के नामांकन प्रवेश परीक्षा नौ मार्च को

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झारखंड/पाकुड़ : जिले में कल्याण विभाग द्वारा संचालित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, आश्रम विद्यालय और अन्य आवासीय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए कक्षा छह, सात और आठ में नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा आगामी नौ मार्च को आयोजित होगा। इस संबंध में परियोजना निदेशक, आईटीडीए सह जिला कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कल्याण विभाग की ओर से संचालित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय/आश्रम विद्यालय और अन्य आवासीय विद्यालयों के कक्षा छह, सात और आठ में नामांकन के लिए नौ मार्च को राज्य स्तरीय प्रवेश परीक्षा निर्धारित है। कक्षा छः में परीक्षार्थियों की संख्या 560, कक्षा सात में परीक्षार्थियों की संख्या 234 और कक्षा आठ में परीक्षार्थियों की संख्या 296 है। तीनों वर्गो में कुल 1090 परीक्षार्थी है। परीक्षा 11:00 बजे पूर्वाह्न से 1.30 बजे अपराह्न तक ली जाएगी। सभी परीक्षार्थी 10 बजे पूर्वाह्न तक अपने अपने परीक्षा केंद्र में पहुंचना सुनिश्चित करें। कक्षा छह के लिए डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल आफ में एक्सीलेंस, (राज+2) पाकुड़, कक्षा सात के लिए सीएम स्कूल आफ एक्सीलेंस गर्ल्स, पाकुड़ एवं कक्षा आठ के लिए मीडिल स्कूल धनुषपूजा,पाकुड़ में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। पुलिस बल और दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्त सभी परीक्षा केंद्रों पर की गई है।

साड़ ने एक बुजुर्ग को मार कर किया घायल

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक बुजुर्ग को साड़ ने मार कर बुरी तरह घायल कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार चंद्र मोहन सिंह उम्र 56 वर्षीय पिता स्वर्गीय बनारसी सिंह बंगाली टोला साहिबगंज के रहने वाले सुबह में टहलने के लिए सब्जी मंडी गया था, इसी बीच साड़ ने चंद्र मोहन सिंह को उठाकर जमीन पर फेंक दिया जिससे सर में गहरी चोट लगने से बेहोश हो गया। वही राहगीरों ने घायल बुजुर्ग को साड़ से बचाया और परिजनों को सूचना दिया, सूचना मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचकर इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज लाया।

Government of Jharkhand
Department of Information Technology and e-Governance
3rd Floor, Jharkhand Mantralaya, Dhurwa, Ranchi- 834004

Cancellation Notice

This is to inform that tender reference no. ASA/MPLS/1/2024-UID/001 and Advertisement PR.No. 344502 has been cancelled.

Sd/-
Deputy Secretary,
DoIT & e-Gov

PR 348072 Information Technology (24-25)_D

एक व्यक्ति ने चावल में देने वाला जहरीली दवा खाकर हुआ मूर्छित

साहिबगंज : बरहेट थाना क्षेत्र अंतर्गत एक व्यक्ति ने जहरीली दवा खाकर मूर्छित हुआ। मिली जानकारी के अनुसार सुंदर मुर्मू पिता मांझी मुर्मू पचकटिया बरहेट के रहने वाले सुबह 7 :00 बजे घर में किसी बात को लेकर चावल में देने वाला जहरीली दवा खा लिया, जिससे वह मूर्छित होकर घर में गिर कर बेहोश हो गया। जहां परिजनों ने बेहोशी हालत में देखकर सुंदर मुर्मू को उठाकर आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज लाया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने इलाज किया और इलाज करने के उपरांत स्वास्थ्य में सुधार है।

पथ निर्माण योजनाओं की प्रगति की समीक्षा, कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में पथ निर्माण विभाग के अन्तर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में चल रही सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी योजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी पर निर्देशित किया गया। बैठक में मिजाचौकी से बोआरीजोर मार्ग, अन्य मार्गो समेत अन्य योजनाओं की बारीकी से समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्माण कार्यों में आ रही बाधाओं को शीघ्र दूर करने और प्रभावित क्षेत्रों में वैकल्पिक यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

समाहरणालय हजारीबाग
(समाज कल्याण शाखा)

- अति अल्पकालीन निविदा सूचना -

दिनांक– 29.05.2023 को सम्पन्न जिला खनिज फाउण्डेशन ट्रस्ट, हजारीबाग की प्रबंधकीय समिति की बैठक में लिये गये निर्णय के आलोक में जिलान्तर्गत विभिन्न परियोजनाओं में संचालित आँगनबाड़ी केन्द्रों में 0–6 वर्ष के बच्चों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं तथा किशोरी बालिकाओं की सतत् वृद्धि निगरानी हेतु Growth Monitoring Devices (GMD) यथा Mother & Child Weighing Machine, Infantometer, Stadiometer की क्रयापूर्ति डी.एम.एफ.टी. मद से किये जाने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

जिलान्तर्गत आँगनबाड़ी केन्द्रों के लिए क्रयापूर्ति की जाने वाली Growth Monitoring Devices (GMD) की संख्या निम्नवत है, आवश्यकतानुसार GMD की संख्या घट–बढ़ सकती है–

क्रम	GMD	आपूर्ति हेतु संख्या
1.	Mother & child weighing machine	1285 PCs
2.	Infantometer	697 PCs
3.	Stadiometer	528 PCs

निविदादाता मुहरबंद लिफाफे में निविदा जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, हजारीबाग के कार्यालय में दिनांक– 21.03.2025 को 12:00 बजे अपराह्न तक स्पीड पोस्ट / निबंधित डाक अथवा स्वयं या अपने प्रतिनिधि के माध्यम से जमा कर सकते है। निर्धारित तिथि एवं समय के उपरांत निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी। प्राप्त निविदाओं को दिनांक– 21.03.2025 को 03:00 बजे अपराह्न में अधोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समिति के समक्ष निविदादाता अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि की उपस्थिति में खोला जायेगा।

निविदा से सम्बन्धित नियम एवं शर्तें तथा क्रयापूर्ति की जाने वाली सामग्रियों की विशिष्टता आदि जिला समाज कल्याण कार्यालय, हजारीबाग के सूचना पट्ट पर एवं हजारीबाग एन.आई.सी. के Website- www.hazaribag.nic.in पर देखा जा सकता है।

ह0/–
जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, हजारीबाग। उप विकास आयुक्त, हजारीबाग। उपायुक्त, हजारीबाग।

PR 348093 Women, Child Development & Social Security (24-25)_D

पेयजल आपूर्ति पून: चालू करने को लेकर कार्यपाल पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : प्रखंड क्षेत्र के कोटालपोखर पंचायत में जलमीनार पाइपलाइन द्वारा पेयजल आपूर्ति को सुचारु रूप से पुनः चालू करने को लेकर आजसू के बरहरवा प्रखंड सचिव प्रणव कुमार साह ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता से मिलकर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान उन्होंने कहा कि विगत महीने भर से कोटालपोखर पंचायत क्षेत्र में जलमीनार पाइपलाइन द्वारा पेयजल आपूर्ति अवरुद्ध है। जिसके कारण समस्त पंचायतवासी पेयजल की कमी से जूझ रहे हैं। गर्मी के दस्तक देते ही विभिन्न जलाशय एवं पेयजल के स्त्रोत जवाब दे रहे हैं। ऐसे में जालमीनार पाइपलाइन द्वारा पेयजल आपूर्ति ही यहां के लोगों का सहारा है। लेकिन विभिन्न कारणों से विगत एक महीने से उक्त जालमीनार पाइपलाइन द्वारा पेयजल आपूर्ति अवरुद्ध है। और यह पहला मामला नहीं है जब पेयजल आपूर्ति किसी कारण बंद है। इसके पूर्व भी हर वर्ष किसी न किसी कारण से पेयजल आपूर्ति बंद कर दिया जाता है। जिससे यहां के आवाम को बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। इससे पूर्व भी ज्ञापन के माध्यम से इस समस्या को लेकर विभाग अवगत करा समाधान की गुहार लगा चुके हैं। लेकिन अब तक उक्त समस्या का ठोस एवं स्थाई समाधान नहीं हो पाया है। यदि अभिलंब इस समस्या का समाधान नहीं किया गया और जल्द से जल्द पेयजल आपूर्ति पुनः सुचारू रूप से चालू नहीं किया गया तो आजसू पार्टी पंचायत के लोगों के साथ-साथ पर उतरकर जोरदार आंदोलन करेगी।

e-Procurement Cell
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT
BUILDING DIVISION NO. – 02, RANCHI
(Behind State Guest House Morhabadi) Dindayal Nagar Booty Road Ranchi-834008

RATE PURPOSE ONLY

Very Short E-Quotation Reference No : BCD/Bld. Div.No.- 02 Ranchi - 15/2024-25

Sealed Quotations are invited for the work **Construction of Bar Association Building in Different Districts/Sub Division of Jharkhand** for all Materials from Reputed Shop Keepers/ Manufacturers/ Suppliers/Retailers/Distributors and Registered B.C.D. Contractors for following items. They should quote their rates for unit mentioned in the table. If they do not deals all of the below mentioned items then they are allowed to quote their rate for part of the items which ever they deals. The rates should be exclusive of all types of Taxes, GST, Contractor's Profit and overhead charges etc. but inclusive of Royalty. All Rates should be exclusive of Labour Cess.

Terms and Condition

1. The quotationer shall furnish Pan,GST registration no.
2. The rate quoted by quotationer shall be firm and final.
3. The undersigned reserves the right to accept or reject/cancel any or all quotations without assigning any reason there of.

नोट :–
(1)वेबसाईट में ई–कोटेशन प्रकाशन की तिथि : 10.03.2025 के अपराह्न 3:00 बजे।
(2)वेबसाईट में ई–कोटेशन अपलोड की अंतिम तिथि : 15.03.2025 के अपराह्न 3:00 बजे तक।
(3)ई–कोटेशन खोलने की तिथि एवं समय 17.03.2025 अपराह्न 3:30 बजे।
(4)ई–कोटेशन आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–02, राँची।
(5)ई–कोटेशन प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0 : 7992430721
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

Nodal Officer,e-Procurement Cell,
Office of the Executive Engineer
Building Construction Department,Building Division No.-02, Ranchi

PR 348054 (Building)24-25*D

आज महिलाएं हर क्षेत्र में परचम लहरा रही हैं

आज विश्व भर की महिलाएं हर क्षेत्र में परचम लहराती चली जा रही हैं। भारत की महिलाएं विकसित देशों की तुलना में कुछ पीछे जरूर पड़ रही हैं, लेकिन उनकी गति बहुत तेजी से आगे बढ़ रही हैं । देश की आजादी के बाद बीते 77 वर्षों में भारत की महिलाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी तरक्की की हैं। यह भारतवर्ष के लिए एक अच्छी खबर है। सर्वविदित है कि प्रकृति व ईश्वर ने सृष्टि के संचालन के लिए स्त्री एवं पुरुष को उत्पन्न किया, ताकि सृष्टि की रचना पूर्ण हो सके। इसके साथ ही उन्होंने पशु -पक्षी और विभिन्न प्रकार के कीट -पतंगों को भी उत्पन्न किया । सबों को मिलाकर एक सूत्र में ऐसा बांधा गया कि सभी एक दूसरे के पूरक बन गए । स्त्री- पुरुष नामक दो लिंगों में विभक्त नर नारी को ऐसा बांधा गया ताकि वे दोनों साथ साथ जीवन बिता सकें। जानवरों, कीट- पतंगों को भी नर -मादा की श्रेणी में विभक्त कर प्रकृति ने इसे और भी मोहक बना दिया । हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार इस सृष्टि में 84 लाख छोटे बड़े जीव निवास करते हैं । इन 84 लाख जीवों में मनुष्य जी को सबसे उत्तम माना गया । मनुष्य की सभ्यता और उसके विकास की एक लंबी कहानी है।

वर्तमान समय , जिसे हम सब आधुनिक काल कहते हैं । यहां तक पहुंचने में इस मनुष्य को लंबे सफर के दौर से गुजरना पड़ा है । हमारा भारतीय समाज पुरुष प्रधान है । संभवत विश्व के लगभग देशों में पुरुष की प्रधानता के ही दृष्टांत सामने मिलते हैं । सामाजिक मान्यताओं के अनुसार पुरुष गृहस्थी के संचालन के लिए घर से बाहर जाकर धन की जुगाड़ के लिए विविध प्रकार के श्रम, व्यवसाय और नौकरी करते हैं, ताकि घर के सभी सदस्यों के खान-पान के साथ अन्य जरूरतें पूरी हो सकें । इन्हीं मान्यताओं के साथ हमारा विश्व समाज आगे बढ़ता चला जा रहा है। महिलाओं के जिम्मे में पूरी तरह घर के भीतर गृहस्थी संभालने की जवाबदेही है । यह कोई मामूली जवाबदेही नहीं है बल्कि पुरुषों की तुलना में एक बड़ी जवाबदेही इसे कह सकते हैं । घर के भीतर महिलाएं सभी के खाने-पीने के इंतजाम के साथ आने वाली नहीं पीढ़ी को भी जन्म देती है ।

ईश्वर ने यह विशिष्ट गुण महिलाओं को ही प्रदान किया है। इसके साथ ही अपने-अपने बच्चों की प्रथम गुरु माता ही होती हैं। इसलिए बच्चें सबसे पहले मां शब्द का ही उच्चारण करते देखे जाते हैं । समाज की इस पारंपरिक व्यवस्था को महिलाओं की कई प्रगतिशील संस्थाओं ने इस परंपरा को महिलाओं को घर में कैद कर रखने के समान बताया।

विश्व की महिलाओं को आगे बढ़ाने में लोकतांत्रिक व्यवस्था की पहल एक शुभ संकेत था। पश्चिम के देशों में सबसे पहले लोकतंत्र दस्तक दी थी । इस लोकतंत्र ने जन मानस की सोच को ही बदल कर रख दिया था। महिलाएं भी पुरुषों के कदम से कदम मिलाकर चलने लगी । गृहस्थी के साथ उनके कंधों पर कमाने की भी जवाबदेही आ गई । समय के साथ बदलते परिदृश्य में दोनों जवाबदेही को महिलाओं ने पूरी निष्ठा से निभाना प्रारंभ किया । इसकी गूंज विश्व भर में फैलती गई । गृहस्थी के कामकाज में उलझी महिलाओं में भी बोद्धिक विकास होने लगा कि हम सब भी पुरुषों के समान हर कार्य कर रही हैं। प्रारंभ में तो महिलाओं का घर से बाहर निकलना , कमाने की बात सोचना भी बेमानी थी । किंतु धीरे-धीरे ही सही, यह सोच धरातल पर उतारी और महिलाएं घर से बाहर निकलने लगी । आज से मात्र 30 - 40 वर्ष पूर्व तक महिलाएं जब रिक्शा में सवार होकर घर से बाहर निकलती थी, तो रिक्शा पर पर्दा लगाकर । कहीं कोई देख न ले । लोग क्या कहेंगे ? समय के साथ या पर्दा प्रथा रुखसत हो गई । महिलाओं के घर से बाहर निकलने के संदर्भ में एक बात का और जिक्र करना चाहूंगा कि भारतीय सिनेमा उद्योग की आधारशिला दादा साहब फाल्के ने रखी थी। उस समय में श्वेत - श्याम और अनबोलता फिल्मे बनती थी। चलचित्र में महिला का किरदार पुरुष , स्त्री का वस्त्र पहन करत थे। फिल्मों में काम करने के लिए महिलाएं सामने आती ही नहीं थी। अगर कोई एक महिला ने सिनेमा में काम कर लिया तो समाज उसे दूरी दूसरी निगाह से देखा करता था। यह बात लगभग 100 वर्ष पूर्व की है। इस सच्चाई से इनकार नहीं किया जा सकता है कि एक जमाने में पुरुष प्रधान समाज ने महिलाओं को एक विशेष प्रजाति का जीव बना कर रख दिया था। सामाजिक रुप से महिलाएं अब मजबूत होती चली जा रही है।

सूडोकु नवताल- 7363

* * * * * कठिनतम

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7362 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

बलात्कार और हिंसा पर कब टूटेगी समाज की चुप्पी?

योगेश कुमार गोयल

दुनियाभर में प्रतिवर्ष 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है, जो सही मायनों में महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाने वाला एक वैश्विक दिवस है। यह दिन लैंगिक समानता में तेजी लाने के लिए कार्रवाई के आह्वान का भी प्रतीक है। हालांकि चिंता का विषय यही है कि जिस ह्यआधी दुनियाह्न के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है, उसी आधी दुनिया को जीवन के हर मोड़ पर भेदभाव या अपराधों का सामना करना पड़ता है। यदि इसे भारत के ही संदर्भ में देखें तो शायद ही कोई दिन ऐसा बीतता हो, जब ह्यआधी दुनियाह्न से जुड़े अपराधों के मामले देश के कोने-कोने से सामने न आते हों। होता सिर्फ यही है कि जब भी कोई बड़ा मामला सामने आता है तो हम सिर्फ पुलिस-प्रशासन को कोसने और संसद से लेकर सड़क तक कैंडल मार्च निकालने या अन्य किसी प्रकार से विरोध प्रदर्शन करने की रस्म अदायगी करके शांत हो जाते हैं और पुनः तभी जागते हैं, जब ऐसा ही कोई बड़ा मामला पुनः सुर्खियां बनता है, अन्यथा ऐसी छोटी-मोटी घटनाएं तो आए दिन होती ही रहती हैं।

देश में कानूनों में सख्ती, महिला सुरक्षा के नाम पर बीते कुछ वर्षों में कई तरह के कदम उठाने और समाज में ह्यआधी दुनियाह्न के आत्मसम्मान को लेकर बढ़ती संवेदनशीलता के बावजूद आखिर ऐसे क्या कारण हैं कि बलात्कार के मामले हों या छेड़छाड़ अथवा मयार्दा हनन या फिर अपहरण अथवा क्रूरता, ह्यआधी दुनियाह्न के प्रति अपराधों का सिलसिला थम नहीं रहा है? इसका एक बड़ा कारण तो यही है कि कड़े कानूनों के बावजूद असामाजिक तत्वों पर वो कड़ी कार्रवाई नहीं हो रही है, जिसके वो हकदार हैं और इसके अभाव में हम ऐसे अपराधियों के मन में भय पैदा करने में असफल हो रहे हैं। कहना गलत नहीं होगा कि महज कानून कड़े कर देने से ही महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध थमने से रहे, जब तक उनका ईमानदारीपूर्वक कड़ाई से पालन न किया जाए। ऐसे मामलों में पुलिस-प्रशासन की भूमिका भी अनेक अवसरों पर संदिग्ध रहती है। पुलिस किस प्रकार ऐसे अनेक मामलों में पीड़िताओं को ही परेशान करके उनके जले पर नमक छिड़कने का कार्य करती है, ऐसे उदाहरण अक्सर सामने आते रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों के मद्देनजर अपराधियों के मन में पुलिस और कानून का भय कैसे उत्पन्न होगा और कैसे महिलाओं के प्रति हो रहे अपराधों में कमी की उम्मीद की जाए? जरूरत इस बात की महसूस की जाने लगी है कि पुलिस को लैंगिक दृष्टि से संवेदनशील बनाया जाए ताकि पुलिस पीड़ित पक्ष को पर्याप्त संबल प्रदान करे और पीडिताएं अपराधियों के खिलाफ खुलकर खड़ा होने की हिम्मत जुटा सकें, साथ ही जांच एजेंसियों और न्यायिक तंत्र से भी ऐसे मामलों में तत्परता से कार्रवाई की अपेक्षा की जानी चाहिए। ऐसी घटनाओं पर अंकुश के लिए समय की मांग यही है कि सरकारें मशीनरी को चुस्त-दुरूस्त बनाने के साथ-साथ प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित करें कि यदि उनके क्षेत्र में महिलाओं के प्रति हो रहे अपराधों के मामलों में कानून का अनुपालन सुनिश्चित नहीं हुआ तो उन पर सख्त कार्रवाई की जाए। सामने आती दिनदहाड़े छेड़छाड़, अपहरण, बलात्कार या सामूहिक दुष्कर्म जैसी घटनाएं सभ्य समाज के माथे पर बदनुमा दाग के समान हैं और यह कहना असंगत नहीं होगा कि महज कड़े कानून बना देने से ही महिला उत्पीड़न की घटनाओं पर अंकुश नहीं लगने वाला। आए दिन देशभर में हो रही इस तरह की घटनाएं हमारी सभ्यता की पोल खोलने के लिए पर्याप्त हैं। इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि बलात्कार और छेड़छाड़ के जो मामले सामने आ रहे हैं, उनमें बहुत से ऐसे भी होते हैं, जिनमें पीड़िता के परिजन, निकट संबंधी या परिचित ही आरोपी होते हैं। दिल्ली पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों में तो यहां तक कहा जा चुका है कि करीब 97 फीसदी मामलों में महिलाएं अपनों की ही शिकार होती हैं और यह समस्या सिर्फ दिल्ली तक ही सीमित नहीं है बल्कि महिला अपराधों के मामले में पूरी दुनिया की यही तस्वीर है। जहां देश में हर 53 मिनट में एक महिला यौन शोषण की शिकार होती है और हर 28 मिनट में अपहरण का मामला सामने आता है, वहीं संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार दुनिया में प्रत्येक तीन में से एक महिला का कभी न कभी शारीरिक शोषण होता है। दुनिया में करीब 71 फीसदी महिलाएं शारीरिक मानसिक प्रताड़ना अथवा यौन शोषण व हिंसा की शिकार होती हैं, दक्षिण अफ्रीका में हर छह घंटे में एक महिला को उसके साथी द्वारा ही मौत के घाट उतार दिया जाता है और अमेरिका में भी इसी प्रकार कई महिलाएं हर साल अपने ही परिचितों द्वारा मार दी जाती हैं।

जहां तक पीड़िताओं को न्याय दिलाने की बात है तो इसके लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट की मांग काफी समय से उठती रही है किन्तु हमारा सिस्टम कछुआ चाल से रेंग रहा है। ऐसे मामलों में कठोरता बरतने के साथ-साथ त्वरित न्याय प्रणाली की भी सख्त जरूरत है ताकि महिला अपराधों पर अंकुश लग सके। आज अगर समाज में शिक्षा के प्रचार-प्रसार के बावजूद महिलाओं के प्रति अपराध और संवेदनहीनता के मामले बढ़ रहे हैं तो हमें यह जानने के प्रयास करने होंगे कि कमी हमारी शिक्षा प्रणाली में है या कारण कुछ और हैं। ऐसे कृत्यों में लिप्त रहने वाले लोगों की कुंठित मानसिकता के कारणों की पड़ताल करना भी बहुत जरूरी है, साथ ही सामाजिक मूल्यों का विकास करने के लिए विद्यालयों में नैतिक शिक्षा को लागू करना और छात्रों को अच्छा साहित्य पढ़ने के लिए प्रेरित करना समय की मांग है ताकि युवाओं की नकारात्मक सोच को परिवर्तित करने में मदद मिल सके, जिससे स्थिति में सुधार की उम्मीद की जा सके।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

होली : लोक रंगों का महापर्व

मनोज कुमार मिश्र

कहा जाता है कि वसंत ऋतु को ऋतुओं का राजा की मान्यता देने के लिए बाकी पांच ऋतुओं ने अपने में से कुछ-कुछ दिन दे दिए, इसीलिए वसंत ऋतु का आगमन विद्या और कला-संगीत की देवी मां सरस्वती के पूजन यानी वसंत पंचमी के साथ शुरू होता है। कायदे में भारतीय (हिंदू) कैलेंडर के हिसाब से सभी छह ऋतुएं-वसंत, ग्रीष्म, वर्षा, शरद, हेमंत और शिशिर, दो-दो महीने की होती है लेकिन वसंत करीब ढाई महीने का होता है। महीनों का निर्धारण विक्रमी संवत से होता है। सभी ऋतुओं की पहचान मौसम से होती है। वसंत के आगमन की सूचना वातावरण में मस्ती से होता है और वह फाल्गुन पूर्णिमा को होली (पूर्वांचल में फगुआ और आम बोलचाल में होरी) के दिन शीर्ष पर पहुंच जाता है। वातावरण में फूलों महक भी वसंत के होने का एहसास कराती है। गुलाबी ठंड, खेत पीले सरसों से भरे पड़े, उस पर मंडराते भौंरे, गेहूं की बालियां, हर तरफ फूल ही फूल, फिजा में मस्ती बिखेरते हैं। अपना देश विविधताओं का देश है। तरह-तरह की भाषा-बोली, पहनावा, खानपान और सैकड़ों पर्व-त्यौहारों को हम सभी साल भर मनाया करते हैं। अनेक त्यौहार देश के सर्वाधिक राज्यों में उत्साह से मनाया जाता है। होली भी देश के ज्यादातर राज्यों में मनाया जाने वाला त्यौहार है। होली की सबसे बड़ी विशेषता है कि वह हर वर्ग और खासकर गरीब तबके का सबसे लोकप्रिय पर्व है। ब्रज की होली की लोकप्रियता आज भी कायम है। देश-दुनिया से बड़ी तादाद में लोग मथुरा, वृंदावन, बरसाना, नंदगांव और भगवान कृष्ण और राधा-रानी से जुड़े जगहों पर लोग आते हैं। इसकी तैयारी महीनों पहले शुरू हो जाती है। किसी अनजान व्यक्ति को यह आश्चर्य लगेगा कि बड़ी तादाद में लोग कृष्ण भक्त गोपियां बनी ब्रज की महिलाओं के साथ होली खेलने और उनके डंडे झेलने (लट्ठमार होली) के लिए दूरदराज से समय और पैसे खर्च करके लोग आते हैं। यह संख्या लाखों में होती है। मान्यता है कि सभी लोग वहां इस अनुभव के लिए जाते हैं कि जैसे उन्होंने राधे-कृष्ण के साथ होली खेल ली। इसके अलावा हर राज्यों में अलग-अलग तरीके से होली खेली और गीत गाए जाते है। अलग-अलग तरह के पकवान खासकर होली के लिए बनाए जाते हैं। इतना ही नहीं अलग-अलग इलाकों में होली का नाम भी अलग है और मनाने के तरीके भी अलग है। दीपावली की तरह होली भी सालों पहले देश की सीमा पार कर अनेक देशों का बड़ा पर्व बन गया है। नेपाल तो हाल ही तक दुनिया का अकेला हिंदू देश था। वहां तो अपने देश की तरह होली पर सार्वजनिक अवकाश होता है। दुनिया के अन्य देशों में जहां भारतवंशी रहते हैं वहां होली उत्साह से मनाया जाता है। होली मिलन समारोह भी कई देशों में आयोजित होते हैं।

प्रचलित कथा है कि दैत राजा हिरण्यकश्प अपने को ही भगवान मानता था और अपनी प्रजा से इसे मनवाता था। उसने भीषण तपस्या कर अपने को अमर होने का वरदान पा लिया था। उसे वरदान था कि वह न तो दिन में और न ही रात में, न तो अस्त्र से और न ही शस्त्र से, न तो घर में न ही बाहर, न ही मनुष्य से न ही जानवर से मारा जा सकता है। उससे ठीक विपरित उसका पुत्र प्रह्लाद नारायण भक्त था। वह उसे भगवान मानने को तैयार न था। वह नारायण का भक्त था। उसे मारने के लिए हिरण्यकश्यप ने हर उपाय किए लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। उसने बहन होलिका को प्रह्लाद को मारने के लिए जिम्मेदारी दी। उसे जलती आग में होलिका लेकर बैठी। नारायण ने होलिका को ही जला कर भक्त प्रह्लाद की रक्षा की। बाद में उन्होंने नरसिंह अवतार लेकर हिरण्यकश्प का अंत किया। कहते हैं कि तभी से होलिका को जलाने और उसकी राख से दूसरे दिन होली खेल कर खुशी मनाने की परंपरा चली। होली से भगवान कृष्ण की कथा भी जुड़ी है। वैसे बाद में राख के साथ-साथ रंग और गुलाल से होली खेलने की परंपरा चल पड़ी। कई इलाकों में गुलाब की पंखुड़ियों आदि से भी होली खेली जाती है। रंग के साथ-साथ पानी को कीचड़ के साथ होली खेलने की परंपरा भी चल पड़ी है। दरअसल, होली मेल-मिलाप और संबंधों को बेहतर बनाने का भी त्यौहार है।

बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा,असम और पूर्वांचल के राज्यों में होली खेलने की विधिवत शुरूआत वसंत पंचमी यानी सरस्वती पूजा से होती है। सरस्वती पूजा के दूसरे दिन मां सरस्वती की प्रतिमा के विसर्जन में एक दूसरे को खूब गुलाल लगाते हैं। यह परंपरा दुर्गा पूजा, काली पूजा, विश्वकर्मा पूजा के बाद प्रतिमाओं के विसर्जन के दिन भी होता है। वैसे तो बिहार आदि पूर्वांचल के राज्यों में दूल्हे की विदाई ही नहीं किसी किसी रिश्तेदार की विदाई पर भी रंग-गुलाल लगाने की परंपरा है। किसी को विदाई में सफेद कपड़ा देना अपशगुन माना जाता है इसलिए किसी की विदाई में देने वाले कपड़ों को लाल-पीले रंगों से रंग कर ही देते हैं। तभी तो बिहार के गांवों में होली के दौरान यह भी प्रचलित गीत गाया जाता है- भर फागुन बूढ़ऊ देवर लगी हें। होली में अपने इलाके के वीरों का भी बखान किया जाता है-बाबू हो कुंवर सिंह टेगवा बहादुर बंगला में उड़ेला अबीर। पूर्वांचल (बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश) के गांवों में पूरे फाल्गुन (आम बोलचाल में फागुन) में रात को किसी के दरवाजे पर होली के गीत गाने का रिवाज है। होली के दिन तो सवेरे लोग होली खेलते हैं और दोपहर से अलग-अलग टोलियों में हर दरवाजे जाकर होली गाते और होली मिलन करते हैं। उस दौरान गायकों को सूखे मेवे देने का रिवाज है। बड़े गांवों में तो दरवाजे-दरवाजे जाते हुए आधी रात होने पर लोग चैता (बीतले फगुनवा आहो चैता अईले हो राम) गाने लगते हैं। होली के दूसरे दिन से चैत की शुरूआत होती है। 15 दिन बाद से नया हिंदू संवत या नए साल की शुरूआत होती है। उसी दिन से चैत नवरात्र की शुरूवात भी होती है।

पहले दिन यानी होलिका दहन के दिन उपले आदि इकट्ठा करके शाम को उसे जलाते हैं। उस आग में नई फसल गेहूं, जौ , चना आदि को भूनते हैं। होलिका को गाली देने के बहाने गाली गाने का भी रिवाज सालों से चल रहा है। होली के लिए तरह-तरह के पकवान बनने की तैयारी काफी समय से परिवार के लोग और खासकर महिलाएं करती हैं। दिल्ली, उत्तर प्रदेश , हरियाणा, राजस्थान, पंजाब इत्यादि राज्यों में गुजिया बनाने और खिलाने का रिवाज है। पूर्वांचल में चीनी और गुड़ आटे-मैदा से पुआ बनाने और खिलाने का चलन है। पुआ भी कई तरह के बनते हैं। उसके साथ कई इलाकों में कटहल की सब्जी तो मांसाहारी परिवारों में मांसाहार का चलन है। होली में उदंडता बढ़ने का एक बड़ा कारण भांग और शराब का सेवन है। होली मनानेवाले परिवारों में तो शायद ही कोई ऐसा घर होगा जिसके यहां होली पर पकवान न बनते हों। यह परंपरा तो लोगों ने शहरों में भी निभाई जा रही है। होली के गाने के बोल देश-भर में एक ही रहते हैं, भाषा जरूर बदल जाती है। राम खेले होरी लक्षमन खेले होरी, लंकागढ में रावन खेले होली, यह भोजपुरी में है लेकिन यह हर इलाके और भाषा में अलग टोन से, अलग शब्दों से गाया जाता है। गांवों में तो महीने भर होली गई जाती है लेकिन शहरों में दिवाली की तरह होली मिलन का आयोजन महीने भर तक चलता रहता है। होली गिले-शिकवे दूर करने का भी त्यौहार है। हिंदी सिनेमा के होली के गाने सबसे ज्यादा लोकप्रिय गानों में हैं, बल्कि एक समय सिनेमा के हिट होने का एक फामूर्ला होली के गाने को माना जाता था।

सेमल का पेड़ है आयुर्वेद का खजाना, 81 पक्षियों का है आश्रय गृह, लाल फूलों से लदा है सेमल

प्रदीप कुमार सिन्हा

फागुन के महीने में पर्यावरण में मादकता चढ़ गई है। खासकर लाल फूलों से लदा सेमल का पेड़ की खूबसूरती कुछ इस कदर बढ़ गई है कि लोग इसे बिना निहारे आगे नहीं बढ़ रहे हैं। लाल रंग का सेमल का पेड़ प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ पंछी के लिए भी बेहद खास होता है। आयुर्वेदिक गुनों से भरा हुआ यह पेड़ है। जिसका जड़ से लेकर फूल सभी विभिन्न बीमारियों में उपयोग में लाएं जाते हैं।पेड़ 81 प्रजातियों के छोटे-बड़े पक्षियों का आश्रय देता है। करीब 40 प्रजाति के पक्षी इस पर बैठने और घोंसला बनाने के लिए आते हैं।

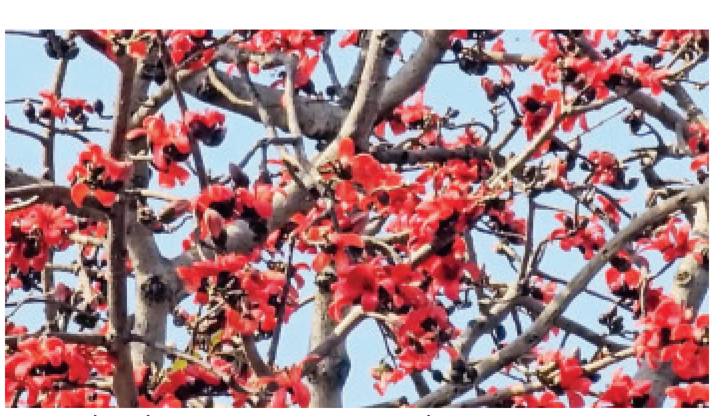

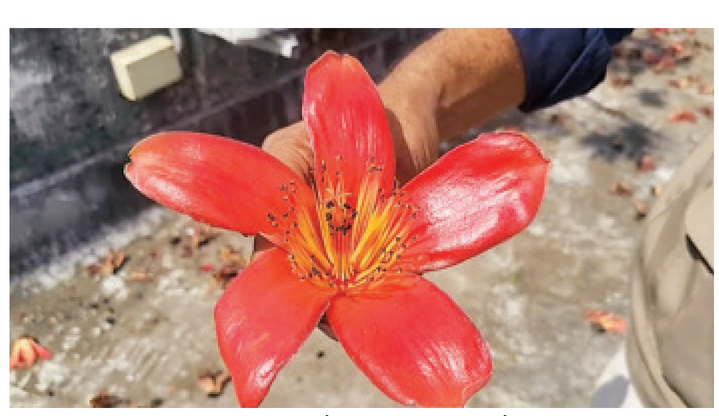

सेमल के पेड़ पर लगे लाल रंग के फूल दूर से ही अपनी खूबसूरती का अहसास करा जाते है, मानों पेड़ की शाखाओं पर कोई ताज सजा हो। लाल रंग के फूलों से लदा सेमल का पेड़ फाल्गुन के महीने मादकता का अहसास करा रहा है। पतझड़ के आगमन के साथ इन पेड़ों के पत्ते गिर चुके हैं। लेकिन लाल रंग में खिले फूल सबको इसके और आकर्षित कर रहे हैं। हजारीबाग जिले में सेमल के कई पेड़ मौजूद हैं। शहरी क्षेत्र में इसके पेड़ कम है जिस कारण लोग हजारीबाग झील परिसर खिले सेमल के फूल को देखने ले लिए पहुंच रहे है। सेमल का फूल गर्मी के मौसम का सूचक भी माना जाता है ' सेमल का पेड़ 81 प्रजातियों के छोटे-बड़े पक्षियों का आश्रय बनता है। करीब 40 प्रजाति के पक्षी इस पर बैठने और घोंसला बनाने के लिए आते हैं। बसंत के मौसम से खिलने वाला सेमल के फूल 41 प्रजाति के पक्षियों के लिए भोजन का स्रोत हैं। इनमें से 28 प्रजाति के पक्षी फूलों का पराग चूसते हैं, जबकि 13 प्रजाति के पक्षी उन कीट-पतंगों को खाते हैं, जो फूलों से आकर्षित होकर पेड़ के नजदीक आते हैं। इससे पक्षियों को भोजन मिलता है गिलहरी और बंदर भी इसके फूल और पंखुड़ियों को खाना खूब पसंद करते हैं। मधुमक्खी भी बेहद शौक के साथ इस पेड़ के ऊपर अपना छत्ता बनाते हैं। सेमल का पेड़ पक्षी और पर्यावरण के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करता है।

इनमें तोता, हारिल, पंडुक, नीलकंठ, कोयल, महोक, कुक्कू, मलकोहा, रॉबिन, बुलबुल, भुजंगा, पीलक, शकरखोरा, बसंता, प्रिनिया, बबूना, हॉर्नबिल और हनी बजार्ड ऐसे पक्षी हैं जो अपना इसे आश्रय स्थल बनाते हैं। सेमल के पेड़ पर फूल खिलने के बाद यह हमेशा पक्षियों से गुलजार रहता है। ये पक्षी न केवल भोजन के लिए बल्कि घोंसला बनाने और आराम के लिए भी सेमल के पेड़ को पसंद करते हैं। सेमल और पक्षियों के संबंध के ऊपर इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बेसिक एंड अप्लाइड रिसर्च में रिपोर्ट प्रकाशित हो चुका है ' ये पेड़ अपने खूबसूरत फूलों के अलावा गोंद, फल, जड़ों और कलियों में मौजूद कई तरह के चिकित्सीय गुणों के लिए भी जाने जाते हैं। इसके फूलों का सेवन करने से कब्ज की समस्या से निजात मिलता है। तने के छोटे-छोटे कांटे सुंदरता निखारने के काम में आता है। यह पेड़ मदार्ना ताकत को बढ़ाने वाला है। वैसी महिला जो मां नहीं बन पाती है उनके लिए भी यह पेड़ बेहद उपयोगी है । आयुर्वेदिक चिकित्सक का कहना है की फूलों से लेकर जड़ तक इस पेड़ का औषधि गुण से भरा हुआ है लेकिन जानकारी के अभाव में लोग इसका उपयोग नहीं कर पाते हैं। प्रकृति ने कई ऐसे उपहार दिए हैं जिसे लोग जानते नहीं है। सेमल भी उसी में एक है। पतझड़ के बाद आकर्षक फूल और फूलों के बाद सेमर का रुई इसे अलग पहचान देती है।

दैनिक पंचांग

8 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

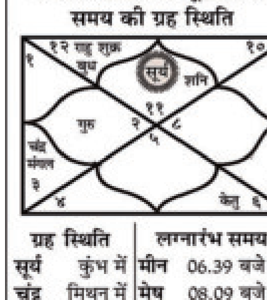

शनिवार 2025 वर्ष का 67 वा दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु शिशिर।
विक्रम संवत् 2081 शक संवत् 1946
मास फाल्गुन पक्ष शुक्ल
तिथि नवमी 08.17 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आर्द्रा 23.29 बजे को समाप्त।
योग आयुष्मान 16.24 बजे को समाप्त।
करण कौलव 08.17 बजे तदनन्तर तैतिल 19.58 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 08.0 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 04° 52'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872277
जूलियन दिन 2460742.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रमजान
तारीख 07
विशेष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.39 बजे से
चंद्र	मिथुन में	मेष	08.09 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	09.49 बजे से
बुध	मीन में	मिथुन	11.47 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	14.01 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.17 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	18.29 बजे से
राहु	मीन में	तुला	20.40 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	22.54 ब.से
राहुकाल	9.00 से 10.30 बजे तक	धनु	01.10 बजे से
		मकर	03.15 बजे से
		कुंभ	05.02 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

साहित्य में आधुनिकता की शुरूआत अज्ञेय से होती है: कथाकार उदय प्रकाश

कुशीनगर। प्रसिद्ध कथाकार और कवि उदय प्रकाश को अज्ञेय के जन्म दिवस पर आयोजित भारतीय ज्ञान परंपरा विषयक संगोष्ठी में सन 2025 के अज्ञेय स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। कलावती देवी स्मृति न्यास द्वारा मिले इस सम्मान के स्वीकृति वक्तव्य में उदय प्रकाश ने कहा कि अज्ञेय के नाम से दिए इस सम्मान को प्राप्त करना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि हिंदी साहित्य में आधुनिकता की शुरूआत अज्ञेय से होती है। वे स्वातंत्र्य बोध के साहित्यकार थे। उन्होंने अज्ञेय के जीवन से जुड़े कुछ संस्मरण भी सुनाए। अष्टभुजा शुक्ल ने अज्ञेय स्मृति व्याख्यान देते हुए कहा अज्ञेय से ज्यादा शब्द केंद्रित कवि हिंदी में कोई दूसरा कवि नहीं हुआ। भाषा तो बन जाएगी मूल प्रत्यय शब्द है। शब्द की गरिमा रोज गिराई जा रही है। क्रूर होते जा रहे समय में अज्ञेय के भारत चिंतन पर बात करना बहुत महत्वपूर्ण है। कवि का पहला सरोकार सत्ता नहीं भाषा और मनुष्य है। भारतीय चिंतन परंपरा सूक्तियों की और सूत्रों की परम्परा है। अज्ञेय ढेर सारी बातें सूत्रों में करते हैं। वे कहते हैं अनंत काल तक जीना अमरत्व नहीं है। मृत्यु भी तो अनंत है। अमरत्व कोई क्षण कोई दृष्टि, कोई अनुभूति है। लोगों के लिए लोगों के द्वारा लोगों का शासन होते होते लोकतंत्र अज्ञेय के शब्दों में ₹अनपढ़ों के द्वारा अनपढ़ों के लिए अनपढ़ों का शासन₹ होता गया है।बूंद में समुद्र की शक्ति होती है। वैसे ही मनुष्य में असीम की शक्ति है। इसलिए बूंद होने का महत्व है। अज्ञेय की आधुनिकता और प्रतिबद्धता बूंदों के प्रति है। एक एक मनुष्य की इयत्ता के प्रति है। प्रो अरुणेश निरन ने कार्यक्रम की प्रस्ताविकी रखते हुए अज्ञेय और उदय प्रकाश के साहित्य के विविध पहलुओं की चर्चा की। कृष्ण बिहारी मिश्र के भारत चिंतन पर बोलते हुए काशी हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व आचार्य प्रो अवधेश प्रधान ने कहा भारतेंदु युग में हिंदी पत्रकारिता के संदर्भ में किसी संस्था के द्वारा किए जाने वाले कार्यों के बराबर अकेला कार्य कृष्ण बिहारी मिश्र ने किया। बनारस के साहित्यिक चरित्र और साहित्य पर उन्होंने बहुत आत्मीयता से लिखा। उन्होंने बताया कि कल्पतरु की उत्सव लीला में रामकृष्ण परमहंस की जीवनी के माध्यम से उन्होंने भारत के सांस्कृतिक विकास पर महत्वपूर्ण लेखन किया है। वरिष्ठ कवि और आलोचक प्रो दिनेश कुशवाह ने कहा कि आगे, कृष्ण बिहारी मिश्र या विद्या निवास मिश्र के साहित्य में भारत चिंतन वह चिंतन

नहीं है जो आज की राजनीतिक व्यवस्था के अंतर्गत दिखता रहता है। वह भारत की आत्मा को खोजने की कोशिश है। प्रो चित्तरंजन मिश्र ने कहा कि विद्या निवास मिश्र अपने लेखन और चिंतन में भारत की संस्कृति का चिंतन करते हुए यह बताया है कि परम्परा वह नहीं है जो चली आ रही है। परंपरा वह है जो हमें आगे ले चलती है। इतिहास की बार बार चर्चा करना प्रतिशोध के लिए खुद को तैयार करना और ललकारना होता है। विद्यानिवास मिश्र का भारत श्रेष्ठता के दंभ का भारत नहीं है, वह श्रेष्ठता के तत्वों की व्याख्या करते हुए सबको अपने में समेटने वाला भारत है। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता करते हुए प्रो अनंत मिश्र ने कहा कि कल्याण और पवित्र शब्द की अवधारणा दुनिया की किसी भाषा में नहीं है। अज्ञेय और विद्यानिवास की वाणी में ज्ञान के तप की शक्ति है जो उन्हें महत्वपूर्ण बनाती है। सच्चिदानंद हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय भारतीय साहित्य संस्थान समिति, श्रद्धाश्री न्यास, विद्याश्री न्यास, कलावती देवी स्मृति न्यास, बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर और राजकीय बौद्ध संग्रहालय, कुशीनगर के संयुक्त तत्वावधान में उक्त आयोजन संपन्न हुआ। अतिथियों का स्वागत दयानिधि मिश्र ने और धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्य प्रो विनोद मोहन मिश्र ने किया। उद्घाटन सत्र का संचालन प्रो गौरव तिवारी और द्वितीय सत्र का संचालन डॉ आशुतोष तिवारी ने किया। प्रो महेश्वर मिश्र, परितोष मिश्र, उद्धव मिश्र डॉ सुधाकर तिवारी प्रो अमृतांशु शुक्ल, प्रो उर्मिला यादव, प्रो प्रशिला सैम, कालिंदी त्रिपाठी, प्रो सीमा त्रिपाठी, प्रो इंद्रासन प्रसाद, प्रो वीरेंद्र कुमार, प्रो कौस्तुभ नारायण मिश्र, प्रो इंद्रजीत मिश्र, डॉ अनुज कुमार, डॉ निरंकार राम त्रिपाठी, डॉ त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी, डॉ अजय कुमार सिंह, डॉ अनूप पटेल, डॉ अरुण कुमार, डॉ संजय गुप्त, डॉ अंबिका प्रसाद तिवारी, डॉ कृष्ण कुमार जायसवाल, डॉ सौरभ द्विवेदी, डॉ शंभू दयाल कुशवाहा, डॉ यज्ञेश त्रिपाठी, डॉ पंकज दुबे, डॉ सुबोध गौतम, डॉ दीपक, डॉ रामनवल, डॉ राजीव राय, डॉ मंजेश भारती, डॉ विशेषता मिश्र सहित अनेक साहित्य प्रेमी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

समाज निर्माण में स्वयंसेवकों का योगदान: पी एन पाठक

कुशीनगर। स्वयंसेवकों के परिश्रम और त्याग का समाज निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान होता है।हमारा युवा राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से सेवा कार्य करते हुए आदर्श समाज के निर्माण का कार्य करता है। यह बातें विधायक कुशीनगर पी एन पाठक ने राष्ट्रीय सेवा योजना बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर द्वारा आयोजित सप्तदिवसीय विशेष शिविर के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कही। विशिष्ट अतिथि नगर पालिका परिषद चेयरमैन प्रतिनिधि राकेश जायसवाल ने कहा कि एन एस एस का विशेष शिविर आपके व्यक्तित्व में निखार लाता है। यह आपको समाज का जिम्मेदार नागरिक बनाता है। बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सहायक आचार्य और मुख्य वक्ता डॉ वीरेंद्र कुमार साहू ने बताया कि राष्ट्र निर्माण की शुरूआत होती है संवेदना से।राष्ट्रीय सेवा योजना का ध्येय वाक्य मैं नहीं आप! इस समाज की सामूहिक संवेदना का ही पोषक वाक्य है। एन एस एस का स्वयंसेवक संवेदनशील नागरिक होता है जो राष्ट्र और समाज की चिंताओं से जुड़कर उसके समाधान का हिस्सा बन जाता है। विशिष्ट वक्ता डॉ दिनेश कुमार तिवारी ने बताया कि स्वयंसेवक होना बहुत गर्व की बात है।यह न सिर्फ आपको समाज की समस्याओं के समाधान का हिस्सा बनाता है बल्कि आपके व्यक्तित्व विकास का वाहक भी बनता है। अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य प्रो विनोद मोहन मिश्र ने कहा कि एन एस एस स्वयंसेवकों द्वारा समाज निर्माण हेतु किया जा रहा सेवा कार्य अत्यन्त सराहनीय है। अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम अधिकारी डॉ निगम मौर्य ने किया जबकि आभार ज्ञापन डॉ पारस नाथ ने किया। मंच संचालन स्वयंसेवक वासु कुमार गोंड ने किया। इस अवसर महंत त्रिभुवन शरण, फूलचंद गोंड, एसआई विज्ञानकर सिंह , एसआई रामचंद्र राम, एसआई आदर्श मिश्र की उपस्थिति रही। विदित हो कि सप्तदिवसीय का उद्घाटन राम जानकी मठ कसया में माननीय विधायक पी एन पाठक जी द्वारा किया गया। इस कैंप में तीन इकाइयों से कुल 150 स्वयंसेवक प्रतिभाग कर रहे हैं।

ब्लाक सभागार में 125 टीबी रोगियों में वितरित हुई पोषण की पोटली

कुशीनगर। राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत चलाये जा रहे 100 दिवसीय टीबी खोज अभियान में मिले मरीजों को गोद लेकर पोषण की पोटली देने के लिये सीडीओ गुंजन द्विवेदी के प्रेरणा एवं निर्देश मे विकास खण्ड दुदही के ब्लाक सभागार में 125 टीबी रोगियों में प्रोटीनयुक्त पोषण की पोटली वितरित किया गया।

मुख्यअतिथि बीएसए डॉ रामजियावन मौर्या ने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने के जनांदोलन जरूरी है। जन जन को इस अभियान को सफल बनाने के लिये जागरूक करना पड़ेगा। कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग गोद लेने में अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहा है।विशिष्टअतिथि बीडीओ रामराज कुशवाहा ने कहा कि इस पुनीत कार्य में जो भी व्यक्ति अपनी भूमिका निभा रहा है मैं उसे साधुवाद देते हुये उसके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। शिक्षक इस कार्य में अग्रणी भूमिका निभा रहे है। अध्यक्षता कर रहे बीईओ डॉ प्रभात चन्द्र राय ने कहा कि मरीजों को पोषण उपलब्ध कराने में हमारा विभाग अग्रणी भूमिका में रहेगा। संचालन निक्षय मित्र नोडल आशुतोष कुमार मिश्र ने करते हुये प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। आगन्तुकों का स्वागत शिक्षक संघ अध्यक्ष अरुणेंद्र राय ने किया तथा आभार ज्ञापन एसटीएस अमित पांडेय ने व्यक्त किया। गोद लेने वालों में डॉ प्रभात चंद्र राय खंड शिक्षा अधिकारी दुदही, अरुणेंद्र कुमार राय (अध्यक्ष, उत्तर प्रदेशिय प्राथमिक शिक्षक संघ दुदही) रामनिवास जायसवाल (ब्लॉक मंत्री उत्तर प्रदेशिय प्राथमिक शिक्षक संघ दुदही), अशोक यादव, शिव शंकर तिवारी, विद्या सिंह ओम प्रकाश सिंह, अमित श्रीवास्तव ,अवधेश मिश्रा अजय राय ,मनोहर पटेल, नूर मोहम्मद अंसारी, नरेंद्र शर्मा सिद्धार्थ यादव उपस्थित रहे।

यूपी बोर्ड हाईस्कूल की अंग्रेजी परीक्षा आज 49694 परीक्षार्थी 149 परीक्षा केंद्रों पर देंगे परीक्षा

गोंडा। जिले में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल परीक्षा की प्रथम पाली में अंग्रेजी विषय की परीक्षा होगी। इस परीक्षा में कुल 49,694 विद्यार्थी शामिल होंगे। परीक्षार्थी सुबह 7 बजे से ही परीक्षा केंद्रों पर पहुंचना शुरू हो गए हैं। सभी छात्रों की सघन तलाशी के बाद ही उन्हें केंद्र में प्रवेश दिया जा रहा है। प्रवेश की अंतिम समय सीमा सुबह 8:30 बजे तक है। परीक्षा की निगरानी के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। सभी 149 केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। स्टेटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट और जोनल मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की गई है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए 17 थाना अध्यक्ष, 2 अपर पुलिस अधीक्षक, 5 क्षेत्राधिकारी सहित 500 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। गोंडा को इस बार अति संवेदनशील जिले की श्रेणी में रखा गया है। साथ ही जिले के 19 परीक्षा केंद्रों को अति संवेदनशील घोषित किया गया है। इन केंद्रों पर यूपी एसटीएफ और स्थानीय एलआईयू विभाग की विशेष नजर रहेगी। नकल रोकने के लिए परीक्षा केंद्रों के आसपास स्थित फोटोकॉपी और किताबों की दुकानों को बंद करवा दिया गया है। प्रशासन का पूरा ध्यान नकल-विहीन परीक्षा कराने पर है। वही गोंडा जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर रामचंद्र ने बताया कि अंग्रेजी की परीक्षा को लेकर की पूरी तरीके से यूपी बोर्ड के साथ पूरा गोंडा जिला प्रशासन पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है। स्टेटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, जोनल मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक अतिरिक्त केंद्र व्यवस्थापक और सचल दलों की निगरानी में अंग्रेजी की परीक्षा संपन्न कराई जाएगी। आज प्रथम पाली की परीक्षा में 49694 परीक्षार्थी परीक्षा देने के लिए शामिल हो रहे हैं और यह सबसे अधिक परीक्षार्थी हैं।

कस्तूरबा गांधी बालिका स्कूल में स्वच्छता का हाल बेहाल

गोंडा। के नवाबगंज क्षेत्र में स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में स्वच्छता की स्थिति चिंताजनक है। कटरा बस्ती मार्ग पर जफरापुर गांव स्थित इस विद्यालय के मुख्य द्वार के दोनों तरफ गड्ढों में गंदा पानी जमा है। विद्यालय परिसर में कीड़े-मकोड़ों की भरमार है। इसी परिसर में स्थित प्राथमिक विद्यालय के छात्रों को भी बदबूदार माहौल में पढ़ाई करनी पड़ रही है। स्कूल के आसपास फैली गंदगी से संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। शिक्षा विभाग की ओर से स्वच्छता को लेकर कोई गंभीर प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। यह स्थिति प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत के सपने के विपरीत है। क्षेत्र में ऐसे कई स्कूल हैं जहां साफ-सफाई की स्थिति खराब है। जब इस मामले में एडीओ पंचायत नंदकुमार से संपर्क किया गया तो उन्होंने केवल इतना कहा कि वे स्थिति को देख रहे हैं। विद्यालय में फैली गंदगी से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि अन्य सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता को लेकर अधिकारियों की कार्यप्रणाली कैसी होगी।

771 पुलिस रिक्रूट्स की ट्रेनिंग की तैयारी शुरू एसपी ने पुलिस लाइन का किया निरीक्षण

गोंडा। में पुलिस रिक्रूट्स की ट्रेनिंग की तैयारियां शुरू हो गई हैं। यूपी पुलिस भर्ती बोर्ड जल्द ही परीक्षा परिणाम जारी करेगा। इसी को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने रिजर्व पुलिस लाइन का निरीक्षण किया। एसपी ने रिक्रूट्स के लिए आवासीय व्यवस्था, क्लासरूम, स्नानागार और शौचालय का जायजा लिया। गर्मी को देखते हुए आरटीसी बैरक में पर्याप्त संख्या में कूलर, पंखे और बल्ब लगाने के निर्देश दिए। साथ ही तख्त और पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा है। रिजर्व पुलिस लाइन गोंडा में कुल 771 रिक्रूट आरक्षी जेटीसी प्रशिक्षण में शामिल होंगे। इनमें 618 पुरुष और 153 महिला आरक्षी हैं। आरटीसी प्रशिक्षण के लिए 500 पुरुष रिक्रूट आरक्षी गोंडा में रहेंगे।

एसपी ने बैरक के आसपास घास की सफाई कराने और क्षमता से अधिक रिक्रूट्स को न रखने के निर्देश दिए। शौचालय और स्नानागार में उच्च स्तर की सफाई बनाए रखने को कहा कहते हुए सख्त निर्देश दिए है। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी राधेश्याम राय, क्षेत्राधिकारी सदर शिल्पा वर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कैसरगंज सांसद की अध्यक्षता में जिला पंचायत की हुई बैठक

गोंडा। जिला पंचायत की सामान्य एजेंट बैठक जिला पंचायत सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कैसरगंज से बीजेपी सांसद करण भूषण सिंह ने की। गोंडा-बलरामपुर से एमएलसी अवधेश कुमार और जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम मिश्र भी मौजूद रहे। बैठक में वर्ष 2025-26 के लिए 64 जिला पंचायत सदस्यों के विकास कार्यों के प्रस्ताव पेश किए गए इन प्रस्तावों की कुल राशि 59 करोड़ 72 लाख 83 हजार रुपए है। इसमें सबसे अधिक राशि 52 करोड़ 50 लाख रुपए निर्माण कार्यों के लिए निर्धारित की गई है। वरिष्ठ जिला पंचायत सदस्य अमरीश दत्त सिंह ने एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि बाजार में सब्जी विक्रेताओं और ठेला चालकों से हर साल 9,500 रुपए की अवैध वसूली की जाती है। उन्होंने इस वसूली को बंद करने की मांग की। बैठक में एक अन्य प्रस्ताव रखा गया कि प्रत्येक जिला पंचायत सदस्य को 10 हाईमास्ट लाइट उपलब्ध कराई जाएं। यह चुनावी वादों को पूरा करने के लिए आवश्यक है। जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम मिश्रा ने बताया कि सभी प्रस्तावों को स्वीकार कर लिया गया है। जून में बजट मिलने के बाद विकास कार्य शुरू कराए जाएंगे। सांसद और जिला पंचायत अध्यक्ष ने सभी विकास कार्यों को पूरा करने का आश्वासन दिया है। बजट में सामूहिक बीमा के लिए 15,000 रुपए और टेलीफोन सुविधा के लिए 20,000 रुपए का न्यूनतम प्रावधान किया गया है। गोंडा जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम मिश्र ने सभी जिला पंचायत सदस्यों को आश्वासन दिया है। कि उनके जो भी प्रस्ताव सामान्य एजेंडे में विकास कार्य को लेकर के आए हैं उन सभी एजेंडों पर विचार करके उन सभी एजेंडों पर कार्य कराया जाएगा। कैसरगंज बीजेपी सांसद करणभूषण सिंह ने कहा कि जितना विकास भाजपा सरकार में और जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम मिश्र की अध्यक्षता में हुआ है। उतना विकास आज तक पूरे गोंडा जिले में कभी नहीं हुआ है। आने वाले दिनों में गोंडा जिला एक नई दिशा की तरफ जाएगा और एक नई पहचान जिले को मिलेगी। बैठक के दौरान गोंडा सदर विधायक प्रदीप भूषण सिंह,करनैलगंज भाजपा विधायक अजय सिंह,कटरा भाजपा विधायक बावन सिंह,परियोजना निदेशक चंद्रशेखर,जिला विकास अधिकारी सुशील कुमार सहित 64 जिला पंचायत सदस्य उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान आई 64 शिकायतों में ज्यादातर शिकायतों का किया मौके पर डिस्पोजल

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई कर जन सामान्य की शिकायतों को सुनकर अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण सहित वख्त पर बेहतरीन तरीके से डिस्पोजल करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में लगभग 64 शिकायते आईं जिनमें से ज्यादातर का जिलाधिकारी ने फौरन मौके पर डिस्पोजल कर दिया। बाकी शिकायतों के डिस्पोजल के लिये जिलाधिकारी ने सभी एसडीएम , खंड विकास अधिकारी सहित अधिकारियों के साथ वर्चुअल, जूम एप के माध्यम से बैठक कर उनके फौरन डिस्पोजल के लिये निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने कहा की जनसुनवाई, आईजीआरएस सहित दूसरे जरिये से मिलने वाले मामलों का सभी अधिकारी मौके पर जाकर बेहतर तरीके से डिस्पोजल कर उसकी वख्त पर रिपोर्ट भेजें।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सम्मानित होंगी समाज की अग्रणी महिलाएं

कुशीनगर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शनिवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा रविन्द्र नगर भाजपा कार्यालय पर महिला सम्मेलन का आयोजन कर शिक्षा, व्यापार, वकालत, सीए, सीएस, चिकित्सा, आर्टिटेक्चर इत्यादि क्षेत्र में काम करने वाली अग्रणी महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। शुक्रवार को भाजपा कार्यालय में आयोजित तैयारी बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि महिलाओं ने देश का नाम रोशन किया है। और बुलंदियों को छुआ है, उसपर भारत गर्व करता है। हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में केन्द्र और राज्य सरकारें नारी शक्ति के लिए काम कर रहे हैं। इस अवसर पर महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष चन्द्रप्रभा पाण्डेय, पार्टी जिला मंत्री विवेकानंद शुक्ल, जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द, आईटी विभाग जिला संयोजक नमो नारायण मौर्य, महिला मोर्चा जिला महामंत्री डॉ विन्ध्वासिनी मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष वन्दना ठाकुर, नूतन दूबे, प्रबुद्ध प्रकोष्ठ जिला संयोजक निखिलेश्वर मिश्र उपस्थित थे।

खतरनाक हथियार से चोट पहुंचाने के दो गुनाहगारों को दो-दो साल की सख्त सजा के साथ ही हुआ चार हजार रुपये का जुमार्ना

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के मौदहा में 11 मार्च 2008 में अभियुक्तों ने लाठी और खतरनाक हथियार से मार-पीट करने के साथ ही गाली-गलौज की घटना को अंजाम दिया था, जिसके बाद मौदहा पुलिस ने थाना क्षेत्र के ग्राम अरतरा निवासी गोविन्द नारायन दीक्षित पुत्र दुर्गा प्रसाद दीक्षित,विजय शंकर दीक्षित पुत्र दुर्गा प्रसाद दीक्षित सहित जगत प्रसाद दीक्षित पुत्र दुर्गा प्रसाद दीक्षित के खिलाफ अ0सं0-295अ/2008 धाराड्ड 323,324,504 आईपीसी के तहत मामला दर्ज किया था,वहीं आपरेशन कन्विक्शन के तहत हमीरपुर की डकैती अदालत के स्कालर जज ने अभियुक्त गोविन्द नारायन सहित विजय शंकर को गुनाहगार मानते हुये दो-दो साल की सजा के साथ ही किया दो-दो हजार रुपये का जुमार्ना, जबकि तीसरे अभियुक्त की अदालत में चली सुनवाई के दौरान मौत हो गई थी, मामले की जांच एस आई जगत पाल सिंह ने पूरी करने के बाद अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी थी, वही अभियोजन की तरफ से मामले की जोरदार पैरवी एडीजीसी अशोक कुमार शुक्ला ने की।

बेहोश युवक की जान बचाने वाले 3 फार्मासिस्ट सम्मानित

गोंडा। गोंडा में आयोजित ऐतिहासिक शिव बारात के दौरान एक युवक की जान बचाने वाले तीन फार्मासिस्टों को जिलाधिकारी ने सम्मानित किया। यह घटना दुःखहरण नाथ मंदिर पर लाखों की भीड़ के बीच घटी, जब 24 वर्षीय करन वर्मा अचानक बेहोश होकर गिर पड़े। फार्मासिस्टों ने बचाई जान मेडिकल कॉलेज गोंडा के फार्मासिस्ट अंशुमान मिश्र, अंकित तिवारी और आलोक पांडेय ने तत्परता दिखाते हुए युवक को सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) दिया और उसके बाद उसे गोंडा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, जिससे उसकी जान बच गई। जिलाधिकारी का सम्मान इस अद्वितीय कार्य के लिए जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने तीनों फार्मासिस्टों को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित एक समारोह में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर जिला आपदा विशेषज्ञ राजेश श्रीवास्तव और यूथ फार्मासिस्ट फेडरेशन के जिला अध्यक्ष सुधांशु मिश्र भी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि इन फार्मासिस्टों ने अपनी सूझबूझ से एक कीमती जान बचाई है। उन्होंने यह भी बताया कि जिला आपदा विभाग नियमित रूप से लोगों को आपातकालीन स्थितियों से निपटने का प्रशिक्षण प्रदान करता है, ताकि किसी को जरूरत पड़ने पर उसकी मदद की जा सके। डीएम ने कहा कि आने वाले दिनों में और कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे लोग आपातकालीन परिस्थितियों में एक दूसरे की मदद कर सकें।

भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात दो साल के निचले स्तर पर

- भारतीय रिफाइनर अब छोटे आपूर्तिकर्ताओं की ओर कर रहा रुख

नई दिल्ली ।

अमेरिका द्वारा रूस के तेल व्यापार पर लगाए गए प्रतिबंधों के चलते रूस से भारत आने वाले कच्चे तेल की आपूर्ति काफी घट गई है। फरवरी में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात दो साल के निचले स्तर पर पहुंच गया। इस कमी को पूरा करने के लिए भारतीय रिफाइनर अब अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे क्षेत्रों के छोटे आपूर्तिकर्ताओं की ओर रुख कर रहे हैं। जनवरी में अमेरिका ने रूस के तेल व्यापार पर व्यापक प्रतिबंधों की घोषणा की/ इसमें 183 टैंकरों पर प्रतिबंध लगाया गया था जो रूसी तेल ढो रहे थे। इसके अलावा दो रूसी तेल कंपनियों और रूसी बीमा कंपनियों पर भी बैन लगाए थे। इन प्रतिबंधों के कारण भारतीय रिफाइनरों के लिए मास्को के कच्चे तेल की पर्याप्त मात्रा में आपूर्ति करना मुश्किल हो गई है। इस कमी को पूरा करने के लिए भारत अब कच्चे तेल के अन्य स्रोतों की तलाश कर रहा है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरातसे तेल आयात में गिरावट आई। वहीं फरवरी में इराक से तेल आयात 5.5 फीसदी बढ़कर 1.09 मिलियन बीपीडी हो गया, जबकि सऊदी अरब से आयात 6 फीसदी से अधिक घटकर 679,372 **bpd** रह गया. भारत का **UAE** से तेल आयात फरवरी में 22 फीसदी से अधिक घटकर 342,076 बीपीडी रह गया। दूसरी ओर भारत के तेल आयात के अपेक्षाकृत छोटे स्रोतों जैसे ब्राजील, नाइजीरिया, कोलंबिया, वेनेजुएला, मेक्सिको, कतर, ओमान, अल्जीरिया, कांगो गणराज्य, लीबिया और गैबॉन से तेल आयात फरवरी में बढ़ गया. फरवरी में अर्जेंटीना भी भारत के कच्चे तेल के आयात स्रोतों के नक्शे पर दिखाई दिया, जिसने लगभग 25,000 **bpd** की आपूर्ति की।

सोना फिसला, 85,700 के करीब; चांदी भी हुई सस्ती

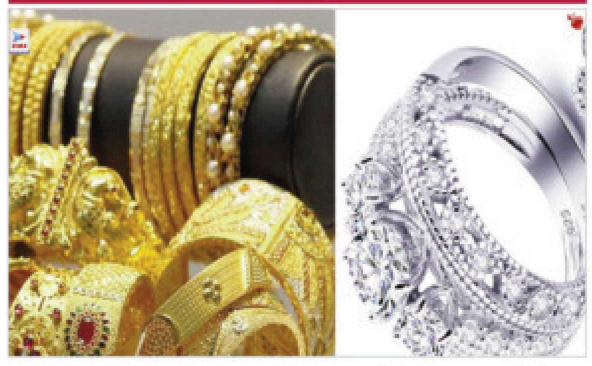

नई दिल्ली ।

सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में गिरावट देखने को मिल रही है। शुक्रवार को दोनों कीमती धातुओं के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 85,700 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 97,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा भाव में गिरावट देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 294 रुपये की गिरावट के साथ 85,740 रुपये के भाव पर खुला और 300 रुपये की गिरावट के साथ 85,734 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी सुस्त रही।

एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 185 रुपये की गिरावट के साथ 97,956 रुपये पर खुला। इस समय यह 249 रुपये की गिरावट के साथ 97,892 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 2,919.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला।

पिछला बंद भाव 2,926.60 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 11.90 डॉलर की गिरावट के साथ 2,914.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 33.21 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 33.33 डॉलर था। इस समय यह 0.12 डॉलर की गिरावट के साथ 33.21 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

एसयूवी एक्स सी 90 का फेसलिफ्टेड वर्जन लॉन्च

नई दिल्ली ।

लग्जरी कारों का निर्माण करने वाली कंपनी वोल्वो कार इंडिया ने अपनी फ्लैगशिप 7-सीटर एसयूवी एक्स सी 90 का फेसलिफ्टेड वर्जन लॉन्च कर दिया है। नए मॉडल में एक्सटीरियर और इंटीरियर में कई अपडेट किए गए हैं, जिससे यह और भी प्रीमियम और आधुनिक बन गई है। इसकी शुरुआती कीमत रुपए 1,02,89,900 (एक्स-शोरूम) रखी गई है, जो इसके पिछले मॉडल की तुलना में रुपए2 लाख अधिक है। एक्स सी 90 के नए वर्जन में फ्रंट ग्रिल को रिफ्रेश किया गया है, जिसमें क्रोम एक्सेंट जोड़ा गया है। इसके अलावा, नए मैट्रिक्स-डिज़ाइन एलईडी हेडलैम्प्स और संशोधित टेललैम्प्स इसे पहले से ज्यादा आकर्षक बनाते हैं।

एसयूवी के फ्रंट और रियर बंपर भी अपडेट किए गए हैं। यह 20-इंच के ब्लैक डायमंड-कट मल्टी-स्पोक एलॉय व्हील्स, एल्युमीनियम रूफ रेल्स और पैनोरमिक सनरूफ के साथ आती है। इंटीरियर की बात करें तो इसमें ग्रेनड चारकोल डैशबोर्ड और नॉर्डिको अपहोल्स्ट्री का इस्तेमाल किया गया है, जो प्रीमियम लुक देता है। इसमें सेफ्टी के लिहाज से इसमें 360-डिग्री कैमरा, सभी तरफ़ पार्क असिस्ट और एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) शामिल हैं। यह 2.0-लीटर पेट्रोल माइल्ड-हाइब्रिड इंजन के साथ आती है, जो 250एचपी की पावर और 360एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है।

इसमें 48वी बैटरी, 8-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन और ऑल-व्हील-ड्राइव (एडब्ल्यूडी) सेटअप दिया गया है। यह 7.7 सेकंड में 0-100 किमी/घंटा की स्पीड पकड़ सकती है और इसकी टॉप स्पीड 180 किमी/घंटा है। इसमें वेंटिलेटेड और मसाज फ़ंक्शन वाली पावर्ड सीटें, चार-ज़ोन क्लाइमेट कंट्रोल, हेड-अप डिस्प्ले, 12.3-इंच ड्राइवर डिस्प्ले और बिल्ट-इन गूगल इंटीग्रेशन के साथ 11.2-इंच का टचस्क्रीन दिया गया है। शानदार ऑडियो अनुभव के लिए इसमें 19-स्पीकर बोवर्स और विल्किंस साउंड सिस्टम दिया गया है।

देश में एआई डेवलपमेंट के लिए चाहिए बड़ा निवेश: बंसल

नई दिल्ली ।

फ्लिपकार्ट के को-फाउंडर और टेक दिग्गज सचिन बंसल ने कहा कि भारतीय कंपनियों के पास आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) फाउंडेशन मॉडल और लार्ज लैंग्वेज मॉडल डेवलप करने का बड़ा अवसर है। हालांकि, इसके लिए भारी कैपिटल इन्वेस्टमेंट, प्रतिबद्धता और कुशल प्रतिभा की जरूरत होगी। बंसल ने गुरुवार रात आयोजित बेंगलुरु के एक कार्यक्रम में कहा कि मैं इस बारे में काफी सोचता हूं, लेकिन एलएलएमएस बनाने को लेकर चुनौती ये है कि यह एक फुल टाइम जॉब है, इसे साइड प्रोजेक्ट की तरह नहीं किया जा सकता। इसके लिए बहुत ज्यादा पैसे की जरूरत होती है। अगर आप टैलेंट और पैसा एक साथ ला सके हैं यह एक मौका है और भारतीय ऐसा कर सकते हैं। सचिन बंसल ने प्रतिभा पलायन यानी भारतीय टैलेंट का विदेशों में जाने को एक बड़ा चैलेंज बताया है। बंसल ने कहा कि मैंने आईआईटी से कंप्यूटर साइंस में ग्रेजुएशन किया, और मेरे बैच के 80 फीसदी लोग भारत से बाहर हैं। वे या तो प्रोफेसर हैं, या गूगल जैसी कंपनियों में एआई पर काम कर रहे हैं, या फिर अपना स्टार्टअप चला रहे हैं। हमारा बेस्ट टैलेंट अमेरिका चला जा रहा है इसके विपरीत, चीन और ताइवान में प्रतिभाशाली लोग वापस आकर घरेलू टेक प्लेटफॉर्म बना रहे हैं।

इंडियाएआई कंप्यूट पोर्टल पर 67 रुपये प्रति घंटे की दर पर उपलब्ध होगा जीपीयू: वैष्णव

नई दिल्ली ।

भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की कि देश में एआई के लिए अनुकूल हालात बनाने के लिए इंडियाएआई मिशन की पहली वर्षगांठ पर एक ऐतिहासिक पहल की गई है। इस मिशन के अंतर्गत, इंडियाएआई कंप्यूट पोर्टल छात्रों, स्टार्टअप, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और सरकारी विभागों को 67 रुपये प्रति घंटे की दर से जीपीयू, क्लाउड स्टोरेज और अन्य एआई सेवाओं तक पहुंच प्रदान करेगा। वैष्णव ने इस उपाय को इंडिया के अपने आधारभूत मॉडल को विकसित करने के लिए किया जा रहा नवाचार बताया है। उन्होंने बताया कि इंडियाएआई कंप्यूट पोर्टल का उपयोग भारत के इस आधारभूत मॉडल के लिए किया जा रहा है जो अच्छी तरह से आगे बढ़ रहे है। केंद्रीय मंत्री ने इस उपाय की कोई संलग्न कोष नहीं होने का भी उल्लेख किया और यह बताया कि यह लाभप्रद नीति सरकार के मिशन का एक बड़ा घटक है। इस ऐतिहासिक पहल के साथ ही, सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस कृष्णन ने इस मौके पर भारत में एआई को लागू करने और उपयाग करने के तरीकों में सुधार करने का भी संकल्प जताया। इसके अलावा, मंत्रलय ने एआई और सार्वजनिक क्षेत्र के अधिकारियों के लिए एक योग्यता ढांचा और इंडिया एआई स्टार्टअप्स ग्लोबल एक्सेलेरेशन कार्यक्रम भी शुरू किया। इस प्रकार, इंडियाएआई कंप्यूट पोर्टल की यह पहल स्टार्टअप्स, एप्लिकेशन डेवलपर, शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन सिद्ध करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है। इसके साथ भारत ने जैसे चंद्रयान अभियान के लिए किया है, ऐतिहासिक मौके पर प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी तरक्की की दिशा में कदम बढ़ा सकती है।

30 हजार टैक्सपेयर्स ने 29,208 करोड़ की विदेशी संपत्तियों का खुलासा किया

नई दिल्ली ।

पिछले साल से संबंधित वित्तीय जानकारी प्राप्त करने के बाद, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने टैक्सपेयर्स को आकलन वर्ष 2024-25 के लिए संशोधित आयकर रिटर्न में अपनी विदेशी संपत्तियों और आय की घोषणा करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अभियान के परिणामस्वरूप, 6,734 टैक्सपेयर्स ने अपनी आवासीय स्थिति को बदलकर अनिवासी कर ली। सीबीडीटी ने 19,501 टैक्सपेयर्स को उच्च विदेशी खाता बैलेंस वाले एसएमएस और ईमेल भेजकर अपनी विदेशी संपत्तियों और आय की घोषणा के लिए आईटीआर में संशोधन करने का अनुरोध किया। जागरूकता सत्र और सोशल मीडिया के माध्यम से इस अभियान का संदेश फैलाने के लिए कई उपाय अभियान किए गए। अधिकारी ने बताया कि लगभग 62 फीसदी टैक्सपेयर्स ने, जिन्हें नोटिफिकेशन मिला, सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और स्वेच्छा से अपने आईटीआर संशोधित किए। इस वर्ष आयकर विभाग के पहले विश्वास के अनुसार टैक्सपेयर्स ने अपनी आयकर घोषणाओं में वृद्धि देखी।

जियोस्टार 1,100 कर्मचारियों की छंटनी करेगी

मुंबई । जियोस्टार 1,100 कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की तैयारी कर रही है। इसकी प्रमुख कंपनी वायाकॉम18 का वॉल्ट डिज्नी के साथ नवंबर, 2024 में विलय हो गया था। इससे कुछ विभागों में कर्मचारियों की संख्या ज्यादा हो गई थी। हालांकि, निकाले जाने वालों को छह महीने से एक साल तक का वेतन दिया जाएगा। विलय के बाद पुनर्गठन के तहत कंपनी में छंटनी की शुरुआत फरवरी से शुरू हुई है, जो जून तक चलेगी। कंपनी वितरण, फाइनेंस, कॉमर्शियल और कानूनी विभाग में गैर जरूरी लोगों को निकालेगी। अगर कोई कर्मचारी एक साल पहले कंपनी में आया है तो उसे एक महीने का पूरा वेतन मिलेगा। इसी हिसाब से बाकी कर्मचारियों को भी मिलेगा। एक से तीन महीने का नोटिस होगा। विलय के बाद ये जियो देश का सबसे बड़ा एंटरटेनमेंट नेटवर्क बन गया है। यह सौदा 70,352 करोड़ रुपये में हुआ था। डिज्नी-रिलायंस एंटरटेनमेंट के पास अब 75 करोड़ दर्शक हो गए हैं। रिलायंस ने इस संयुक्त उपक्रम के लिए 11,500 करोड़ रुपए का निवेश किया है। डीएचएल जर्मनी में इस वर्ष लगभग 8,000 लोगों की छंटनी करेगी। कंपनी 2027 तक एक अरब यूरो की बचत करने की योजना बना रही है और उसी रणनीति के तहत यह फैसला लिया गया है। डीएचएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि कुल कार्यबल का एक फीसदी हिस्सा छंटनी का शिकार होगा।

एसआईपी खातों के समय से पहले बंद होने की दर 48 फीसदी

मुंबई । घरेलू म्युचुअल फंड उद्योग में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के पंजीकरण में तेजी से वृद्धि के बावजूद एसआईपी खातों को समय से पहले बंद करने की दर भी बढ़ रही है। साल 2023 में 3.48 करोड़ नए एसआईपी पंजीकरण हुए लेकिन 2024 के अंत तक इनमें से केवल 1.82 करोड़ एसआईपी खाते सक्रिय रहे, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि पंजीकरण के दो साल के भीतर लगभग 48 फीसदी एसआईपी खाते बंद हो गए। इसके मुकाबले, 2022 में पंजीकरण हुए 2.57 करोड़ एसआईपी खातों में से 42 फीसदी 2023 के आखिर तक बंद हो गए थे। ये आंकड़े एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया की मासिक रिपोर्ट से प्राप्त हुए हैं। एसआईपी के बारे में उद्योग और निवेश विशेषज्ञों का कहना है कि लंबी अवधि के लिए निवेश करने के लाभ को देखते हुए, 3 साल से अधिक के निवेश को बरकरार रखना आदर्श माना जाता है। हालांकि, हाल के वर्षों में ऑनलाइन और फिनटेक प्लेटफॉर्मों की बढ़ती हिस्सेदारी के कारण एसआईपी खातों के बंद होने की दर में वृद्धि हो रही है। इन प्लेटफॉर्मों के माध्यम से निवेश में आसान प्रक्रिया और बिना कमीशन वाले डायरेक्ट प्लान के कारण निवेशक तेजी से अपने पोर्टफोलियो में बदलाव कर रहे हैं।

लोअर स र्किट में जेनसॉल इंजीनियरिंग का शेयर

मुंबई । सौर ऊर्जा समाधान करने वाली जेनसॉल इंजीनियरिंग के शेयरों पर भारी बिकवाली का दबाव बना हुआ है। बीते तीन कारोबारी दिनों में लगातार लोअर सर्किट लगने के साथ आठ कारोबारी सत्रों में यह स्टॉक 42 फीसदी से अधिक गिर चुका है। इसी बीच कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी के इस्तीफे की खबर सामने आई है। कंपनी ने गुरुवार देर शाम एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी, जिसके अनुसार उनका इस्तीफा 6 मार्च से प्रभावी हो गया है। उनकी जगह नया सीएफओ नियुक्त किया गया है, जो जेनसॉल ग्रुप में कॉरपोरेट फाइनेंस, रिस्क मैनेजमेंट और इंवेस्टर रिलेशंस जैसी भूमिकाएं निभा चुके हैं। रेटिंग एजेंसियों केयर और आईसीआरए ने लोन किश्तों के भुगतान में देरी के कारण जेनसॉल इंजीनियरिंग की क्रेडिट रेटिंग घटा दी, जिससे इसके शेयरों पर जबरदस्त बिकवाली का दबाव बना। कंपनी का कहना है कि यह रेटिंग कटौती शॉर्ट-टर्म लिक्विडिटी मिसमैच के चलते की गई है लेकिन ग्राहकों से मिलने वाले पेमेंट्स के जरिए स्थिति में सुधार हो रहा है। इसके बावजूद निवेशकों की चिंता बरकरार है और शेयरों में गिरावट जारी है।

दोपहिया वाहनों की बिक्री में सालाना छह फीसदी की गिरावट

- कारों की खुदरा बिक्री 10 फीसदी घटी

मुंबई । कारों व दोपहिया वाहन समेत विभिन्न प्रकार के वाहनों की मांग गिरने से गाड़ियों की खुदरा बिक्री फरवरी, 2025 में सालाना आधार पर 7 फीसदी की गिरावट के साथ 18,99,196 इकाई रह गई। फरवरी, 2024 में कुल 20,46,328 वाहन बेचे गए थे। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के आंकड़ों के मुताबिक पिछले महीने कारों की खुदरा बिक्री फरवरी, 2024 से 10 फीसदी घटकर 3,03,398 इकाई रह गई। इस दौरान कुल 13,53,280 दोपहिया वाहन बिके। यह आंकड़ा फरवरी, 2024 में बिके 14,44,674 दोपहिया वाहनों की तुलना में 6 फीसदी कम है। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 9 फीसदी घटकर 82,763 इकाई रह गई, जबकि ट्रैक्टर की बिक्री में भी 14.5 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। डीलरों का इन्वेंट्री लेवल अब भी 50-52 दिन के स्तर पर है। फाडा के एक अे धिकारी ने बयान में कहा फरवरी में सभी श्रेणियों में व्यापक गिरावट देखी गई। खुदरा विक्रेताओं ने बिना उनकी सहमति के उन्हें गाड़ियां भेजे जाने के बारे में चिंता जताना शुरू कर दिया। मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) को अत्यधिक खेप के साथ खुदरा विक्रेताओं पर बोझ डालने से बचना चाहिए। मार्च में वाहनों की बिक्री को लेकर घरेलू यात्री वाहन बाजार में लंबे समय से दूसरे स्थान पर कायम ह्युंडई मोटर इंडिया फरवरी में खुदरा बिक्री के मामले में चौथे स्थान पर खिसक गई। फाडा के आंकड़े से पता चलता है कि फरवरी में कंपनी ने 20 फीसदी कम वाहन बेचे। इसके साथ ही उसकी घरेलू बाजार में हिस्सेदारी घटकर 12.58 फीसदी रह गई। मारुति सुजुकी 38.94 फीसदी के साथ नंबर वन पर है। महिंद्रा एंड महिंद्रा और 13.15 फीसदी के साथ दूसरे और टाटा मोटर्स 12.75 फीसदी के साथ तीसरे स्थान पर है।

वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बीच सपाट बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार

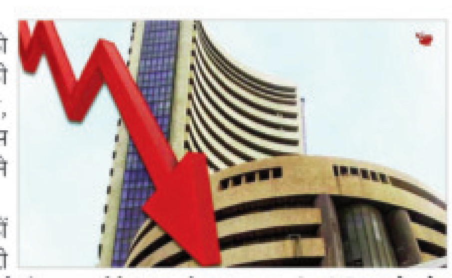

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बीच भारतीय शेयर बाजार कारोबारी सप्ताह के आखिरी दिन शुक्रवार को करीब-करीब सपाट बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को मामूली बढ़त के साथ 74,347 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 74,586 अंक के उछाल और 74,038 अंक के निचले स्तर पर झूलने के बाद 7.51 अंक की मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी50 भी गिरावट में खुला। कारोबार के दौरान इंडेक्स में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। अंत में निफ्टी 7.80 अंक बढ़कर 22,552.50 पर बंद हुआ। ब्रोडर मार्केटस निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में तेजी जारी रही और यह 0.67 प्रतिशत बढ़कर बंद हुआ, जबकि निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.32 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ।

शुक्रवार को बाजार में निफ्टी 50 में शामिल शेयरों में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे ज्यादा लाभ में दिखाई दी। जो 3.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुई। इसके बाद टाटा मोटर्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, बजाज ऑटो और हिंडाल्को में 1.23 प्रतिशत तक की बढ़त दर्ज की गई। वहीं इंडसइंड बैंक, श्रीराम फाइनेंस, एनटीपीसी, बीपीसीएल और इंफोसिस निफ्टी 50 में शामिल सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयर में शामिल रहे।

बता दें कि फरवरी में विदेशी निवेशकों की भारतीय शेयर बाजारों से निकासी जारी रही, लेकिन वित्तीय सेक्टर के दिग्गज शेयरों में बिकवाली की रफ्तार जनवरी की भारी निकासी के मुकाबले काफी धीमी रही। हालांकि इकनॉमिक ग्रोथ में सुस्ती की चिंता बनी हुई है। नैशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने वित्तीय सेक्टर के शेयरों से 69.91 अरब रुपये की बिकवाली की जो अहम क्षेत्रों से हुई निकासी में सबसे ज्यादा है। हालांकि जनवरी में हुई निकासी के मुकाबले इसमें खासी कमी आई है क्योंकि तब एफपीआई ने वित्तीय क्षेत्र में 3 अरब डॉलर के शेयरों की बिक्री की थी।

ट्रंप की ट्रेड नीति से बाजारों में उथल-पुथल

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन अपनी टैरिफ नीति को अंतिम रूप देते समय शेयर बाजार की प्रतिक्रियाओं को ध्यान में नहीं रखेगा। ट्रम्प की तेजी से बदलती व्यापार नीति ने बाजारों को उथल-पुथल कर दिया है। जिसके कारण दुनिया भर के बाजारों में हाहाकर मचा हुआ है।

वैश्विक बाजारों से क्या संकेत ?

एशियाई बाजारों में शुक्रवार को गिरावट देखी गई, जो वॉल स्ट्रीट पर देखी गई गिरावट के चलते आई है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि ट्रंप की टैरिफ रियायतें निवेशकों को भरोसा दिलाने में विफल रहीं। अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों ने चिंताओं को और बढ़ा दिया, जिसने अर्थव्यवस्था पर ट्रंप की नीतियों के संभावित नकारात्मक प्रभाव के बारे में चिंता जाहिर की है।

लेंसकार्ट ने दुनिया की सबसे बड़ी आईवियर फैक्ट्री का शिलान्यास किया

- तेलंगाना सरकार ने 1,500 करोड़ रुपये का निवेश किया

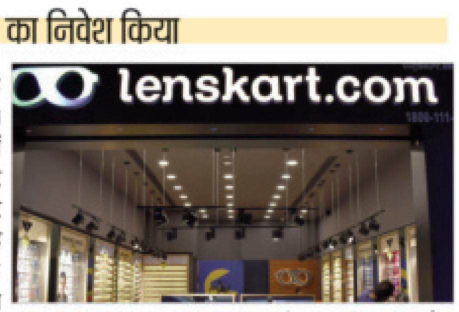

हैदराबाद ।

विश्वस्तरीय आईवियर उत्पादक कंपनी लेंसकार्ट ने हैदराबाद के बाहरी इलाके तुक्कुगुडा में दुनिया की सबसे बड़ी आईवियर फैक्ट्री का शिलान्यास किया। इस महा योजना के लिए तेलंगाना सरकार ने 1,500 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस फैक्ट्री में फ्रेम, लेंस और आईवियर बनाने की प्रक्रिया एक साथ होगी। यह यूनीकार्न स्टार्टअप लेंसकार्ट की दूसरी फैक्ट्री है और यह चाहती है कि उसकी उत्पादन क्षमता में वृद्धि हो। इस प्रोजेक्ट से 2,100 से अधिक नौकरियां बढ़ेंगी और इसके अंत में हर दिन 2 लाख से अधिक चश्मे बनेंगे। यह तेलंगाना सरकार के और गुरुग्राम स्थित लेंसकार्ट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के बीच किया गया रणनीतिक सहयोग है। इस निवेश से तेलंगाना को वैश्विक उद्योगों के लिए एक आकर्षक स्थान मिलेगा और राज्य के उद्यमिता और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। कंपनी का कहना है कि हैदराबाद की फैक्ट्री अत्याधुनिक तकनीक से लैस होगी। इसमें ऑटोमेशन का उच्च स्तर होगा। कंपनी के मुताबिक इससे उत्पादों की गुणवत्ता बेहतर होगी। साथ ही, यह उनकी आपूर्ति श्रृंखला को भी मजबूत करेगा। इससे दुनिया भर में उच्च गुणवत्ता वाले आईवियर की आपूर्ति आसान होगी। चश्मे की यह बड़ी फैक्ट्री तेलंगाना सरकार और गुरुग्राम स्थित लेंसकार्ट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के बीच एक रणनीतिक सहयोग का परिणाम है। तेलंगाना सरकार ने इस प्रोजेक्ट को कर्नाटक से अपनी ओर खींच लिया था। सरकार का कहना है कि यह निवेश तेलंगाना को वैश्विक उद्योगों के लिए एक पसंदीदा जगह बनाता है। यह राज्य में उन्नत विनिर्माण और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देगा।

महिलाएं बन रही हैं वित्तीय स्वतंत्र, एमएफ निवेश में दोगुनी वृद्धि

पिछले पांच वर्षों में म्युचुअल फंड में महिलाओं का निवेश हुआ डबल

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भारतीय महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता की एक नई कहानी उभरी है। अब महिलाएं सिर्फ बचत तक सीमित नहीं, बल्कि म्युचुअल फंड (एमएफ) में भी निवेश कर उनकी वित्तीय स्वतंत्रता की दिशा में कदम बढ़ रही हैं। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले पांच वर्षों में म्युचुअल फंड में महिलाओं का निवेश डबल हो गया है। महिलाएं अब म्युचुअल फंड के साथ वित्तीय स्वतंत्रता के सफर पर आगे बढ़ रही हैं। वित्तीय स्वतंत्रता की दिशा में महिलाओं का निवेश बढ़ रहा है। मार्च 2024 तक महिलाओं के पास कुल व्यक्तिगत निवेशकों की 33 फीसदी एयूएम हिस्सेदारी है। महिलाओं का कुल म्युचुअल फंड निवेश 2019 में 4.59 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2024 में 11.25 लाख करोड़ रुपए हो गया है। पिछले पांच वर्षों में महिलाओं ने इक्विटी म्युचुअल फंड्स को अपनी प्राथमिकता बनाया है, जो महिलाओं की वित्तीय स्वतंत्रता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। महिलाएं अब वित्तीय निवेश के माध्यम से अपने भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए उत्साहित हो रही हैं। पिछले पांच वर्षों में महिलाओं के म्युचुअल फंड निवेश में दिखाई देने वाली वृद्धि, पैसिव इन्वेस्टिंग के प्रति उनकी रुझानीकर दृष्टि और वित्तीय स्वतंत्रता की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है।

राबड़ी से नीतीश बोले-इनके पति डूबे तो सीएम बने

विधान परिषद में कहा-राजद ने महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया

बिहार। विधान परिषद RJD की महिला MLC पर उट नीतीश कुमार भड़क गए। उन्होंने राबड़ी देवी की तरफ इशारा करते हुए कहा- 'इनके पति डूब गए तो इन्हें मुख्यमंत्री बना दिया।' दरअसल, विधान परिषद में माले MLC शशि यादव स्कूल से जुड़े सवाल उठा रही थीं। इस पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को गुस्सा आ गया और उन्होंने राबड़ी देवी की तरफ इशारा करते हुए ये बातें कह दीं। RJD MLCमहिला हिंसा और महिला शिक्षा पर सदन में प्रदर्शन कर रहे थे। RJD की महिला MLC ने महिला शिक्षा पर सवाल उठाए, इसी दौरान CM ने लालू यादव पर हमला बोला। नालंदा में महिला की हत्या और तलवे में कील ठोंकने का मामला गुरुवार से ही विधानमंडल में उठ रहा है। आज भी इसी मुद्दे पर हंगामा हुआ। विपक्ष के प्रदर्शन से नाराज मुख्यमंत्री अपनी सीट पर खड़े गए। उन्होंने कहा- 'RJD ने महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया है। RJD की सरकार ने शिक्षा के लिए क्या किया, महिलाओं के लिए पहले की सरकार ने कुछ नहीं किया। पहले महिलाएं कहां पढ़ती थीं। प्राथमिक शिक्षा में कुछ पढ़ती थीं उसके बाद महिला नहीं पढ़ती थी। जो किया मैंने किया।' इसके बाद उट ने शिक्षा मंत्री सुनील कुमार सिंह से कहा कि इन लोगों को सही से जवाब दीजिए। पूरे वाकये पर RJD MLC सुनील कुमार सिंह ने विधान परिषद सभापति से आग्रह किया कि नीतीश कुमार के बयान को कार्यवाही के हिस्से से बाहर किया जाए। इस पर सभापति ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कुछ भी गलत नहीं कहा है, इसलिए यह प्रोसिडिंग का हिस्सा रहेगी। सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। माले MLC बोलीं- DM-SP पर कार्रवाई हो माले MLC शशि यादव ने कहा कि- 'सदन में हमलोग अपनी बात रख रहे थे। इस दौरान सीएम भड़क गए। उन्होंने कहा कि तुम लोगों को कुछ दिखाई नहीं देता है। हमने इतना काम किया है। नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी को कहते हैं कि इसके पति।' 'हमने सभापति को नालंदा में महिला की हत्या के मामले में DM-SP पर कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही कहा है कि 8 मार्च को छुट्टी होनी चाहिए।'

पटना हाईवे पर दो ट्रकों की भीषण टक्कर

जहानाबाद। में गया-पटना राष्ट्रीय राजमार्ग-22 पर मोहलिया गांव के पास एक सड़क हादसा हुआ। दो ट्रकों की आमने-सामने की टक्कर में एक खलासी की मौत हो गई। जबकि, दो चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना उस समय हुई जब जहानाबाद से माल उतारकर एक ट्रक मसौढ़ी की ओर जा रहा था। मोहलिया गांव के पास विपरीत दिशा से आ रहे दूसरे ट्रक से इसकी टक्कर हो गई। हादसे में खलासी प्रिंस कुमार, चालक संतोष कुमार और अमरिंदर कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों चालकों का इलाज जारी स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को सदर अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने खलासी प्रिंस कुमार को मृत घोषित कर दिया। दोनों चालकों का इलाज जारी है। मृतक प्रिंस कुमार गया जिले के टेकरी का रहने वाला था। संतोष कुमार शकूराबाद थाना क्षेत्र के लालू बिगहा और अमरिंदर कुमार गया जिले के बेला का निवासी है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि तेज रफ्तार के कारण यह हादसा हुआ। जिले में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण वाहनों की तेज रफ्तार है, लेकिन चालक इससे सबक नहीं ले रहे हैं।

महिला हिंसा पर सदन में हंगामा नीतीश ने जोड़े हाथ

बिहार। विधानसभा के बजट सत्र सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। इससे पहले सुबह कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष के विधायकों ने हंगामा किया। महिला हिंसा के खिलाफ विपक्ष के विधायक वेल में आकर प्रदर्शन कर रहे थे। इस दौरान स्पीकर ने कई बार बैठने को कहा, लेकिन वो नहीं माने। जिसके बाद CM नीतीश कुमार ने कहा- 'जब भी कोई घटना होती है, खबर आती है। तुरंत मैं अपने अधिकारियों से कहता हूं कि देखो क्या हुआ। जो गड़बड़ करेगा उसपर एक्शन होगा।' इस दौरान CM विपक्ष पर भड़कते भी नजर आए। उन्होंने तल्ख लहजे में कहा- 'ए सुनो, फालतू बात करते हो...इन सब चीजों पर प्रदर्शन की कोई जरूरत नहीं है। कहीं भी कुछ होता है तो मैं तत्काल अधिकारियों से कार्रवाई के लिए कहता हूं।' स्पीकर ने महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आज पहले महिला सदस्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। विपक्ष के विधायकों के प्रदर्शन पर तंज कसते हुए स्पीकर ने कहा- 'महिलाओं का विरोध करेंगे तो खाना नहीं मिलेगा, महिला पीड़ित लोग ज्यादा हल्ला कर रहे हैं।'

वहीं सदन शुरू होने ने पहले पोर्टिको में माले विधायकों ने प्रदर्शन किया। आउटसोर्सिंग में आरक्षण की मांग को लेकर राजद के विधायकों ने भी नारेबाजी की। विपक्ष की नारेबाजी के बीच विधानसभा में सीएम नीतीश कुमार ने एंट्री ली। सदन में आज 7 विभागों का बजट पेश किया जाएगा। पथ निर्माण विभाग, पंचायती राज विभाग, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, पर्यटन विभाग, अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति विभाग, कल्याण विभाग और खेल विभाग के मंत्री सदन में अपनी बात रखेंगे और बजट पेश करेंगे।

प्रेमी युगल को मिला समाज का साथ

रोहतास। के दिनारा में एक प्रेम कहानी ने खुशनुमा मोड़ लिया। समाज ने प्रेमी युगल का साथ देते हुए उनका विवाह सासाराम के राधा-कृष्ण मंदिर में करा दिया। प्रेमी मोनू यादव उर्फ श्याम नारायण दिनारा के डिहरा का निवासी है। प्रेमिका विभा कोचस के नरवर पंचायत के बिगन डिहरा की रहने वाली है। दोनों ग्रेजुएट हैं और पढ़ाई के दौरान ही उनके बीच प्रेम संबंध हुआ। पिछले एक साल से दोनों छिप-छिपकर मिलते रहे। परिवार वालों ने इन्हें साथ में पकड़ लिया था। जब गांव में इस प्रेम कहानी की चर्चा फैली, तो लड़की के परिजन बदनामी के डर से परेशान हो गए। उन्होंने कोचस पंचायत के पूर्व मुखिया लाल साहब सिंह यादव और समाजसेवी तेज प्रताप यादव से मदद मांगी। ग्रामीणों ने दोनों परिवारों को बुलाकर बातचीत शुरू की। शुरूआत में प्रेमी के परिजन विवाह के लिए तैयार नहीं थे। दोनों परिवारों के बीच तनाव बढ़ने लगा। लेकिन समाज के लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए दोनों परिवारों को मनाया। अंततः समाज के दबाव में प्रेमी के परिजन भी मान गए। दोनों का विवाह राधा-कृष्ण मंदिर में संपन्न हुआ। दोनों एक ही जाति के होने के कारण जातिगत बाधा भी नहीं आई।

विवाह के बाद प्रेमी युगल काफी खुश है। घटना समाज में एक सकारात्मक संदेश देती है।

जहां आमतौर पर प्रेम विवाह में समाज बाधा बनता है, इस मामले में समाज ने ही प्रेमी युगल को एक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रेमी मोनू यादव ने कहा कि हम दोनों में एक साल से प्रेम चल रहा था काफी खुशी हुई गांव वालों के में मदद से हम दोनों की शादी करवा दिया है, तो वही प्रेम का विवाह भी काफी खुश है।

दोनों ने गांव वालों को धन्यवाद कहा है।

बेसहारा बच्चों को मिल रहा नया जीवन बाल संरक्षण इकाई की पहल

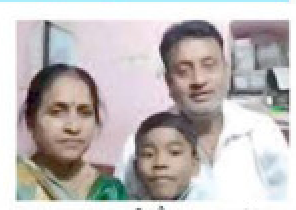

वैशाली। की बाल संरक्षण इकाई बेसहारा बच्चों के लिए उम्मीद बनकर उभरी है। समाज कल्याण विभाग ने बच्चों की उम्र के अनुसार अलग-अलग गृहों की व्यवस्था की है। छह साल तक के बच्चों के लिए विशेष दत्तक गृह है। बड़े बच्चों के लिए अलग बाल गृह और बालिका गृह बनाए गए हैं। कोई बच्चा मिलने पर चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम उसे बाल कल्याण समिति के सामने पेश करती है। समिति के आदेश पर बच्चे को उम्र के हिसाब से उपयुक्त गृह में भेजा जाता है। पदाधिकारी के नेतृत्व में बच्चों से बातचीत जिला बाल संरक्षण इकाई पहले बच्चों के मूल परिवार को खोजने का प्रयास करती है। बाल संरक्षण पदाधिकारी के नेतृत्व में टीम बच्चों से बातचीत करती है। माता-पिता का पता न चलने पर बच्चे के लिए नए परिवार की तलाश शुरू होती है। इसी कड़ी में 2023 में एक 5 साल के बच्चे से जुड़ा मामला सामने आया। बच्चा अपने घर का पता नहीं बता पा रहा था। टीम ने उसकी जानकारी के आधार पर खोजबीन की और आधार पंजीकरण भी कराया।

मानसिक रूप से चैतन्य और ईमानदार बनाए जाते हैं

वैशाली। जिले के सभी सरकारी मध्य विद्यालय एवं उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालयों में भारत स्काउट एवं गाइड यूनिट को सक्रियता एवं क्रियाशील करने के उद्देश्य से जिला शिक्षा पदाधिकारी वीरेंद्र नारायण के निदेशानुसार जिला कार्यक्रम पदाधिकारी समग्र शिक्षा राजन कुमार गिरी के नेतृत्व में स्काउट गाइड नोडल शिक्षकों का उन्मुखीकरण प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण जिले के सभी प्रखंड मुख्यालय में एक दिवसीय आयोजित किया गया। जिसमें सभी प्रखंडों में लगभग 735 विद्यालय के नोडल शिक्षकों ने भाग लिया। प्रखंड के मास्टर ट्रेनर ने उन्हें विद्यालय में स्काउटिंग गाइडिंग की गतिविधि को साप्ताहिक संचालित करने एवं स्कूली छात्र छात्राओं को समाज सेवा, नैतिक शिक्षा, डिजिटल साक्षरता, साइबर फ्रॉड, सेल्फ डिफरेंस, आपदा प्रबंधन जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर बच्चों को प्रशिक्षित करने का जानकारियां दिया। वहीं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी राजन कुमार गिरि ने सभी सरकारी विद्यालयों में भारत स्काउट गाइड यूनिट के गठन को अनिवार्य बताया है। सरकारी मध्य, उच्च व उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में स्काउट गाइड यूनिट का गठन किया जा चुका है। जिला संगठन आयुक्त ऋतुराज ने बताया कि प्रत्येक विद्यालय में भारत स्काउट और गाइड का एक यूनिट स्काउट व एक यूनिट गाइड का गठन किया गया है। प्रशिक्षण के माध्यम से स्काउट गाइड में नेतृत्व कौशल का विकास, अनुशासन को बढ़ावा देना, सामुदायिक सेवा के प्रति प्रोत्साहित करना, व्यक्तिगत विकास, सामुदायिक सेवा की भावना को जागृत करना है। वहीं विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण के माध्यम से स्काउट गाइड में सांस्कृतिक व रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ाना, बच्चों का सर्वांगीण विकास हो इसके लिए भारत स्काउट और गाइड द्वारा निर्धारित विषय के अनुसार जीवन जीने की कला को भी सिखाया जाता है।

आनंद यालविगी बने क्रिकेट संचालन निदेशक बिहार क्रिकेट संघ में मिली नियुक्ति

बिहार। क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय शुरू होने जा रहा है। प्रथम श्रेणी क्रिकेट के अनुभवी खिलाड़ी और कुशल प्रशासक आनंद यालविगी को बिहार क्रिकेट संघ (बीसीए) में क्रिकेट विकास और संचालन निदेशक (डायरेक्टर - गेम डेवलपमेंट एंड क्रिकेट ऑपरेशंस) के महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया गया है। यह निर्णय बीसीए की हाल ही में संपन्न आम सभा की बैठक में लिए गए फैसले के अनुरूप है, जिसमें बिहार में क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए अनुभवी नेतृत्व की आवश्यकता पर जोर दिया गया था। आनंद यालविगी का क्रिकेट करियर अत्यंत प्रभावशाली रहा है। उन्होंने न केवल भारत की जूनियर टीमों का प्रतिनिधित्व किया है, बल्कि कर्नाटक और मुंबई की रणजी ट्रॉफी विजेता टीमों का भी अहम हिस्सा रहे हैं। खेल के प्रति उनकी गहरी समझ और प्रतिबद्धता के चलते उन्होंने मुंबई की जूनियर और रणजी टीम के चयनकर्ता के रूप में भी सराहनीय कार्य किया है। इस नियुक्ति पर बीसीए के अध्यक्ष राकेश तिवारी ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा की हमें आनंद यालविगी का बिहार क्रिकेट संघ में क्रिकेट विकास और संचालन निदेशक के रूप में स्वागत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। उनके व्यापक क्रिकेटिंग और खेल प्रबंधन अनुभव के साथ, हमें पूरा विश्वास है कि उनकी नेतृत्व क्षमता और दूरदर्शी दृष्टिकोण बिहार में क्रिकेट के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। हम मिलकर बिहार क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए तत्पर हैं। कुशल खेल प्रबंधन विशेषज्ञ भी हैं आनंद आनंद यालविगी केवल एक प्रतिभाशाली क्रिकेटर ही नहीं, बल्कि एक कुशल खेल प्रबंधन विशेषज्ञ भी हैं। पिछले दो दशकों में उन्होंने क्रिकेट संचालन और खेल प्रबंधन के क्षेत्र में विभिन्न भूमिकाओं में अपनी सेवाएँ दी हैं। अपने समृद्ध करियर में उन्होंने कई प्रतिष्ठित क्रिकेट लीगों और विकास परियोजनाओं का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया है। बीसीए में अपने नए पद पर रहते हुए यालविगी की जिम्मेदारियों में नई नीतियों का निर्माण, क्रिकेट संचालन का सुव्यवस्थीकरण, खेल के बुनियादी ढांचे का प्रबंधन, विश्लेषण और प्रशासनिक समर्थन प्रदान करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, वे बीसीसीआई के साथ समन्वय स्थापित कर बिहार क्रिकेट से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर कार्य करेंगे। बिहार क्रिकेट संघ ने एक आधिकारिक बयान में कहा, उनके व्यापक अनुभव, नेतृत्व क्षमता और खेल की गहरी समझ के साथ, हमें उम्मीद है कि वे बिहार क्रिकेट को आगामी सत्र में नई ऊंचाइयों तक ले जाने में मदद करेंगे। आनंद यालविगी की इस नियुक्ति पर नालंदा जिला क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों ने भी हर्ष व्यक्त किया है। जिला संघ के अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार, सचिव गोपाल सिंह, मीडिया प्रभारी संतोष पांडे और उपाध्यक्ष अजय सिंह एवं हैदर आलम ने इस नियुक्ति को बिहार क्रिकेट के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभ संकेत बताया है। बिहार में क्रिकेट के प्रति बढ़ते उत्साह और राज्य के युवा क्रिकेटरों में निहित प्रतिभा को देखते हुए, विशेषज्ञों का मानना है।

संक्षिप्त डायरी

अष्टयाम यज्ञ के लिए निकाली गई कलश यात्रा

महुआ। मे अष्टयाम यज्ञ को लेकर महिलाओं ने गाजे बाजे के साथ कलशयात्रा निकाली गई। जानकारी के अनुसार महुआ प्रखंड क्षेत्र के जलालपुर गंगटी पंचायत के फुलार गांव में अखंड अष्टयाम यज्ञ का आयोजन किया गया। अष्टयाम यज्ञ को लेकर बुधवार को को गाजे बाजे, घोड़े के साथ कलशयात्रा निकाली गई। कलश यात्रा शिव मंदिर से निकाली गई। जहां महिलाओं ने हाजीपुर मंगाएं गए पवित्र गंगाजल से कलश में जल भरी की गई। जिसके बाद महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। कलश यात्रा विभिन्न गांव में घूमता हुआ यज्ञ स्थल पहुंचा जहां पर पूरे विधि विधान एवं मंत्र उच्चारण के साथ कलश की स्थापना की गई। इस दौरान विनोद , सीमा , अमोद राय, गौरव , सूर्यदेव राय,अशोक ,रंजीत राय,सुकेश राय,अमोद कुमार आदि उपस्थित थे।

महिलाओं के प्रति संवेदनशील बनें, तभी महिला सशक्तीकरण की होगी सार्थकता

बिहार। सुधारात्मक प्रशासनिक संस्थान, हाजीपुर, वैशाली के प्रशासनिक भवन स्थित दशरथ मांझी सभागार में पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो बीपीआर &डी नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित महिला सुरक्षा विषय पर अभियोजन सेवा के पदाधिकारियों का चतुर्थ एवं पंचम पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि सह न्यायमूर्ति समरेंद्र प्रताप सिंह व विशिष्ट अतिथि प्रणव कुमार, सचिव, गृह-सह-महानिरीक्षक, कारा एवं सुधार सेवाएँ, बिहार, पटना द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। सभागार में आगमन के पश्चात बीआईसीए के अनुमंडल अभियोजन पदाधिकारी अभय कुमार सिंह व उपनिदेशक अमर शक्ति ने अतिथियों को पौधा देकर स्वागत किया गया। मंच संचालन करते हुए संस्थान के सहायक निदेशक अमित कुमार एवं निदेशक नीरज कुमार झा, सत्र समन्वयक सह संस्थान के उपनिदेशक रवि कान्त देव ने पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को जानकारी देते हुए सभी प्रतिभागियों को पूर्ण मनोयोग से प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि सह न्यायमूर्ति समरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि प्राचीन काल में भी महिला सुरक्षा पर ध्यान दिया जाता था। आदि काल में सती प्रथा, बाल विवाह इत्यादि के बारे में अभियान चलाकर महिलाओं की सुरक्षा का ध्यान रखा गया है। आज महिलाओं की संख्या आधी आबादी के लगभग है, इस पर ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित पूरे देश में इतने कार्यक्रम कराये जा रहें हैं, फिर भी हम काफी पीछे हैं। इसमें बदलाव लान की आवश्यकता है। उन्होंने विभिन्न केसों के विषय में चर्चा करते हुए प्रतिभागियों को जानकारी दी। सुप्रीम कोर्ट से जारी गाईडलाईन के विषय में बताया प्रतिभाग्रियों को बताया कि पुराने लॉ में काफी बदलाव करते हुये नये प्रावधानों को जोड़कर कानून में संशोधन किया गया है, जिससे महिलाओं के प्रति घरेलू हिंसा एवं महिला सशक्तीकरण में बदलाव हुआ है। उन्होंने बताया कि निर्भया केस के बाद नारी सशक्तिकरण से संबंधित कई सारी गाईडलाईन सरकार द्वारा चलाये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर आप समाज में महिलाओं के प्रति संवेदनशील हैं, उनके मर्यादा के प्रति जागरूक हैं, तभी महिला सशक्तिकरण एवं इस कार्यक्रम की सार्थकता सिद्ध होगी। पुनः उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम में समाहित विषयों एवं सत्र लेने वाले साधन व्यक्तियों के बारे में बताते हुये प्रसन्नता व्यक्त की तथा प्रतिभागियों को एकाग्रता के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन संस्थान की प्रोबेशन पदाधिकारी अंकिता कुमारी ने दी। महिलाओं की वर्तमान में सुरक्षा एवं स्थिति को देखते हुये उठाये गये कई आवश्यक कदम प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि प्रणव कुमार ने बताया कि निर्भया कांड के पश्चात राष्ट्र की आधी आबादी की सुरक्षा तथा संरक्षण किस प्रकार की जाय। सरकार द्वारा विभिन्न कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। महिलाओं की वर्तमान में सुरक्षा एवं स्थिति को देखते हुये कई आवश्यक कदम उठाये गये हैं, जिससे महिलाओं के उत्थान में सहायता मिली है। उन्होंने जिविका, महिला हेल्प डेस्क, वन स्टॉप सेंटर, महिला थाना सरकार द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न योजनाओं के विषय में बताते हुये उनके प्रदत्त लाभ की विवेचना की। महिला सशस्तीकरण के विषय में बताते हुये उन्होंने कहा कि आज हमारे फोर्स में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है, जिससे महिलाएँ खुद को सुरक्षित, सशक्त एवं मजबूत पायेंगी।

14,120 लाभुकों को दी गई प्रथम किस्त की राशि

बिहार। स्थित सभागार को जिले में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना में प्राप्त अतिरिक्त लक्ष्य के विरूद्ध आवास स्वीकृति, एक मुश्त प्रथम किस्त का भुगतान तथा आवास निर्माण पूर्ण किए गए आवास का गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य स्तरीय कार्यक्रम से डीएम यशपाल मीणा, एडीएम विनोद कुमार सिंह, डीडीसी कुंदन कुमार के साथ सभी अधिकारी जुड़े हुए थें। इस कार्यक्रम में 14,120 लाभार्थियों को 40 हजार रुपए के दर से प्रथम किश्त की राशि का एकमुश्त भुगतान किया गया। इस पर कुल 56.48 करोड़ रुपये का व्यय हुआ। आगामी 100 दिनों में इन लाभुकों को द्वितीय और तृतीय किश्त के रूप में 80 हजार की दर से भुगतान किया जाएगा। गृह प्रवेश के तहत लाभुकों को डीएम ने सौंपी प्रतिकात्मक चाबी मौके पर डीएम यशपाल मीणा ने प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्राप्त अतिरिक्त लक्ष्य के विरूद्ध हाजीपुर प्रखंड के लाभुक बेबी देवी, मतीया देवी, नागेन्द्र तिवारी, इन्दु देवी, ललिया देवी को स्वीकृति पत्र एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 में आवास निर्माण पूर्ण किये गये लाभुकों यथा शर्मिला देवी, बिरेन्द्र सिंह, उर्मिला देवी, अनिता देवी, बेबी देवी को गृह प्रवेश के तहत प्रतिकात्मक चाबी सौंपें। डीएम ने कहा कि जिन परिवारों को इसका लाभ मिला है, उन्हें बधाई देता हूं।

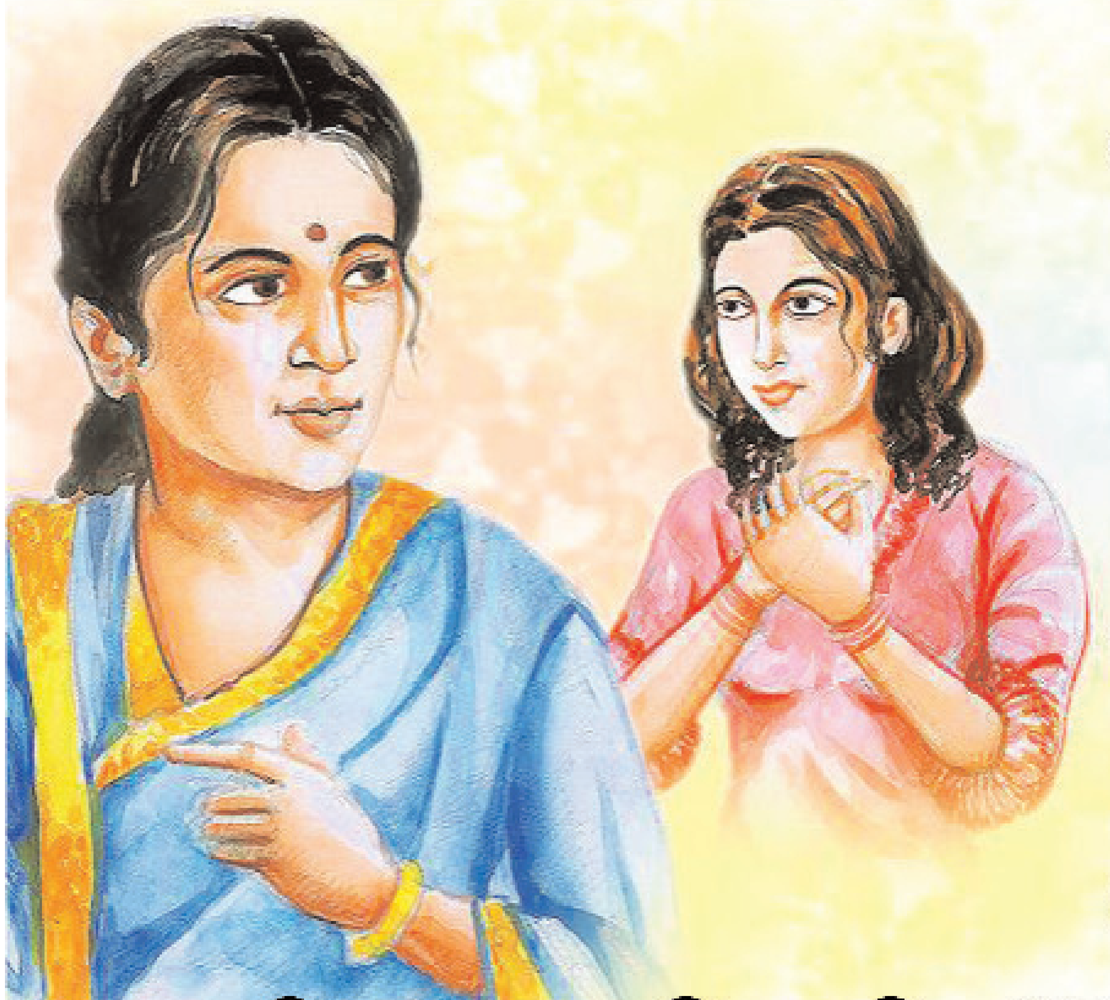

भारतीय संस्कृति में नारी के सम्मान को बहुत महत्व दिया गया है। संस्कृत में एक श्लोक है- 'यस्य पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवताः। अर्थात, जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु वर्तमान में जो हालात दिखाई देते हैं, उसमें नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे 'भोग की वस्तु' समझकर आदमी 'अपने तरीके' से 'इस्तेमाल' कर रहा है। यह बेहद चिंताजनक बात है। लेकिन हमारी संस्कृति को बनाए रखते हुए नारी का सम्मान कैसे किया जाए, इस पर विचार करना आवश्यक है।

अपनी जिंदगी की महानायिका हैं आप

यह नायिका है, उसके आगे से आती है एक मधुर सुवासित आहट। आहट त्योहार की। आहट रास, उल्लास और श्रृंगार की। आहट आस्था, अध्यात्म और उच्च आदर्शों के प्रतिस्थापन की। सुंदर सुकोमल फूलों की वादियों के बीच खुल जाती है खुशबू की महकती राहें, उसके आने से। नायिका जो बिखेरती है सारे तरफ खुशियों के रंग सारे रिश्ते-खिलखिलाते रंग। उसके कई रंग हैं, हर रंग में एक आस है, विश्वास है और अहसास है। उसके रूप में संस्कृति है, सुकृति है और सौंदर्य है। यही केन्द्र में है, यही परिधि हर कोने में सुवासित होती है उसकी शक्ति। उस दिव्य शक्ति के बिना किसी त्योहार, किसी पर्व, किसी रंग और किसी उमंग की कल्पना संभव नहीं है। हमारे समस्त रीति-रिवाज, तीज-त्योहार या अनुष्ठान-विधान हमारी नायिका के हाथों से संपन्न होते हैं। इस धरा की महकती मिट्टी की महिमा है कि नायिका इसने सम्मानजनक स्थान पर प्रतिष्ठापित है। सदियों पूर्व इसी सौंधी वसुंधरा पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को अपना विराट स्वरूप दिखाते हुए कहा था

'कीर्तिः श्री वाक्च नारीणा
स्मृति मेधा धृतिः क्षमा।'

अर्थात नारी में मैं, कीर्ति, श्री, वाक्, स्मृति, मेधा, धृति और क्षमा हूं।

दूसरे शब्दों में इन नारायण तत्वों से निर्मित नारी ही नारायणी है। संपूर्ण विश्व में भारत ही वह पवित्र भूमि है, जहां नारी अपने श्रेष्ठतम और पवित्र रूपों में अभिव्यक्त हुई है। हमारी आर्य संस्कृति में नायिका अतिविशिष्ट स्थान रहा है। आर्य चिंतन में तीन अनादि तत्व माने गए हैं - परब्रह्म, माया और जीव। माया, परब्रह्म की आदिशक्ति है एवं जीवन के सभी क्रियाकलाप उसी की इच्छाशक्ति से होते हैं। ऋग्वेद में माया को ही आदिशक्ति कहा गया है उसका रूप अत्यंत तेजस्वी और ऊर्जावान है। फिर भी वह परम कारुणिक और कोमल है। जड़ चेतन सभी पर वह निस्पृह और निष्पक्ष भाव से अपनी करुणा बरसाती है। प्राणी मात्र में आशा और शक्ति का संचार करती है। देवी भागवत के अनुसार -'समस्त विद्या, कला, ग्राम्य देवियां और सभी नारियां इसी आदिशक्ति की अंशस्वरूपिणी हैं। एक सूक्त में देवी कहती हैं -

'अहं राष्ट्री संगमनी वसूना
अहं रूद्राय धनुरातनोमि'

अर्थात 'मैं ही राष्ट्र को बांधने और ऐश्वर्य देने वाली शक्ति हूं। मैं ही रूद्र के धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाती हूं। धरती, आकाश में व्याप्त हो मैं ही मानव त्राण के लिए संग्राम करती हूं।'

विविध अंश रूपों में यही आदिशक्ति सभी देवताओं की परम शक्ति कहलाती है, जिसके बिना वे सब अपूर्ण हैं, अकेले हैं, अधूरे हैं। हमारी यशस्वी संस्कृति स्त्री को कई आकर्षक संबोधन देती है। मां कल्याणी है, पत्नी गृहलक्ष्मी है। बिटिया राजनंदिनी है और नवेली बहू के कुंकुम भरे चरण ऐश्वर्य लक्ष्मी आगमन का प्रतीक है। हर रूप में वह आराध्या है। पौराणिक आख्यान कहते हैं कि अनादिकाल से नैसर्गिक अधिकार उसे स्वतः ही प्राप्त हैं। कभी मांगने नहीं पड़े हैं। वह सदैव देने वाली है। अपना सर्वस्व देकर भी वह पूर्णता के भाव से भर उठती है। जल, थल, अग्नि, गगन और समीर इन्हीं पंचतत्वों को मिलाकर ही सृष्टिकर्ता ने 'उसे' भी रचा है। उसके सुंदर सपने भी उम्मीद भरे आकार ग्रहण करते हैं। 'वह' भी अनुभूतियों की मधुरतम सुगंध से सराबोर होना चाहती है। मंदिर की खनखनाती सुरीली घंटियों-सी 'उसकी' खिलखिलाहट भी बहुदूर बिखर जाना चाहती है। महत्वाकांक्षा की आसमानजड़ियां 'उसके' भी मन-उपवन को महकाना चाहती हैं, किंतु यथार्थ यह समाज में सिर्फ 'देह' समझी जाती है। उसके सपने आकार ग्रहण करें, उससे पहले बिखेर दिए जाते हैं, अनुभूतियां छल-कपट का शिकार हो छटपटाती रह जाती हैं, उसकी हंसी क्रूरता की कड़वाहट के कुहासे में दबकर रह जाती है और महत्वाकांक्षा कैक्टस में परिवर्तित हो हमेशा की चुभन बन जाती है। ऐसा क्या चाहा है उसने इस समाज से, जो वह देने में सक्षम नहीं है सहारा, सुविधा, संरक्षण और सहायता? नहीं। उसने हमेशा एक सुंदर, संस्कारित, उच्च मानवीय दृष्टिकोण वाला सभ्य परिवेश चाहा है। अपनी सहृदयता से उसे नैतिक संबल और सुअवसर दीजिए कि वह सिद्ध कर सके - अपने व्यक्तित्व को, अपनी विशिष्टता को। अपने ही पूरक पुरुष को पछाड़ना उसका मकसद नहीं है, उनसे आगे निकल जाना उसका ध्येय नहीं है, वह तो समाज में अपना एक वजूद चाहती है, एक पहचान चाहती है, जो उसकी अपनी हो। क्यों समाज कृपण और कंगाल हो जाता है, जब कुछ उसे देने की बात आती है, जिसको अपने पृथ्वी पर आगमन से ही सिर्फ और सिर्फ दिया है, लिया कुछ नहीं।

मुट्ठी भर आसमान, एक चुटकी धूप, अंजुरी भर हवा और थोड़ी सी जमीन, जहां वह अपने कदमों को आत्मविश्वास के साथ रख सके। बस इससे अधिक तो कभी नहीं चाहा उसने! फिर क्यों उसके उत्थान के उज्ज्वल सूर्य को अर्घ्य देने में सारे समाज का समंदर थरथरा उठता है? क्यों उसके विस्तार की धरा को अभिस्थापित करने में समाज के हाथ पंगु हो जाते हैं और क्यों उसके विराट महत्व को स्वीकारने में सारा समाज संकीर्ण हो जाता है?

कई रिश्तों में बंधी लेकिन सबको जीती हुई मां, पत्नी, प्रेमिका, मित्र, बहू, बेटी, बहन, ननद, भाभी, देवरानी, जेठानी, चाची, ताई, मामी, बुआ,मौसी, दादी, नानी, बॉस, सहकर्मी,अनंत सूची है...मीठे, मोहक रिश्तों को अपने आंचल में बांधे तलाशती है वह खुद को। वह मिलती है खुद से। रिश्तों के इतने सुरीले सुरम्य आंगन में खड़ी वह बनाती है एक रिश्ता अपने आप से। जी हां, नायिका का एक रिश्ता और है और वह है खुद का खुद से। स्वयं का स्वयं से। अपना सबकुछ देने के बाद भी वह बचा कर रखती है खुद को खुद के लिए। वह नहीं भूलती उस खूबसूरत रिश्ते को जो उसका उसी से है।

यह रिश्ता नायिका का उससे परिचय करवाता है। यही रिश्ता कहता है उससे, खुद में ही झांकने के लिए। कितने मधुर सपने हैं उसके भीतर जो साकार होने के लिए कसमसा रहे हैं। यह रिश्ता उसे चुनौती देता है, ऐसा क्या है जो वह नहीं कर सकती? फिर यही कहता है उससे-सब कुछ तो कर सकती हो तुम।

यह रिश्ता उसका उस पर ही विश्वास स्थापित करता है.और वह जीत जाती है दुनिया की हर जंग। वह अपने आप से लड़ती भी है, वह अपने आप से प्यार भी करती है। वह अपने आप का सम्मान भी करती है। यही रिश्ता समझाता है उसे-खुद के लिए वह क्या है और उसकी जिंदगी के क्या मायने हैं। क्या आपका है अपने आपसे यह रूहानी रिश्ता? ढेर सारे रिश्तों के बीच बनाए एक गहरा, नाजुक, मधुर और मजबूत रिश्ता अपने आप सेक्योंकि आप नायिका हैं अपनी ही जिंदगी पर बनी अपनी ही फिल्म की आप महानायिका हैं।

कब शुरू हुआ और आखिर क्या है विश्व महिला दिवस का इतिहास?

विश्व अंतर्राष्ट्रीय दिवस 8 मार्च को पूरी दुनिया मे मनाया जाता है। यह महिलाओं के लिए अब एक उत्सव के रूप में बदल गया है। इस मौके पर कई तरह के आयोजन किए जाते है, लेकिन इसकी शुरुआत और इतिहास को लेकर भी कई दिलचस्प पहलू हैं। आज हम आपको बताएंगे कि आखिर महिलाओं से जुड़े इस उत्सव की शुरुआत कब हुई और क्या है इसका इतिहास।

दरअसल, समानाधिकार के लिए महिलाओं की लड़ाई के बाद इसे मनाने की परंपरा शुरू हुई। प्राचीन ग्रीस में लीसिसट्राटा नाम की एक महिला ने फ्रेंच क्रांति के दौरान युद्ध समाप्ति की मांग रखते हुए इस आंदोलन की शुरुआत की थी। फारसी महिलाओं के एक समूह ने वरसेल्स में इस दिन एक मोर्चा निकाला। इस मोर्चे का मकसद युद्ध की वजह से महिलाओं पर बढ़ते हुए अत्याचार को रोकना था। साल 1909 मे सोशलिस्ट पार्टी ऑफ अमेरिका ने पहली बार पूरे अमेरिका में 28 फरवरी को महिला दिवस मनाया था। सन 1910 में सोशलिस्ट इंटरनेशनल द्वारा कोपनहेगन मे महिला दिवस की स्थापना हुई। 1911 में ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, जर्मनी और स्विट्जरलैंड में लाखों महिलाओं द्वारा रैली निकाली गई। मताधिकार, सरकारी कार्यकारिणी मे जगह, नौकरी मे भेदभाव को खत्म करने जैसी कई मुद्दों की मांग इस रैली मे की गई। 1913-14 प्रथम विश्व युद्ध के दौरान, रूसी महिलाओं द्वारा पहली बार शांति की स्थापना के लिए फरवरी माह के अंतिम रविवार को महिला दिवस मनाया गया। यूरोप मे भी युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन हुए। 1917 तक विश्व युद्ध में रूस के 2 लाख से ज्यादा सैनिक मारे गए, रूसी महिलाओं ने फिर रोटी और शांति के लिए इस दिन हड़ताल की। हालांकि राजनेता इसके खिलाफ थे, फिर भी महिलाओं ने एक नहीं सुनी और अपना आंदोलन जारी रखा और फलतः रूस के जार को अपनी गद्दी छोड़नी पड़ी और सरकार को महिलाओं को वोट देने के अधिकार की घोषणा करनी पड़ी। यह दिन महिलाओं को उनकी क्षमता, सामाजिक, राजनैतिक व आर्थिक तरक्की दिलाने व उन महिलाओं को याद करने का दिन है जिन्होंने महिलाओं को उनके अधिकार दिलाने के लिए अथक प्रयास किए। भारत में भी महिला दिवस व्यापक रूप से मनाया जाने लगा है। पूरे देश में इस दिन महिलाओं को समाज मे उनके विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया जाता है। समाज, राजनीति, संगीत, फिल्म, साहित्य, शिक्षा क्षेत्रों में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए महिलाओं को सम्मानित किया जाता है। गरीब महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

अपनी सोच से समाज में सकारात्मकता का निर्माण कर सकती है स्त्री

घर से लेकर ऑफिस तक। राजनीति से लेकर समाज तक। यह वह दौर है जब महिलाएं हर क्षेत्र में अपना वर्चस्व कायम कर रही हैं। कई मामलों में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। ठीक इसी तरह सांप्रदायिकता और अराजकता के इस माहौल में भी महिलाएं अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं, दरअसल, महिलाएं अपने बच्चों, पति और घर के अन्य पुरुषों को अपनी सकारात्मक सोच और विचार से प्रभावित कर सकती हैं। इसमे कोई संशय नहीं कि किसी भी पुरुष और बच्चे में सकारात्मक सोच की शुरुआत घर से ही होती है। बच्चा घर में जैसा माहौल देखेगा या उसके परिजन खासतौर से मां जो उसे सिखाएगी, जिन विषयों पर उससे चर्चा करेगी, वही आगे चलकर उसके विचारों में शामिल होगा। ठीक इसी तरह पुरुषों की सोच, विचार और मानसिकता को भी घर की महिलाएं बहुत हद तक नियंत्रित या यूं कहें कि प्रभावित कर सकती हैं। महिलाओं की भूमिका को इस सकारात्मक परिपेक्ष्य में इसलिए भी देखा जाना चाहिए क्योंकि शारीरिक तौर के साथ ही मानसिक तौर पर भी उन्हें 'सॉफ्ट' माना जाता है। वे कई विषयों को लेकर बेहद संवेदनशील होती हैं। ऐसे में जब समाज में कोई अराजक स्थिति पैदा होती है तो सबसे पहले महिलाओं से उनकी संवेदनशीलता के पैमाने पर ही अपेक्षा की जाती है। हालांकि शाहीन बाग इस मामले में अपवाद है। यहां महिलाओं की तय छवि से अलग तस्वीर नजर आई। यह सही है कि यहां महिलाएं अपनी अभिव्यक्ति की आजादी के लिए प्रदर्शन में शामिल हुई हैं, लेकिन अपने मासूम बच्चों को इसमें शामिल करना, उन्हें ऐसे आंदोलनों का हिस्सा बनाना महिलाओं की छवि से अलग छवि को गढ़ता है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी जगह बनाई है, लेकिन सामाजिक जागरूकता के परिपेक्ष्य में भी महिलाओं के लिए जरूरी है कि वे अपनी ताकत को फिर से पहचाने, अपने स्त्री पक्ष से घर में, समाज में और अपने कार्यक्षेत्र में अपनी सकारात्मक सोच का निर्माण करें।

नए युग की नई नारी ने प्रगति की, पर सम्मान नहीं बढ़ा

नए युग की नारी के पास कामयाबी के उच्चतम शिखर को छूने की अपार क्षमता है। उसके पास अनगिनत अवसर भी हैं। जिंदगी जीने का जज्बा उसमें पैदा हो चुका है। दृढ़ इच्छाशक्ति एवं शिक्षा ने नारी मन को उच्च आकांक्षाएं, सपनों के सातरंग एवं अंतर्मन की परतों को खोलने की नई राह दी है। निःसंदेह आज की नारी की भूमिका में तीव्रता से परिवर्तन हुआ है।

पहले वह घर की रानी थी, फिर उत्तम कार्यों में संलग्न होकर समाज कल्याण में प्रवृत्त हुई और आज वह राजनीतिज्ञों एवं प्रशासकों की सामाजिक भूमिका में उतरी है। तथापि हम इस तथ्य से भली-भांति अवगत हैं कि नारी की पारंपरिक भूमिका का अतिक्रमण होना अभी शेष है और कि उसके विरुद्ध पूर्वाग्रह आज भी रावण की भांति प्रबल हैं।

इस सदी की नारी समाज में 'टेक ओवर' करने के रूप में उभरी है। उसने कड़ी मेहनत से बहुत तरक्की की है, पर उसका समाज में सम्मान नहीं बढ़ा। उसके वजूद से जुड़े प्रश्न आज भी उठते हैं। सबकुछ हासिल करने के बाद भी उसका नाम,उसकी तरक्की उसे खोखला महसूस करा जाते हैं। क्यों? क्योंकि पुरुष वैज्ञानिक रूप से चांद पर पहुंचकर भी मानसिक रूप से रसातल में ही है।

'नारी के सतीत्व और पुरुष के पुरुषत्व में अंतर मात्र इतना ही है कि स्त्री का सतीत्व उसके शरीर से जुड़ा है, जिसके भंग होते ही उसका मातृत्व जीवित हो उठता है।

नारी की दुनिया में सबकुछ है- उसका घर, परिवार, नाते-रिश्ते, समाज-संसार लेकिन वह स्वयं कहां है? एक सृजनशील, विकासवान व्यक्तित्व के रूप में? यह खोज आज उसके लिए बेहद जरूरी है, क्योंकि यह उसके अस्तित्व का सवाल है और यह सवाल बहुत नाजुक है। नारी जो मां है, बहन है, बेटी है, पत्नी है उसके हिस्से में अभी भी चूल्हे, धुएं, बिस्तर, बच्चे, बर्तन, दहलीजें हैं। वह सिर्फ निर्णय मानने वाली एक छोटी और दास इकाई है। अधिकांशतः ग्रेजुएशन करने वाली लड़कियों में यही भाव प्रमुख होता है कि घर में खाली बैठने से तो कॉलेज जाना बेहतर है। हजारों महिलाएं हर बरस देवदासी बना दी जाती है या वेश्यावृत्ति के नरक में धकेल दी जाती हैं। जीवन से मोहभंग की स्थिति झेलने को वह तैयार नहीं है। अपने अंदर नारी शक्ति की ऊर्जा को समेटती उलझनों को वह बाहर निकाल फेंकने लगी है। यह सब इसलिए नहीं कि माहौल में 'स्त्री विमर्श' घुल रहा है बल्कि यह सब इसलिए कि नारी अब रोने, बिसूरने के मूड में नहीं है। दोयम दर्जे को लेकर उसका नजरिया नहीं, कभी नहीं जैसा हो चला है।

इक्कीसवीं सदी की 'न्यू वुमन' अपने प्रति समाज की भावनाओं, प्रतिक्रियाओं में बदलाव चाहती है। रिश्तों-संबंधों में सुख का सृजन, निरंतर व्याकुल ऊष्मा बनाए रखने का सबल मन, पुरुष के साथ समभाव का आधार चाहती है, जिसकी शुरुआत घर से ही होती है। घर का कैसा भी कोई काम हो, सबसे पहले नारी की सुनवाई घर की असेम्बली में तो हो। पुरुष अपनी सर्वश्रेष्ठता और महानता से जुड़ी 'मेल डॉमिनेंस' से बाहर निकले यही आज के समाज के लिए बेहतर होगा। जब जीवन में निराशा या कोई समस्या अपनी भाषा में बोलती है तो उसे निर्जीव होने की अनुभूति से बचाए। एक जीवंत संवेदना कल-कल, छल-छल-सी बहती रहे। नारी आज परजीवी बनकर जीना नहीं चाहती, वह भी खुली हवा में सांस लेना चाहती है। बिना किसी भू-चाल का इंतजार किए उसकी पूरी गरिमा, आजादी से जीने की सृजित परिस्थितियां ही सजग समाज का नारी को अवदान होगा। स्त्री की सिरजना, समाज में स्थान पाना महज एक भावयात्रा नहीं, उसके साथ युगबोध के कई-कई सवाल गहराई से जुड़े हैं।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**

आईसीसी नॉकआउट मुकाबलों में भारतीय टीम पर भारी पड़ी है न्यूजीलैंड

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम रविवार को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल में, न्यूजीलैंड का मुकाबला करेगी। इस मैच में भारतीय टीम को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। इसका कारण है कि भारतीय टीम अभी तक इस टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं हारी है। उसने लीग स्तर के मुकाबले में कीवी टीम को हराया है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। वहीं अगर आंकड़ों पर नजर डाले तो कीव टीम का पलड़ा भारी है। इसका कारण है कि आज तक तीन बार दोनो टीमो के बीच नॉकआउट मुकाबला हुआ है जिसमें तीनो ही बार न्यूजीलैंड, जीती है। दोने के बीच अब तक आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी, एकदिवसीय विश्व कप 2019 सेमीफाइनल और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2019-2021 फाइनल में टक्कर हुई है। इसमें हर बार भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा है। इस बार हालांकि हालात भारतीय टीम के पक्ष में दिख रहे हैं क्योंकि उसने अब तक खेल के सभी क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम लगातार दुबई में खेलने से हालातों क अनुसार ढल गयी है। वहीं कीवी टीम ने अवतक अपने मुकाबले पाकिस्तान में खेले हैं।

दोनो ही टीमें सबसे पहले आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी 2000 के फाइनल में भिड़ी थीं तब न्यूजीलैंड ने 4 विकेट से मुकाबला जीता था। उस मैच में भारतीय टीम ने सौरव गांगुली (117) और सचिन तेंदुलकर (69) की शानदार पारी की मदद से भारत ने 50 ओवरों में 264/6 रन बनाए। वहीं इसके बाद क्रिस केर्न्स की नाबाद 102 रन की पारी से न्यूजीलैंड ने 2 गेंद पहले ही मुकाबला जीत लिया। चैंपियंस ट्रॉफी को ही पहले आईसीसी नॉकआउट टूर्नामेंट कहा जाता था

वहीं इसके बाद साल 2019 में एकदिवसीय विश्वकप में दोनो की टक्कर हुई थी। तब न्यूजीलैंड 18 रन से जीती थी। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में 239 रन बनाये थे। बारिश के कारण भारतीय टीम को 49 ओवर में संशोधित 240 रन का लक्ष्य मिला था जिसका पीछा करते हुए भारतीय टीम ने 49.3 ओवर में 221 बनाये थे इसके बाद आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2019-2021 फाइनल में भी भारतीय टीम आठ विकेट से हारी थी।

हरमनप्रीत कौर पर आचार संहिता के उल्लंघन के चलते जुर्माना

लखनऊ (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर पर यूपी वॉरियर्स के खिलाफ डब्ल्यूपीएल मैच में आचार संहिता के उल्लंघन के चलते फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगा है। यह मुकाबला भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया था। डब्ल्यूपीएल के बयान के अनुसार, हरमनप्रीत ने आर्टिकल 2.8 के लेवल 1 उल्लंघन को स्वीकार किया, जो अंपायर के फैसले पर असहमति जताने से जुड़ा है। मैच के दौरान घटना आखिरी ओवर के दौरान हुई, जब ऑन-फील्ड अंपायर ने मुंबई इंडियंस पर धीमी ओवर गति के कारण फील्डिंग प्रतिबंध लगाया था। नियम के तहत टीम को 30 गज के घेरे के बाहर केवल तीन फील्डर रखने की अनुमति थी। फैसले से नाखुश होकर हरमनप्रीत अंपायर अजितेश अर्गल से बहस करने लगीं।

हरमनप्रीत की नाराजगी के बीच मुंबई इंडियंस की गेंदबाज अमेलिया केर भी फैसले से नाराज दिखीं। इसी दौरान इंग्लैंड की खिलाड़ी सोफी एक्लेस्टोन, जो नॉन-स्ट्राइकर एंड पर खड़ी थीं, वे भी अंपायर से चर्चा करने पहुंच गईं। इसके बाद हरमनप्रीत और एक्लेस्टोन के बीच गर्मागर्म बहस हो गई, बहस के दौरान हरमनप्रीत उन्हें उंगली उठाकर कुछ कहते हुए नजर आईं। मामला बढ़ता देख अंपायरों ने हस्तक्षेप किया, जिसके बाद एक्लेस्टोन नॉन-स्ट्राइकर एंड पर लौट गईं, हालांकि वे इस फैसले से असंतुष्ट दिखीं। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। डब्ल्यूपीएल के नियमों के अनुसार, लेवल 1 उल्लंघन के मामलों में मैच रेफरी का फैसला अंतिम और मान्य होता है।

वहीं मैच में मुंबई इंडियंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 विकेट से जीत दर्ज की। केर ने घातक गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट (5/38) चटकाए, जिससे यूपी वॉरियर्स की टीम बड़े स्कोर तक नहीं पहुंच सकी। इसके बाद हेली मैथ्यूज ने 46 गेंदों में 68 रनों की तेजतर्रार पारी खेली और टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इस जीत के साथ मुंबई इंडियंस अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है।

अमेलिया केर इस सीजन में पांच विकेट लेने वाली पहली गेंदबाज बनीं और उन्होंने डब्ल्यूपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए अब तक का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन किया।

बेन स्टोक्स को मिल सकती है इंग्लैंड टीम की कप्तानी, ईसीबी के निदेशक का पूर्ण समर्थन

लंदन (एजेंसी)। जोस बटलर के इस्तीफे के बाद इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स सीमित ओवरों के प्रारूप में अगले कप्तान हो सकते हैं और ईसीबी के निदेशक रॉब की ने कहा कि खुद को 'अविश्वसनीय रणनीतिकार' साबित कर चुके इस करिश्माई हरफनमौला के नाम पर विचार नहीं करने वाला मूर्ख ही होगा।

चैम्पियंस ट्रॉफी में इंग्लैंड के एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाले के बाद बटलर ने टूर्नामेंट के बीच में ही कप्तानी छोड़ दी थी। इससे पहले भारत में श्रृंखला में भी उसे पराजय मिली। 33 बरस के स्टोक्स हैमस्ट्रिंग चोट के कारण चैम्पियंस ट्रॉफी से बाहर थे। उन्होंने 2023 विश्व कप के बाद से वनडे क्रिकेट नहीं खेली है जब उन्होंने इस प्रारूप से विदा लेने का अपना फैसला वापस ले लिया था।

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड में पुरुष क्रिकेट निदेशक की ने कहा, 'बेन स्टोक्स सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में से है। उसके नाम पर विचार नहीं करने वाला मूर्ख होगा।' उन्होंने कहा, 'वह अविश्वसनीय रूप से अच्छा रणनीतिकार है जो हमने टेस्ट क्रिकेट में देखा। वह खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करा पाता है। वह ऐसा इंसान है जो दबाव के हालात में खिलाड़ियों की ढाल बनकर उन्हें खुद पर भरोसा रखने में मदद करता है।'

स्टोक्स इस समय अबुधाबी में इंग्लैंड लायंस अभ्यास समूह के साथ हैं और भारत के खिलाफ जून से अगस्त तक होने वाली पांच टेस्ट की श्रृंखला तक फिट हो जाएंगे। इस समय यूएई में मौजूद की का मानना है कि स्टोक्स में वनडे टीम में जोश का संचार करने की क्षमता है जो उसने टेस्ट टीम के साथ किया।

स्टोक्स का कोच ब्रेंडन मैकुलम के साथ भी अच्छा तालमेल है जिससे उनकी दावेदारी को बल मिलता है। वैसे मैकुलम के सीमित ओवरों का प्रभार भी संभालने के बाद से इंग्लैंड ने 11 में से 10 मैच गंवाए हैं। वहीं 2022 से इंग्लैंड ने 35 में से 32 टेस्ट जीते हैं।

रोहित को लंबी पारी खेलने पावर प्ले में अपना रवैया बदलना होगा: गावस्कर

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा चैम्पियंस ट्रॉफी में अब तक बड़ स्कोर नहीं बना पाये हैं। ऐसे में पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि रोहित को पावरप्ले में आक्रामक बल्लेबाज की जगह पर लंबी पारी खेलनी चाहिये। वहीं कोच गौतम गंभीर ने रोहित के आक्रामक रवैये का बचाव किया है। गंभीर ने कहा कि हम औसत या रन नहीं देखते, बल्कि इंटेंट देखते हैं जबकि गावस्कर का मानना है कि भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में है और हर किसी को रोहित से एक बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी।

गंभीर ने सेमीफाइनल के बाद कहा था कि ड्रेसिंग रूम रोहित को आंकड़ों के आधार पर नहीं, बल्कि शीर्ष पर अपनी धमाकेदार शुरुआत से पैदा होने वाले इम्पैक्ट के आधार पर आंकता है। दूसरी ओर गावस्कर ने कहा कि रोहित को अपने रवैये पर फिर विचार करना चाहिए, उन्होंने कहा कि कप्तान के पास अकेले ही मैच को प्रभावित करने की क्षमता है। ऐसे में अगर वह 20 से 25 ओवर तक बल्लेबाजी करते हैं तो अकेले ही मैच बदल सकते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी के 4 मैचों में 104 रन 100 के आसपास के स्ट्राइक रेट से बनाने वाले रोहित ने अब तक इस टूर्नामेंट में एक बार 41 रन बनाये हैं अन्य मैचों में उनका स्कोर और कम है। हालांकि, एक बात जरूर है कि वे जिस मैच में तेज शुरुआत देते हैं, उसका लाभ मध्य क्रम को मिलता है। भारतीय टीम को रोहित के इस आक्रामक रवैये का लाभ विश्व कप कप 2023 और टी20 विश्व कप 2024 में मिला। ये लगातार तीसरा टूर्नामेंट है, जहां वे आक्रामक क्रिकेट खेल रहे हैं।

गावस्कर ने कहा, पिछले दो सालों से वह इसी दृष्टिकोण को अपना रहे हैं। इसकी शुरुआत भारत में विश्व कप के दौरान हुई थी और वह इसी फॉर्मूले पर टिके हुए हैं। उन्हें कुछ सफलता मिली है, हालांकि शायद उतनी नहीं जितनी उनकी प्रतिभा को मिलनी चाहिए। वह एक अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, जिनके पास ऐसे शॉट हैं जो खेल में बहुत कम लोगों के पास हैं। उन्होंने आगे कहा, इसे दर्शकों को खुश करने के दृष्टिकोण से देखिए। मैं टीम के दृष्टिकोण से नहीं बोल रहा हूं। अगर वह 25 ओवर भी बल्लेबाजी करते हैं, तो भारत 180-200 के आसपास होगा। कल्पना करें कि अगर

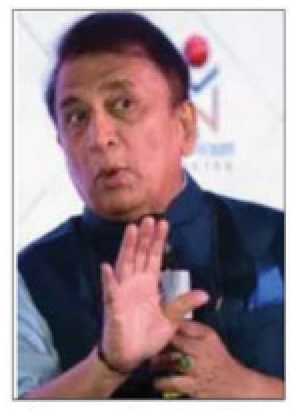

उन्होंने तब तक बल्लेबाजी की और केवल दो विकेट खोए हैं; जरा सोचें कि वे क्या कर सकते हैं। वे 350 या उससे अधिक तक पहुंच सकते हैं।

विलियमसन ने भारतीय टीम को चेताया, फाइनल में कुछ भी हो सकता है

लाहौर। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने रविवार को भारतीय टीम के खिलाफ होने वाले आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल को लेकर कहा कि इसमें कुछ भी हो सकता है। विलियमसन ने भारत को बेहतरीन टीम बताया पर साथ ही साथ फाइनल में कुछ भी हो सकता है। इससे एक प्रकार से उन्होंने भारतीय टीम को चेताया है। कहते हुए स्तर्क भी कर दिया है। विलियमसन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच के बाद कहा, भारत एक बेहतरीन टीम है और वास्तव में अच्छा खेल रही है। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि हम पिछले मैच से कुछ सीख लें जिसमें हमें भारतीय टीम ने हराया था। विलियमसन ने माना कि दुबई की परिस्थितियां पाकिस्तान से काफी अलग हैं। उन्होंने कहा, परिस्थितियां अलग हैं, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि हम उन सकारात्मक पहलुओं को ध्यान में रखें और फाइनल में किस प्रकार से खेलना है इसपर ध्यान दें। इस बारे में हमें अपन रुख स्पष्ट रखना होगा। हमें अपना ध्यान जल्दी से अगले मैच पर लगाना होगा क्योंकि हमारे पास ट्रॉफी जीतने का अच्छा अवसर है। उन्होंने सेमीफाइनल में शतक के लिए रचिन रविंद्र की भी प्रशंसा की है। विलियमसन ने कहा, राचिन एक असाधारण प्रतिभा है। उसके साथ बल्लेबाजी करना हमेशा शानदार होता है। वह मैदान पर निडर होकर उतरता है और टीम की जरुरत के अनुसार खेलता है।

कीवी कप्तान सेंटनर ने खुद बताया, पार्ट टाइम क्रिकेटर, फुल टाइम गोल्फर

दुबई। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी का खिताबी मुकाबला खेलने के लिए खेलने को तैयार है। 9 मार्च को दोनों टीमों के बीच फाइनल खेला जाएगा। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम पर खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। न्यूजीलैंड की टीम बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज मिचेल सेंटनर की कप्तानी में खेल रही है। वे खुद को पार्ट टाइम क्रिकेटर मानते हैं। सेंटनर ने लिखा है, पार्ट टाइम न्यूजीलैंड क्रिकेटर, फुल टाइम गोल्फर। सेंटनर को गोल्फ खेलने का काफी शौक है। क्रिकेट से जब भी समय मिलता है वह गोल्फ खेलने पहुंच जाते हैं। बात दें कि सेंटनर का भारत के खिलाफ दमदार रिकॉर्ड है। 2019 वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल मुकाबला कोई भी भारतीय फैन नहीं भूल सकता। मैच में सेंटनर ने 10 ओवर में 34 रन देकर दो विकेट लिए थे। उन्होंने ऋषभ पंत और हार्दिक पंड्या के बड़े विकेट लिए थे। 2021 टी20 वर्ल्ड कप में उन्होंने 4 ओवर में 15 रन दिए थे। तब मैच दुबई के मैदान पर ही हुआ था।

रोहित शर्मा को मोटा कहने वाली कांग्रेस नेता शमा ने किया शमी का बचाव

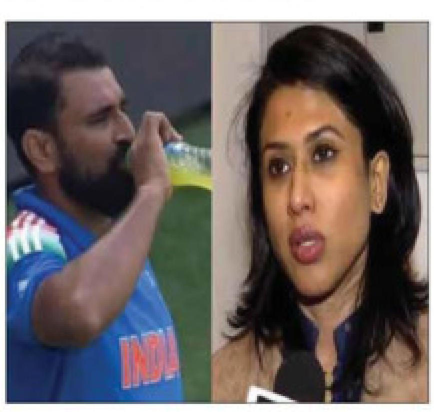

नई दिल्ली। क्रिकेटर मोहम्मद शमी की एनर्जी ड्रिंक पीते हुए फोटो सामने आने के बाद काफी बवाल मचा हुआ है। कुछ लोगों का कहना है रमजान के दौरान शमी ने रोजा न रखकर गलत किया है। वहीं, अब इस विवाद में शमा मोहम्मद भी कूद पड़ी हैं। शमा मोहम्मद वही कांग्रेस नेता हैं जिन्होंने कुछ दिन पहले रोहित शर्मा को मोटा कहा था। शमा मोहम्मद ने मोहम्मद शमी वायरल फोटो पर उनका बचाव किया है। उन्होंने इस्लाम का हवाला देते हुए कहाकि मोहम्मद शमी ने कुछ भी गलत नहीं किया है। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में मोहम्मद शमी की फोटो आई थी जिसमें वह एनर्जी ड्रिंक पीते नजर आ रहे हैं। इसके बाद सोशल मीडिया पर एक तबका शमी को ट्रोल कर रहा है। मोहम्मद शमी से जुड़े इस विवाद पर शमा मोहम्मद ने भी अपनी राय रखी है। शमा ने कहा है कि इस्लाम में रमजान के लिए एक खास बात है। जब हम यात्रा में होते हैं तो रोजा रखने की जरूरत नहीं। शमी अभी यात्रा कर रहे हैं। वह अपने घर पर भी नहीं हैं। वह एक ऐसा खेल खेल रहे हैं, जिसमें उन्हें काफी प्यास लग सकती है। शमा ने आगे कहाकि कोई भी यह नही कहता है कि जब आप खेल रहे हों तब भी रोजा रखें। आपके कर्म ज्यादा मायने रखते हैं। इस्लाम एक वैज्ञानिकतापूर्ण धर्म है।

सीनियर स्तर पर शानदार पदार्पण के बाद साक्षी की नजरें जूनियर विश्व कप पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी प्रो लीग में सीनियर टीम के साथ सफल पदार्पण के बाद युवा फॉरवर्ड साक्षी राणा अब अपनी रफ्तार पर काम कर रही है और उनकी नजरें चिली में इस साल के आखिर में होने वाले जूनियर विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन पर लगी है। सत्रह वर्ष की साक्षी ने स्पेन के खिलाफ पदार्पण मैच में गोल किया हालांकि भारत वह मुकाबला 3.4 से हार गया था।

साक्षी ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा, 'मैं लंबे समय से पदार्पण का इंतजार कर रही थी लिहाजा इसे लेकर बहुत खुश हूं। मैं मैच से पहले इतनी नर्वस नहीं थी क्योंकि सीनियर खिलाड़ियों ने मेरा समर्थन किया और मुझे कहा कि तुम्हारे पहले मैच में कोई गलती नहीं है लिहाजा खुलकर खेलो।'

उन्होंने कहा, 'मेरा लक्ष्य पहले मैच में गोल करने का था। मैंने जब गेंद पाई तो देखा कि मेरे आसपास कोई नहीं है। मैंने शॉट लिया और जब हर कोई चिल्लाने लगा तो मुझे अहसास हुआ कि गोल हो गया है।' साक्षी ने कहा, 'मैंने हॉकी इंडिया लीग और प्रो लीग में विदेशी खिलाड़ियों के साथ खेला तो मुझे लगा कि रफ्तार कितनी अहम है। मुझे मैदान पर तेज रफ्तार रहना होगा चूंकि मैं फॉरवर्ड पंक्ति में हूं। अब मैं इस पर काम कर रही हूं।'

साक्षी पिछले साल जूनियर एशिया कप जीतने वाली टीम में शामिल थी। उन्होंने कहा, 'मेरा फोकस जूनियर विश्व कप पर है और मैं इसके लिए काफी मेहनत कर रही हूं। मुझे उम्मीद है कि भारत को एक और पदक दिलाने में अहम भूमिका निभा सकती हूं।'

बाबर आजम टीम से हुए बाहर, दुखी पिता को वापसी की पूरी उम्मीद

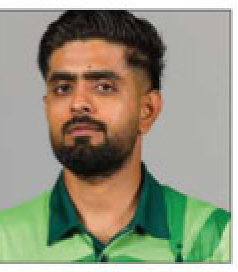

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में खराब प्रदर्शन का खामियाजा बाबर आजम को भुगतना पड़ रहा है। वे वनडे फॉर्मेट में खेली जा रही चैंपियंस ट्रॉफी के 5 मैचों में 122 रन ही बना सके थे। इसकारण पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बाबर को न्यूजीलैंड दौरे के लिए जारी टी20 टीम से बाहर कर दिया है। खराब फॉर्म के चलते बाबर को अपने देश में ही क्रिकेट प्रशंसकों की आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। इसी बीच टी20 टीम से बाहर होने पर बाबर के पिता भी दुखी दिखाई दिए हैं। बाबर के पिता आजम सिद्दीकी ने पोस्ट किया कि अगर कोई जवाब देता है, तब उनकी आलोचना करने वाले पूर्व क्रिकेटर बर्दाश्त नहीं कर पाएंगे। आजम ने उन लोगों पर सवाल उठाया जिनका खुद का रिकॉर्ड अच्छा नही है। आजम ने कहा कि उनके खेलने के दिनो में उनका प्रदर्शन कैसा था? लोग कहते हैं कि एक पिता बहुत ज्यादा बोलता है, लेकिन मैं बाबर का पहला और आखिरी कोच हूं। मैं उसका प्रवक्ता और संरक्षक हूं और उसका सबसे सच्चा शुभचिंतक हूं। आजम सिद्दीकी ने कहा कि उनका बेटा पीएसएल और नेशनल टी20 कप में अच्छा प्रदर्शन कर टी20आई टीम में वापसी करेगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पाकिस्तान की वनडे टीम

मोहम्मद रिजवान (कप्तान), सलमान अली आगा (उप-कप्तान), अब्दुल्ला शफीक, अबरार अहमद, आकिफ जावेद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, इमाम-उल-हक, खुशदिल शाह, मोहम्मद अली, मोहम्मद वसीम जूनियर, मुहम्मद इरफान खान, नसीम शाह, सुफियान मोकीम और तैय्यब ताहिर।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पाकिस्तान की टी20 टीम

सलमान अली आगा (कप्तान), शादाब खान (उप-कप्तान), अब्दुल समद, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, हसन नवाज, जहांदाद खान, खुशदिल शाह, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद अली, मोहम्मद हारिस, मुहम्मद इरफान खान, ओमैर बिन यूसुफ, शाहीन शाह अफरीदी, सुफ्यान मोकिम और उस्मान खान शामिल है।

कुलदीप की जगह इस गेंदबाज को मौका दे सकता है भारतीय टीम प्रबंधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में भारतीय क्रिकेट टीम का सामना न्यूजीलैंड से होगा। सेमीफाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन अब टीम प्रबंधन एक अहम बदलाव की तैयारी में है। गेंदबाजी लाइनअप में एक नया खिलाड़ी शामिल हो सकता है, जिससे टीम की गेंदबाजी को मजबूती मिलेगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने 4 विकेट से जीत दर्ज की, लेकिन मैच में कुछ कमियां भी सामने आईं। भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव उतने प्रभावी नहीं दिखे, जिससे टीम को एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज की कमी महसूस हुई। यह ध्यान में रखते हुए फाइनल मुकाबले में कुलदीप की जगह हर्षित राणा को मौका मिल सकता है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में भी टीम इंडिया की सलामी जोड़ी रोहित शर्मा और शुभमन गिल ही होगी। हालांकि, सेमीफाइनल में यह जोड़ी कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सकी थी, लेकिन फाइनल में दोनों से बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। वहीं विराट कोहली इनदिनों बेहतरीन फॉर्म में हैं और सेमीफाइनल के हीरो भी थे। वहीं, चौथे स्थान पर श्रेयस अय्यर की जगह पक्की है। टीम के मिडिल ऑर्डर में ज्यादा बदलाव नहीं किया जाएगा। नंबर 5 पर अक्षर पटेल की जगह तय है, जो एक उपयोगी स्पिन ऑलराउंडर हैं। वहीं, विकेटकीपर की भूमिका केएल राहुल निभाएंगे। ऑलराउंडर के रूप में हार्दिक पंड्या और रवींद्र जडेजा टीम में मौजूद रहने वाले हैं, जो बल्ले और गेंद दोनों से प्रभावी प्रदर्शन कर सकते हैं।

वहीं टीम प्रबंधन यादव की जगह तेज गेंदबाज हर्षित राणा को मौका दे सकता है। इसके अलावा, स्पिन विभाग में वरुण चक्रवर्ती को शामिल किया जाएगा, जो विपक्षी टीम के बल्लेबाजों को परेशान कर सकते हैं। मोहम्मद शमी अपनी बेहतरीन फॉर्म के चलते प्लेइंग 11 में बने रहने वाले है।

फाइनल के लिए संभावित प्लेइंग 11

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद शमी, हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती शामिल है।

चैम्पियंस ट्रॉफी में कई रिकॉर्ड बनाने वाले कोहली अब गेल का तोड़ेंगे रिकॉर्ड

-9 मार्च को दुबई में न्यूजीलैंड से होना है टीम इंडिया का मुकाबला

दुबई। विराट कोहली ने चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार पारियां खेल कर साबित कर दिया है कि जब मसला रनचेज का हो तो उनसे बड़ा कोई खिलाड़ी नही है। अब कोहली की नजर फाइनल पर टि?की है जो 9 मार्च यानी रविवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले इस फाइनल में विराट कोहली वेस्टइंडीज के क्रिस गेल को पीछे छोड़कर अपना नाम रिकॉर्डबुक में लिखवाना चाहते हैं। वही कोहली रनचेज करते हुए 8 हजार से ज्यादा रनों का आंकड़ा पार कर चुके हैं। कोहली ने चैम्प?ियंस ट्रॉफी में 17 मैचों में 746 रन बनाए हैं, जो किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे ज्यादा है। ओवरऑल अब वह क्रिस गेल के पीछे हैं, जिन्होंने 17 मैचों में 791 रन बनाए है यानी कोहली फाइनल में 46 रन बनाते ही क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। तीसरे नंबर पर इस सूची में श्रीलंका के महेला जयवर्धने हैं, जिनके नाम 22 मुकाबलों में 742 रन हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले किसी आईसीसी इवेंट में कोहली के नाम अब 50 प्लस का स्कोर 24 बार हो चुका है, जो किसी खिलाड़ी द्वारा सबसे ज्यादा है। चैम्प?ियंस ट्रॉफी में कोहली ने सातवीं बार 50 प्लस का स्कोर बनाया है, यह भी किसी एक खिलाड़ी द्वारा सबसे ज्यादा है। वहीं कोहली कुल 336 कैच ले चुके हैं, जो इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा किसी भारतीय खिलाड़ी द्वारा सबसे ज्यादा है। कोहली को मंगलवार को प्लेयर ऑफ द मैच मिला, जो किसी आईसीसी इवेंट में 15वीं बार था।

भारतीय टीम को लेकर बना रहा ये अजब संयोग, चिंतित हुए भारतीय खेलप्रेमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मैच दुबई में 9 मार्च को खेला जाएगा है। भारत के सामने न्यूजीलैंड की टीम होगी। लेकिन फाइनल मैच से पहले एक ऐसा संयोग बना है, जिससे भारतीय खेलप्रेमियों के होश उड़ गए हैं। असल में अभी तक दो बार ऐसा हुआ है, जब आईसीसी इवेंट्स में भारत ने लीग मैच में जिस टीम को हराया है, उसी के खिलाफ फाइनल खेला है। और दोनों ही बार भारतीय टीम को फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। गौर करने वाली बात यह है कि चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी भारत ने न्यूजीलैंड को लीग स्टेज में हराया है। अब फाइनल मैच में दोनों फिर से आमने-सामने हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ 2017 चैंपियंस ट्रॉफी लीग स्टेज पर हराने और फाइनल में हारने का भारत का सिलसिला 2017 में शुरू हुआ था। तब भारत और पाकिस्तान ग्रुप बी में थे। लीग मैच में भारत ने पहले खेलकर 3 विकेट पर 319 रन बनाए थे। रोहित, शिखर, विराट और युवराज ने अच्छी पारियां खेली थीं। इसके बाद में पाकिस्तान 164 रन पर ऑलआउट हो गया था। लेकिन जब यही दोनों टीमें फाइनल में उतारी तब कहानी पूरी तहर से बदल गई। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 338 रनों का भारी-भरकम लक्ष्य रखा। इसके सामने भारतीय टीम 158 रनों पर ऑलआउट हो गई। केवल हार्दिक पांड्या ने 70 रनों की पारी खेलकर थोड़ा सम्मान बच सके थे।

कुछ ऐसा ही मामला साल 2023 में खेले गए वनडे वर्ल्डकप में हुआ था। ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच का यह मैच आईसीसी वर्ल्ड कप का 5वां मुकाबला था। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी कर 199 रन बनाए थे। वहीं, भारत ने 201 रन बनाकर यह मैच जीत लिया था। भारत की ओर से कोहली ने 85 और केएल राहुल ने 97 रनों की पारियां खेली थीं। जबकि रोहित शर्मा, ईशान किशन और श्रेयस अय्यर जीरो पर आउट हो गए थे। बाद में दोनों टीमें टूर्नामेंट के फाइनल में भिड़ीं। 19 नवंबर को अहमदाबाद में जो हुआ उस मैच को याद करके आज भी फैन्स की आह निकल जाती हैं। रोहित शर्मा की आंखों से निकलते आंसू भूलते नहीं हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस
विशेष

महिलाओं के सम्मान हेतु अनवरत कार्य कर रही अबुआ सरकार...

घर, परिवार, समाज की धुरी महिला को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने का सीधा अर्थ है देश और राज्य का स्वत: सुदृढ़ हो जाना। झारखण्ड के परिप्रेक्ष में देखें तो झारखण्ड सरकार ने इस गणित को समझा और कई सफल योजनायें बनाकर चरणबद्ध तरीके से आधी आबादी को आर्थिक स्वावलंबन देने का प्रयास कर रही है। महिलाएं अगर आर्थिक रूप से स्वावलंबी हो, तो वह अपने घर, समाज, प्रदेश को उन्नति के रास्ते पर ले जा सकतीं हैं। झारखण्ड की ग्रामीण आदिवासी महिलाएं आदिकाल से बहुत मेहनती रही हैं और लंबे समय से आर्थिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती रहीं हैं। हेमन्त सरकार ने झारखण्ड की महिलाओं के इस कार्यशैली को और बेहतर करने का फैसला लिया और पिछले 5 सालों में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई सफल योजनाओं को धरातल पर उतारा है। सरकार की ओर से राज्य और राज्य के बाहर व्यापार में भागीदारी को सुनिश्चित करने, बालिका शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करने, महिलाओं को पेंशन के जरिए आर्थिक मजबूती देने का प्रयास लगातार किया जा रहा है। अभी सरकार द्वारा चलायी जा रही आधा दर्जन योजनाएं सिर्फ और सिर्फ महिलाओं की समृद्धि पर केंद्रित है।

बेटियों को मिल रही सपनों की उड़ान

किशोरियों की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से हेमन्त सरकार द्वारा प्रारंभ की गयी सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का लाभ सबसे अधिक ग्रामीण क्षेत्र में हो रहा है। ग्रामीण परिवेश की किशोरियों का स्कूल ड्राप आउट कई बार छोटी-छोटी आर्थिक जरूरत के पूरी ना होने की वजह से हो जाती थी। हेमन्त सरकार ने इस मामले को समझा और किशोरियों की आर्थिक जरूरत के लिए सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का उपहार दिया। महिला प्रोत्साहन और उनकी शिक्षा में बेहतरी के प्रयास के रूप में इस योजना को देखा जा रहा है। सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना से 10 लाख किशोरियों को जोड़ा गया है। सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत सरकार की ओर से कुल 5 बार में ₹40000 तक आर्थिक सहायता दी जाती है। यह सहायता वर्ग आठ से प्रारम्भ हो कर उनके 12वीं तक पहुंचने तक मिलती रहती है। इस योजना के तहत सरकारी स्कूल में वर्ग 8 से 12वीं तक की प्रत्येक स्कूली छात्रा को कक्षा आठ में 2,500, नौवीं में 2,500, 10वीं में 5,000, ग्यारहवीं में 5,000 और बारहवीं में 5,000 रुपये की सहायता उनके बैंक खाते में दी जाती है। जब किशोरी की उम्र 18 होने और उसका मतदाता पहचान पत्र बन जाये तो उसे एकमुश्त 20,000 रुपये दिया जाता है, ताकि छात्राएं उन रुपयों से आगे की पढ़ाई या कोई प्रशिक्षण ले कर स्वावलंबी बन सकें।

महिलाओं को मिल रहा सम्मान

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना (JMMSY) हेमन्त सरकार का आधी आबादी के आत्मसम्मान को बढ़ावा देने के लिए एक कारगर कदम है जिसमें 18 से 50 वर्ष की महिलाओं को उनके रोजमर्रा की जरूरत को ध्यान में रखते हुए ₹2500 प्रतिमाह की आर्थिक सम्मान राशी दी जा रही है। योजना ने ग्रामीण इलाके के वित्तीय ढांचे को खूब मजबूती दी है। सरकार के इस सम्मान राशि का उपयोग ग्रामीण परिवेश के छोटे व्यवसाय के लेनदेन में खूब हो रहा है। इस योजना के लिए अगस्त 2024 में पूरे राज्य में कैम्प लगाकर आवेदन लेने का कार्य किया गया था। आवेदन फॉर्म और प्रक्रिया नि:शुल्क थी । योजना से राज्य की बहन-बेटियाँ स्वावलंबी और सशक बन रहीं हैं । झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयाँ सम्मान योजना के लिए 2025-26 में ₹13 हजार 363 करोड़ 35 लाख का बजट रखा गया है ।

"यह सुखद अनुभव है कि मेरी लाखों बहनों को मंईयां सम्मान योजना का सम्मान मिल रहा है। इस सम्मान के लिए यह भाई हमेशा आपके साथ है।

महिलाओं के लिए स्वरोजगार के द्वार खुले

स्वयं सहायता समूहों को पलाश ब्रांड से जोड़कर उनके द्वारा उत्पादित वस्तुओं की ब्रांडिंग ने ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के लिए रोजगार के द्वार खोल दिये हैं। कोविड काल में विश्वव्यापी आर्थिक संकट का असर झारखण्ड पर भी पड़ा था लेकिन अब हालात सुधर रहे हैं जिसका जीता जागता उदाहरण पलाश ब्रांड है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के दिशा निर्देश पर क्रियान्वित किये जा रहे सफल प्रयास पलाश ब्रांडिंग एवं विपणन रणनीति के माध्यम से अब तक 50 विभिन प्रकार के उत्पादों को खुले बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। लगभग चार वर्ष से कम अवधी में लगभग 40 करोड़ से अधिक रुपए की सकल बिक्री की जा चुकी है। पलाश ब्रांड में अपने कृषि उत्पादों की आपूर्ति तथा अन्य प्रसंस्करण, पैकजिंग एवं बिक्री के कार्यों से अब तक राज्य के स्वयं सहायता समूहों की दो लाख से अधिक ग्रामीण महिलाएं जुड़ कर अपने आय में वृद्धि कर रहीं हैं तथा ग्रामीण अर्थवयवस्था को गति प्रदान करते हुए इसे मुख्यधारा से जोड़ रहीं हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर ग्रामीण महिलाओं के उत्पादों की पहचान बन चुकी पलाश ब्रांड को विशुद्ध व्यवसायिक परिचालन हेतु "पलाश इंटरप्राइजेज कंपनी" का गठन किया जा रहा है। इस पूरी योजना का मूल ग्रामीण अर्थवयवस्था में तेजी लाने का लक्ष्य है। इन योजनाओ से झारखण्ड की लाखों महिलाओ को लाभ मिल रहा है पिछले 5 सालों में कोरोना काल के बावजूद महिलाएं आर्थिक मामलों में काफी समृद्ध हुई है।

2019 से अब तक ₹10,111 करोड़ का क्रेडिट लिकेज। अब तक 2.59 लाख सखी मंडलों को बैंक क्रेडिट लिकेज से जोड़ा गया

महिला सशक्तिकरण को दिया जा रहा नया आयाम

10 गुना क्रेडिट लिकेज विगत साढ़े चार वर्ष में

ग्रामीण महिलाओ के उत्थान और उनके आर्थिक स्वावलंबन के प्रति संवेदनशील मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के विजनरी सोच का परिणाम है कि 2019 से पूर्व 09 वर्ष में सखी मंडल को जितना क्रेडिट लिकेज दिया गया, उसका 10 गुना क्रेडिट लिकेज विगत साढ़े चार वर्ष में मिला। यही नहीं सखी मंडल की संख्या में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वर्ष 2013 से 2019 तक एसएचजी को क्रेडिट लिंकेज के तहत 1,114 करोड़ की राशि दी गई, जबकि 2019 के बाद 30 जून 2024 तक 10,111 करोड़ की राशि सखी मंडल की महिलाओं को उनके सशक्तिकरण हेतु दी गई। वहीं 2013 से 2019 तक 2.45 लाख सखी मंडल की संख्या बढ़कर 30 जून 2024 तक 2.88 लाख हो गई।

ग्रामीण महिलाएं और अर्थव्यवस्था सशक्त हो, इसके लिए कृषि, पशुपालन, वनोपज, अंडा उत्पादन, जैविक खेती आधारित आजीविका से ग्रामीण परिवारों को आच्छादित किया जा रहा है। राज्य संपोषित झारखण्ड माइक्रोड्रिप इरिगेशन परियोजना के तहत करीब 31,861 किसानों को टपक सिंचाई तकनीक से जोड़ कर उन्नत खेती की जा रही है। इस परियोजना के तहत 30 हजार महिला किसानों को जोड़ने का लक्ष्य है।

फूलो झानो आशीर्वाद अभियान

फूलो झानो आशीर्वाद अभियान की शुरुआत वर्ष 2020 में की गई है, इस अभियान का उद्देश्य महिलाएं जो मजबूरीवश दारु -हड़िया की बिक्री और निर्माण कार्य से जुड़ी थीं, उन्हें आजीविका के सम्मानजनक साधनों से जोड़ना था। इस कार्य में राज्य सरकार को सफलता मिली। इस अभियान से जुड़कर महिलओं ने सम्मान जनक आजीविका को अपनाया।

अभियान से 36 हजार से अधिक महिलाएँ वैकल्पिक आजीविका से अपना जीवन यापन कर रहीं हैं। हमारी सरकार महिलाओं को वैकल्पिक रोजगार के लिए 50 हजार रुपए तक का ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध करा रही है।

भारत सरकार द्वारा समाज कल्याण मंत्रालय को 1.18% का बजट आबंटित किया गया

झारखण्ड महिला एवं बाल विकास के लिए कुल बजट का व्यय करेगा **14%**

एवं अन्य राज्यों का आबंटित बजट

उड़ीसा	बिहार	पश्चिम बंगाल	छत्तीसगढ़
6.20%	2.77%	2.31%	1.06%

झारखण्ड ने बजट में आधी आबादी का रखा ध्यान

- झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना **₹13,363 करोड़**
- सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना/मुख्यमंत्री कन्यादान योजना **₹310 करोड़**
- मातृ किट वितरण योजना **₹60 करोड़**
- गर्भवती महिला की देखभाल के लिए **₹60 करोड़**
- पलाश मार्ट **₹30 करोड़**

Advt.